ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

वार्षिक प्रतिवेदन

(01 अप्रैल, 2012 से 31 मार्च, 2013)

विषय-सूची

विवरण	पृष्ठ संख्या
1. कुलपति का संदेश	03
2. विश्वविद्यालय एक परिचय	04
3. सांविधिक निकाय	06
4. शैक्षणिक कर्मी	10
5. अकादमिक कार्यक्रम	15
6. भाषा विद्यापीठ	18
7. साहित्य विद्यापीठ	31
8. संस्कृति विद्यापीठ	42
9. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	74
10. सृजन विद्यापीठ	89
11. मानविकी एवं समाज विज्ञान विद्यापीठ	96
12. दूरस्थ शिक्षा निदेशालय	114
13. परीक्षा अनुभाग (उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची)	116
14. स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय	121
15. महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय	125

16.	प्रकाशन विभाग	128
17.	जनसूचना अनुभाग	129
18.	लीला (लेबोरेटरी इन इंफॉरमेटिक्स फॉर द लिबरल आर्ट्स)	130
19.	परिसर विकास कार्यालय	132
20.	जनसंपर्क कार्यालय	133
21.	क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता	135
22.	क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद	137
23.	राजभाषा विभाग	145
24.	प्रवेश प्रकोष्ठ	146
25.	पाठ्यक्रम शुल्क विवरण	151
26.	पर्यावरण क्लब	156
27.	शिशु विहार	157
28.	आखर अद्यतन	157
29.	नेट कोचिंग	158
30.	सावित्री बाई फुले महिला छात्रावास	158

कुलपति का संदेश

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय नेताओं एवं हिंदी प्रेमियों की यह एक उत्कट आकांक्षा रही है कि हिंदी भारत की भावनाओं एवं विचारों की अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना समुचित स्थान ग्रहण करे। दूसरी तरफ उनकी यह सोच भी थी कि न केवल विदेशों में, अपितु समूचे विश्व में फैले हुए भारतीय मूल के व्यक्तियों के बीच भाषिक आदान-प्रदान के समन्वय के लिए हिंदी का एक अंतरराष्ट्रीय सचिवालय स्थापित किया जाए। इसके अतिरिक्त उनकी यह भी परिकल्पना थी कि अंतरराष्ट्रीय भाषा के रुप में हिंदी की संपूर्ण संभावनाओं के विकास और संवर्धन के लिए एक केंद्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए। यह परिकल्पना वर्ष 1997 को महात्मा गांधी की 'कर्मभूमि' वर्धा (महाराष्ट्र) में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ साकार हुई। इससे पहले 1996 में मॉरीशस में विश्व हिंदी सचिवालय की स्थापना हुई। ऐसा प्रतीत होता है कि भविष्य में संयुक्त राष्ट्र में हिंदी के प्रयोग की अभिलाषा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के माध्यम से साकार होगी।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ईस्वी संवत् की सहस्राब्दि के अंतिम दशक में अस्तित्व में आया तथा यह नई सहस्राब्दि के प्रथम दशक के दौरान अपने पूर्ण रुप और शक्ति के साथ कार्य करने लगा है।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणतः हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना, देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी की कार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, के लिए उन्हें सहबद्ध करना और दूरशिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना होगा। वस्तुतः यह अपने विकास के निर्णायक दौर से गुज़र रहा है। भारत के ज्ञानाधार को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, जिसके लिए नितनूतन विकल्प तलाशे जा रहे हैं। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की परिकल्पना शिक्षा की एक वैकल्पिक संस्था के रुप में की गई है। यह सतत विचार प्रक्रिया का परिणाम है,

जिसमें अपने उद्देश्यों को पाने के लिए शैक्षणिक तकनीकों में निरंतर नवीनीकरण एवं मूल्यानुरूप नीतियों के लिए सतत प्रयास करना सम्मिलित है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अहिंसा एवं शांति-अध्ययन, स्त्री-अध्ययन, प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन आदि पाठ्यक्रमों के अध्ययन के लिए हिंदी को एक विकल्प के रूप में चुनने के लिए प्रेरित करता है। गांधी दर्शन का उद्देश्य व्यक्तिगत एवं सामूहिक संतुष्टि के लिए समान अवसर प्रदान करना है। नैतिक आचरण, विश्व-बंधुत्व एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान गांधी विचार के बुनियादी आयाम हैं। यह विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रम एवं कार्यक्रमों में इन आयामों को प्रतिफलित करता है। इसलिए गांधी दर्शन का क्रियात्मक प्रभाव विश्वविद्यालय की कार्य संस्कृति, पाठ्यचर्या एवं प्रशासनिक व्यवस्था में देखा जा सकता है। यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय एक अद्वितीय विश्वविद्यालय है जो अपने ज्ञानात्मक आधारों में वैश्विक एवं अपनी संरचना में अंतरराष्ट्रीय है। प्रमुखतः यह आवासीय विश्वविद्यालय है परंतु इसके अध्ययन केंद्र संपूर्ण भारत एवं विदेशों में भी होंगे।

यह विश्वविद्यालय एक ऐसी आधारभूमि के रूप में प्रस्तुत है जो उच्च शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए भारतीय भावनाओं एवं परंपराओं तथा आधुनिक तकनीकों का सहारा लेगा।

सांविधिक निकाय

1) श्री प्रणब मुखर्जी	-	कुलाध्यक्ष
2) डॉ. नामवर सिंह	-	कुलाधिपति
3) श्री विभूति नारायण राय	-	कुलपति
4) प्रो. ए. अरविंदाक्षन	-	प्रतिकुलपति
5) डॉ. कैलाश खामरे	-	कुलसचिव
6) श्री संजय भास्कर गवई	-	वित्ताधिकारी
7) डॉ. मैत्रेयी घोष	-	पुस्तकालयाध्यक्ष

कार्य-परिषद

1) श्री विभूति नारायण राय	-	कुलपति एवं अध्यक्ष
2) प्रो. ए. अरविंदाक्षन	-	प्रतिकुलपति एवं सदस्य
3) प्रो. एस. तंकमणि अम्मा	-	सदस्य
4) प्रो. कृष्ण कुमार	-	सदस्य
5) प्रो. राम करन शर्मा	-	सदस्य
6) डॉ. गंगा प्रसाद विमल	-	सदस्य
7) डॉ. एस.एन. राय	-	सदस्य
8) डॉ. निर्मला जैन	-	सदस्य
9) डॉ. सुभाष पांडेय	-	सदस्य
10) डॉ. कैलाश खामरे	-	कुलसचिव एवं पदेन सचिव

विद्या-परिषद

1) श्री विभूति नारायण राय	-	कुलपति एवं अध्यक्ष
2) प्रो. ए. अरविंदाक्षन	-	प्रतिकुलपति एवं सदस्य
3) प्रो. शंभुनाथ	-	सदस्य
4) प्रो. अंबा कुलकर्णी	-	सदस्य
5) प्रो. तुलसीराम	-	सदस्य
6) प्रो. अरूण कमल	-	सदस्य
7) प्रो. मनोज कुमार	-	सदस्य
8) प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल	-	सदस्य
9) प्रो. के.के.सिंह	-	सदस्य
10) प्रो. रामवीर सिंह	-	सदस्य
11) प्रो. लेला कारूण्यकरा	-	सदस्य
12) प्रो. संतोष कुमार भदौरिया	-	सदस्य
13) प्रो. अनिल कुमार राय	-	सदस्य
14) प्रो. सुरेश शर्मा	-	सदस्य
15) डॉ. मैत्रेयी घोष	-	सदस्य
16) डॉ. अन्नपूर्णा सी.	-	सदस्य
17) डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी	-	सदस्य

18) डॉ. शंभु गुप्त	-	सदस्य
19) डॉ. कृपाशंकर चौबे	-	सदस्य
20) डॉ. प्रीति सागर	-	सदस्य
21) डॉ. फरहद मलिक	-	सदस्य
22) डॉ. अनिल कुमार पांडेय	-	सदस्य
23) डॉ. अनिल कुमार दुबे	-	सदस्य
24) डॉ. एच.ए. हुनगुंद	-	सदस्य
25) डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	-	सदस्य
26) डॉ. उमेश कुमार सिंह	-	सदस्य
27) डॉ. सुरजीत कुमार सिंह	-	सदस्य
28) श्री राजकुमार	-	छात्र प्रतिनिधि
29) सुश्री शेल्लिना तोइजम	-	छात्र प्रतिनिधि
30) डॉ. कैलाश खामरे	-	कुलसचिव एवं पदेन सचिव

वित्त समिति

1) श्री विभूति नारायण राय	-	कुलपति एवं अध्यक्ष
2) प्रो. ए. अरविंदाक्षन	-	प्रतिकुलपति एवं सदस्य
3) श्री योगेंद्र त्रिपाठी	-	सदस्य
4) श्रीमती सी.आर. वत्सला हरिहरन	-	सदस्य
5) डॉ. अखिलेश गुप्ता	-	सदस्य

6) डॉ. अनंत राम त्रिपाठी - सदस्य
7) डॉ. अब्दुल बरी अब्दुल अजीज - सदस्य
8) श्री अनंत जी. गोडबोले - सदस्य
9) डॉ. कैलाश खामरे - विशेष निमंत्रित
10) श्री संजय भास्कर गवई - वित्ताधिकारी एवं पदेन सचिव

भवन-निर्माण समिति

1) श्री विभूति नारायण राय - कुलपति एवं अध्यक्ष
2) प्रो. ए. अरविंदाक्षन - प्रतिकुलपति एवं सदस्य
3) श्री वी.के. अय्यर - सदस्य
4) श्री आर.जी. बैस - सदस्य
5) श्री संजय भास्कर गवई - सदस्य
6) अधीक्षण अभियंता (केंद्रीय लोक निर्माण विभाग)-सदस्य
7) डॉ. कैलाश खामरे - कुलसचिव एवं सदस्य सचिव

शैक्षणिक कर्मी

भाषा विद्यापीठ

क्र.	नाम		पद	विभाग/केंद्र
1.	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल	-	निदेशक/प्रोफ़ेसर	- प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र
2.	श्री जगदीप सिंह दांगी	-	एसोशिएट प्रोफ़ेसर	- भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
3.	डॉ. अनिल कुमार पांडेय	-	रीडर	- भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
4.	डॉ. एच. ए. हुनगुंद	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
5.	डॉ. अनिल कुमार दुबे	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
6.	श्री अनिर्वाण घोष	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र
7.	डॉ. रवि कुमार	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र
8.	श्री पीयूष प्रताप सिंह	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र
9.	सुश्री शीला बोदरा	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र
10.	श्री धनजी प्रसाद	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- भाषा विद्यापीठ
11.	डॉ. पुरंदरदास	-	अनुसंधान अधिकारी	- भाषा विद्यापीठ

साहित्य विद्यापीठ

1.	प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल	-	प्रोफ़ेसर/संकायाध्यक्ष	- साहित्य विभाग
2.	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	-	प्रोफ़ेसर	- साहित्य विभाग
3.	डॉ. रामवीर सिंह	-	प्रोफ़ेसर	- साहित्य विभाग

4.	डॉ. प्रीति सागर	-	एसोशिएट प्रोफ़ेसर	- साहित्य विभाग
5.	डॉ. रामानुज अस्थाना	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- साहित्य विभाग
6.	डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- साहित्य विभाग
7.	डॉ. उमेश कुमार सिंह	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- साहित्य विभाग
8.	श्री अरुणेश नीरन शुक्ल	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- साहित्य विभाग
9.	डॉ. बीर पाल सिंह यादव	-	सहायक प्रोफेसर	- साहित्य विभाग
10.	डॉ. सुनील कुमार	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- साहित्य विभाग
11.	डॉ. रूपेश कुमार सिंह	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- साहित्य विभाग
12.	श्री परिमल प्रियदर्शी	-	अनुसंधान अधिकारी	- साहित्य विद्यापीठ

संस्कृति विद्यापीठ

1.	डॉ. मनोज कुमार	-	निदेशक/प्रोफ़ेसर/संकायाध्यक्ष	- महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र
2.	डॉ. इलीना सेन	-	प्रोफ़ेसर	- स्त्री अध्ययन विभाग
3.	डॉ. लेला कारुण्यकरा	-	निदेशक/प्रोफ़ेसर	- डॉ.बा.सा. आंबेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययनकेंद्र
4.	डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी	-	एसोशिएट प्रोफ़ेसर	- अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग
5.	डॉ. शंभु कुमार गुप्त	-	एसोशिएट प्रोफ़ेसर	- स्त्री अध्ययन विभाग
6.	डॉ. धूपनाथ प्रसाद	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग
7.	श्री राकेश कुमार मिश्र	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग
8.	डॉ. मनोज कुमार राय	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग
9.	सुश्री सुप्रिया पाठक	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- स्त्री अध्ययन विभाग
10.	सुश्री अवंतिका शुक्ला	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- स्त्री अध्ययन विभाग

11. श्री शरद जायसवाल	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- स्त्री अध्ययन विभाग
12. सुश्री चित्रा माली	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग
13. डॉ. सुरजीत कुमार सिंह	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- डॉ. भ.आ. कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र
14. श्री आशुतोष कुमार	-	अनुसंधान अधिकारी	- संस्कृति विद्यापीठ

सृजन विद्यापीठ

1. प्रो. सुरेश शर्मा	-	प्रोफ़ेसर	- नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग
2. डॉ. ओमप्रकाश भारती	-	एसोशिएट प्रोफ़ेसर	- नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग
3. डॉ. सतीश पावडे	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग
4. डॉ. विधु खरे दास	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

1. प्रो. देवराज	-	प्रोफ़ेसर	- अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
2. डॉ. अन्नपूर्णा सी.	-	एसोशिएट प्रोफ़ेसर	- अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
3. डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
4. डॉ. राम प्रकाश यादव	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
5. श्री राजीव रंजन राय	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- डायस्पोरा अध्ययन विभाग
6. सुश्री हरप्रीत कौर	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
7. श्री राम गोपाल	-	सहायक प्रोफ़ेसर	- अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
8. डॉ. प्रशांत खत्री	-	अनुसंधान अधिकारी	- अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

मानविकी एवं समाजविज्ञान विद्यापीठ

1.	डॉ. अनिल कुमार राय	- प्रोफ़ेसर	- संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
2.	प्रो. बी.एम. मुखर्जी	- प्रोफ़ेसर	- मानव विज्ञान विभाग
3.	डॉ. कृपाशंकर चौबे	- रीडर	- संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
4.	डॉ. फरहद मलिक	- एसोशिएट प्रोफ़ेसर	- मानव विज्ञान विभाग
5.	श्री धरवेश कठेरिया	- सहायक प्रोफ़ेसर	- संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
6.	डॉ. अख्तर आलम	- सहायक प्रोफ़ेसर	- संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
7.	श्री संदीप कुमार वर्मा	- सहायक प्रोफ़ेसर	- संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
8.	श्री राजेश वि. लेहकपुरे	- सहायक प्रोफ़ेसर	- संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
9.	श्री वीरेंद्र प्रताप यादव	- सहायक प्रोफ़ेसर	- मानवविज्ञान विभाग
10.	डॉ. निशीथ राय	- सहायक प्रोफ़ेसर	- मानवविज्ञान विभाग
11.	सुश्री रेणु सिंह	- सहायक प्रोफ़ेसर	- संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र

1.	डॉ. संतोष कुमार भदौरिया	- प्रोफ़ेसर	- महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र
2.	डॉ. जयप्रकाश राय	- क्षेत्रीय निदेशक/एसोशिएट प्रोफ़ेसर	- महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र
3.	डॉ. रविंद्र तुकाराम बोरकर	- क्षेत्रीय निदेशक/एसोशिएट प्रोफ़ेसर	- महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र
4.	श्री अमरेंद्र कुमार शर्मा	- सहायक प्रोफ़ेसर	- महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र
5.	श्री अमित राय	- सहायक प्रोफ़ेसर	- महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र
6.	श्री शंभू जोशी	- सहायक प्रोफ़ेसर	- महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र
7.	श्री संदीप मधुकर सपकाले	- सहायक प्रोफ़ेसर	- महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र
8.	श्री शैलेश कदम मरजी	- सहायक प्रोफ़ेसर	- महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र

अकादमिक कार्यक्रम

विद्यापीठ	विभाग	पाठ्यक्रम
भाषा विद्यापीठ	भाषा प्रौद्योगिकी विभाग	एम.ए. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)
		एम.फिल. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)
		पी-एच.डी हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)
		एम.ए. भाषाविज्ञान (प्रस्तावित)
	कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग	एम.ए. कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान
		एम.फिल. कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान
		पी.एचडी. कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान
	प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र	मास्टर ऑफ़ इंफ़ॉरमेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग (एम.आई.एल.ई)
		पी-एच.डी (इंफ़ॉरमेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग)
		सर्टिफिकेट इन कंप्यूटर एप्लिकेशन (सी.सी.ए.)
		डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन (डी.सी.ए.)
		पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन (पी.जी.डी.सी.ए.) प्रस्तावित
	भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र	विश्वभाषा हिंदी में अभिविन्यास पाठ्यक्रम एवं ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम
		विश्वभाषा हिंदी में डिप्लोमा
		फ्रेंच, चीनी एवं स्पेनिश भाषा में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा
		मराठी भाषा, उर्दू भाषा में डिप्लोमा
		अंग्रेज़ी एवं संस्कृत भाषा में डिप्लोमा (प्रस्तावित)

साहित्य विद्यापीठ	साहित्य विभाग	एम.ए. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)
		एम.फिल. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)
		पी-एच.डी. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)
		स्नातकोत्तर डिप्लोमा (तुलनात्मक साहित्य)
		स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिन्दुस्तानी)
संस्कृति विद्यापीठ	अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग	एम.ए. अहिंसा एवं शांति अध्ययन
		एम.फिल. अहिंसा एवं शांति अध्ययन
		पी-एच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन
	स्त्री अध्ययन विभाग	एम.ए. स्त्री अध्ययन
		एम.फिल. स्त्री अध्ययन
		पी-एच.डी. स्त्री अध्ययन
		स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (अंशकालिक)
	बाबा साहेब आंबेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र	एम.ए. दलित एवं जनजाति अध्ययन
		एम.फिल. दलित एवं जनजाति अध्ययन
		पी-एच.डी. दलित एवं जनजाति अध्ययन
		एम.ए. समाजकार्य (एम.एस.डब्ल्यू.) एवं एम.फिल. समाजकार्य
	डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	एम.ए. बौद्ध-अध्ययन
		बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
		एम.ए. बौद्ध अध्ययन
		पालि भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
		तिब्बती भाषा एवं तिब्बती बौद्ध धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
		बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग	एम.ए. हिंदी (अनुवाद प्रोद्योगिकी)
		एम.फिल. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)
		पी-एच.डी हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)
		स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिंदी अनुवाद)
		स्नातकोत्तर डिप्लोमा (निर्वचन)
		स्नातकोत्तर डिप्लोमा (प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद)
	डायस्पोरा अध्ययन विभाग	एम.फिल. प्रवासन, डायस्पोरा तथा ट्रांसनेशनल सांस्कृतिक अध्ययन
सृजन विद्यापीठ	नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग	एम.ए. नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन
		एम.फिल. नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन
मानविकी एवं समाजविज्ञान विद्यापीठ	संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र	एम.ए. जनसंचार एवं एम.फिल. जनसंचार
		पी-एच.डी. जनसंचार
		टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
		वेब पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
		प्रसारण माध्यमों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
		विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
		ग्राफिक्स एवं एनीमेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
		वीडियोग्राफ़ी एवं वीडियो संपादन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
	मानव विज्ञान विभाग	एम.ए. मानवविज्ञान
		एम.फिल. मानवविज्ञान
		पी-एच.डी. मानवविज्ञान
		फॉरेंसिक साइंस में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

भाषा विद्यापीठ

भाषा विद्यापीठ, उच्च गुणवत्ता संपन्न, आवश्यकता – आधारित, नवाचारी और छात्र केंद्रित शिक्षण पद्धतियों के प्रयोग द्वारा भाषाविज्ञान, कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी और भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में उच्च शिक्षा के विश्वस्तरीय मानदंडों के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही विद्यापीठ, हिंदी को विश्वभाषा के रूप में विकसित करते हुए, अन्य भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के साथ उसके आदान–प्रदान की प्रक्रिया को गतिमान करना अपना उद्देश्य मानता है। भाषा विद्यापीठ के अंतर्गत इन विभागों/केंद्रों का समावेश है-

1. भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
2. कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग
3. प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र
4. भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र

भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

वैश्वीकरण के वर्तमान युग में हिंदी के सर्वांगीण विकास के लिए उसे प्रौद्योगिकी से जोड़ना आवश्यक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना की गई, जहाँ भाषा प्रौद्योगिकी – आधारित भाषा संसाधन – पाठ तथा वाक् प्रौद्योगिकी, अनुवाद प्रौद्योगिकी और कॉर्पस भाषाविज्ञान जैसे उदीयमान अनुप्रयोग - क्षेत्रों में अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान होता है। विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

1. एम.ए. हिंदी (भाषा–प्रौद्योगिकी)
2. एम.फिल. हिंदी (भाषा–प्रौद्योगिकी)
3. पी-एच.डी. हिंदी (भाषा–प्रौद्योगिकी)
4. एम.ए. भाषाविज्ञान (प्रस्तावित)

कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग

कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान के क्षेत्र में अपने पाठ्यक्रमों द्वारा नए प्रतिमानों को समाहित करने के उद्देश्य से विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित है तथा पी-एच.डी. कार्यक्रम सत्र 2013-14 प्रारंभ होना है। इन पाठ्यक्रमों द्वारा इस विषय के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर अध्ययन – अध्यापन और अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाता है।

1. एम.ए. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स
2. एम.फिल. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स
3. पी-एच.डी. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स

प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र

प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र (भाषा प्रौद्योगिकी, अनुवाद – प्रौद्योगिकी, सूचना – प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला) विश्वस्तरीय उच्च मानकता के साथ कंप्यूटर विज्ञान, सूचना – प्रौद्योगिकी एवं इनके अनुप्रयोग क्षेत्र में शोध एवं विकास की दृष्टि से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए समर्पित है। इस केंद्र की प्राथमिकता विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विकास से संबंधित शिक्षा के अन्य अनुशासनों को मदद देने तथा ई-कैंपस एवं ई-कल्चर को बढ़ावा देना भी है। इस केंद्र में स्नातकोत्तर एवं शोधस्तरीय पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। इस केंद्र के अंतर्गत 2008 में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ हुए तथा अब पूर्वोक्त पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त निम्नलिखित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र द्वारा चलाए जा रहे हैं-

1. सर्टि़फिकेट इन कंप्यूटर एप्लिकेशन (सी.सी.ए.)
2. डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन (डी.सी.ए.)
3. मास्टर ऑफ़ इंफ़ॉरमेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग (एम.आई.एल.ई.)
4. पी-एच.डी. (इंफ़ॉरमेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग)
5. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशन (पी.जी.डी.सी.ए.) प्रस्तावित

अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

1. डॉ. संजय कुमार सिंह, सहायक प्रोफ़ेसर, भाषाविज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय
2. डॉ. उमेश कुमार सिंह, शोध सहायक, मैसाचुसेट्स यूनिवर्सिटी
3. प्रो. ओम विकास शर्मा, रिटायर्ड निदेशक, आई.आई.आई.टी. ग्वालियर
4. प्रो. मधुमिता बोरा, प्रोफ़ेसर, भाषाविज्ञान, तेजपुर यूनिवर्सिटी तेजपुर (असम)
5. डॉ. डी.के. लोबियाल, एसोशिएट प्रोफ़ेसर, कंप्यूटर साइंस, जेएनयू, नई दिल्ली

भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र

इस केंद्र की स्थापना भारतीय और विदेशी छात्रों को भारतीय एवं विदेशी भाषाओं तथा संस्कृतियों की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है, ताकि छात्र स्वयं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्थितियों में स्थापित कर सकें। केंद्र द्वारा केवल विदेशी छात्रों के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं-

1. विश्वभाषा हिंदी में डिप्लोमा
2. विश्वभाषा हिंदी में अभिविन्यास पाठ्यक्रम
3. विश्वभाषा हिंदी में ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम

केंद्र द्वारा भारतीय और विदेशी छात्रों के लिए मराठी एवं उर्दू भाषा में डिप्लोमा, चीनी, फ्रेंच तथा स्पैनिश भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा तथा एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए गए।

1. अंग्रेज़ी भाषा में डिप्लोमा (प्रस्तावित)
2. संस्कृत भाषा में डिप्लोमा (प्रस्तावित)

उक्त पाठ्यक्रम अध्यापकों की नियुक्ति के उपरांत आरंभ किए जाएँगे।

पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशालाएँ

सेमिनार/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी में विविध पाठ्यक्रमों के लिए सामग्री लेखन के लिए 5 दिवसीय कार्यशाला (दिनांक 12-16 जून, 2012) आयोजित की गई थी।
2. दिनांक 06-07 जुलाई, 2012 को आयोजित विदेशी भाषा पाठ्यक्रम सामग्री निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई थी।
3. दिनांक 27-28 अगस्त,2012 भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र के अंतर्गत संचालित स्पैनिश भाषा पाठ्यक्रमों के लिए हिंदी माध्यम में पाठ्यसामग्री की तैयारी के लिए दो-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी।

आमंत्रित अतिथि विद्वान

1.	श्री प्रियंकर पालीवाल	नई दिल्ली
2.	प्रो. बीना शर्मा	आगरा
3.	प्रो. दिविक रमेश	नई दिल्ली
4.	प्रो. सूरज प्रकाश	नई दिल्ली
5.	प्रो. शेख हाशम	वर्धा
6.	श्री विकास कुमार सिंह	नई दिल्ली
7.	प्रो. ठाकुरदास	नई दिल्ली
8.	प्रो. अपराजित चट्टोपाध्याय	नई दिल्ली
9.	प्रो. पंचानन मोहंती	हैदराबाद
10.	प्रो. अश्विनी कुमार श्रीवास्तव	आगरा

अध्यापकों की गतिविधियाँ

प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल

विभागाध्यक्ष: भाषा प्रौद्योगिकी एवं निदेशक

सेमिनार/कार्यशाला/व्याख्यान

1. दिनांक 4-6 फरवरी, 2013 को 'भाषा साहित्य और प्रौद्योगिकी' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 6 व्याख्यान। लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
2. दिनांक 21-23 मार्च, 2013 को अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ, इंदिरा गाधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 'भूमंलीकरण के दौर में अनुवादः संस्कृतियाँ, भाषाएँ, अस्मिताएँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 22 मार्च, 2013 को 'वैश्वीकरण के दौर में अनुवाद पारिस्थितिकी और हिंदी' पर व्याख्यान।
3. नियमित कार्यक्रम के अतिरिक्त दिनांक 11 फरवरी से 01 मार्च, 2013 तक विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण कार्यक्रम का पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में समन्वयन संचालन।

प्रो. विजय कुमार कौल

निदेशक: प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र

1. अगस्त, 2012 में आई.आई.टी. इंदौर में आमंत्रित अतिथि व्याख्यान।
2. फरवरी, 2013 हेमचंद्र आचार्य नार्थ गुजरात विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता।
3. जनवरी, 2013 जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्यान।

प्रकाशन 1. सचित्र शब्दकोश हिंदी- अंग्रेज़ी, 2. हिंदी रिफ़रेंस मैन्युअल

शोध निर्देशन में एम.फिल. उपाधि प्राप्त

1. श्री अखिल कुमार गौतम - हिंदी क्रिया विशेषण घटनीयता विश्लेषक
2. श्री प्रवेश कुमार द्विवेदी - अंग्रेज़ी हिंदी मशीनी अनुवाद में क्रिया का अन्वयान स्वरूप निर्धारक
3. श्री हेमंत कुमार राय - हिंदी शाब्दिक व्युत्पादन व्यवस्था (उपसर्ग योजना के विशेष संदर्भ)
4. श्री दिव्य शंकर मिश्र - हिंदी वाक्यों में कर्ता अभिज्ञानक
5. अरविंद कुमार रावत - हिंदी सरल वाक्यों के संज्ञा पदबंध में नियमाधारित शब्द समूह अभिज्ञानक

डॉ. अनिल कुमार पांडेय

रीडर

सेमिनार/कार्यशाला/व्याख्यान

1. दिनांक 14 सितंबर, 2012 को 'भाषा प्रौद्योगिकी' विषय पर NEERI (राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, नागपुर) में व्याख्यान।
2. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग द्वारा दिनांक 29-31 अगस्त 2012 तक आयोजित 'शोध प्रविधिः स्वरुप और सिद्धांत' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

शोध निर्देशन

सुश्री अंकिता टंडन- 'गुलजार के गीतों में प्रयुक्त क्रिया पदबंधों का संरचनात्मक विश्लेषण (सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक विषय संबंधी गीत)' पी-एच.डी. उपाधि के लिए खुली मौखिकी संपन्न।

एम.फिल. उपाधि प्राप्त

1. सुश्री मधुप्रिया- मानक हिंदी और भोजपुरी की सहायक क्रिया का व्यतिरेकी विश्लेषण
2. सुश्री शिल्पा – खोरठा भाषा की क्रिया का रूपवैज्ञानिक अध्ययन

3. श्री योगेश विजय उमाले- प्रोग्रामिंग भाषाओं का विकास-क्रम

सदस्यता

1. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के विद्यापरिषद के सदस्य के रूप में नामित।
2. 01 जुलाई 2012 से 4 जनवरी, 2013 RDC शोध उपाधि समिति के सदस्य के रूप में नामित।
3. भाषा विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित एवं 'भाषा प्रौद्योगिकी विभाग' के अध्ययन मंडल के सदस्य के रूप में नामित।

श्री जगदीप सिंह दाँगी

एसोशिएट प्रोफ़ेसर

सॉफ्टवेयर निर्माण एवं विकास कार्य

1. वर्धाकोश परियोजना के लिए – 'शब्द-संग्राहक' एवं 'वर्धाकोश' सॉफ़्टवेयर का निर्माण एवं विकास।
2. हिंदी स्पेल चेकर परियोजना के लिए - हिंदी वर्तनी परीक्षक सॉफ़्टवेयर – 'सक्षम' का विकास।
3. अपने द्वारा विकसित विभिन्न हिंदी सॉफ़्टवेयर उपकरणों के विक्रय के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के माध्यम से सॉफ़्टवेयर कंसल्टंसी सेवा का शुभारंभ।
4. 9वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन 22-24 सितंबर 2012 जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में 'सूचना प्रौद्योगिकी- देवनागरी लिपि और हिंदी का सामर्थ्य' विषय पर शैक्षिक सत्र में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के साथ-साथ विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विशिष्ट विद्वान के रूप में नामित होते हुए अपने द्वारा विकसित विभिन्न हिंदी उपकरण यथा - आई-ब्राउजर++ (प्रथम हिंदी इंटरनेट एक्सप्लोरर - लिम्का बुक ऑफ़ रिकार्ड्स- 2007 में दर्ज), ग्लोबल वर्ड ट्रांसलेटर (शब्दानुवादक), शब्दकोश (हिंदी-अंग्रेज़ी-हिंदी), प्रखर देवनागरी फ़ॉन्ट परिवर्तक (अस्की/इस्की फ़ॉन्ट से यूनिकोड फ़ॉन्ट में), यूनिदेव (यूनिकोड फ़ॉन्ट से अस्की/इस्की फ़ॉन्ट में), प्रखर देवनागरी लिपिक (यूनिकोडित रेमिंगटन टंकण प्रणाली

आधारित), प्रलेख देवनागरी लिपिक (यूनिकोडित फ़ॉनेटिक इंग्लिश टंकण प्रणाली आधारित), शब्द-ज्ञान (यूनिकोड आधारित हिंदी-अंग्रेज़ी-हिंदी डिक्शनरी), सक्षम (हिंदी वर्तनी परीक्षक), शब्द-संग्राहक आदि हिंदी सॉफ़्टवेयर का सफल प्रस्तुतीकरण।

प्रकाशन- 'हिंदी देवनागरी लिपि और यूनिकोड' पुस्तक का प्रकाशन।

सह-शोध-निर्देशन में एम.फिल. उपाधि प्राप्त

1.	श्री अखिल कुमार गौतम	-	हिंदी क्रिया विशेषण घटनीयता विश्लेषक
2.	श्री प्रवेश कुमार द्विवेदी	-	अंग्रेज़ी हिंदी मशीनी अनुवाद में क्रिया का अन्वयान स्वरूप निर्धारक
3.	श्री हेमंत कुमार राय	-	हिंदी शाब्दिक व्युनत्पांदन व्यनवस्थो (उपसर्ग योजना के विशेष संदर्भ)
4.	श्री दिव्य शंकर मिश्र	-	हिंदी वाक्यों में कर्ता अभिज्ञानक
5.	अरविंद कुमार रावत	-	हिंदी सरल वाक्यों के संज्ञा पदबंध में नियामाधारित शब्द समूह अभिज्ञानक

डॉ. एच.ए. हुनगुंद

सहायक प्रोफ़ेसर

कार्यशाला- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा विद्यापीठ द्वारा आयोजित 'भाषा प्रयोगशाला के प्रयोगार्थ प्रशिक्षण कार्यशाला' दिनांक 02 से 04 जुलाई, 2012 तथा दिनांक 09 से 11 जुलाई 2012 में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया और प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शोध पत्र

1. हिंदी विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टणम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रि-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संम्मेलन 'तुलनात्मक साहित्य में सामाजिक न्याय' में 'सामाजिक न्याय का स्वरूप एवं सरंचना' नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया। दिनांक 29 से 31 जनवरी, 2013
2. एस.सी.पी. कला एवं डी.डी.एस. वाणिज्य महाविद्यालय महालिंगपुर कर्नाटक द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी तथा कन्नड़ साहित्य के आंचलिक उपन्यासों में दलित संवेदना' नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया। दिनांक 15 और 16 फरवरी, 2013

शोध निर्देशन में एम.फिल. उपाधि प्राप्त

1. श्री गणेश अनिल थोरे- मराठी भाषी हिंदी विद्यार्थियों के लिए ई-शिक्षण सामग्री निर्माण (बालभारती की पांचवीं एवं छठी कक्षाओं के लिए निर्मित पाठ्यपुस्तकों के विशेष संदर्भ में।) शैक्षिक सत्र 2012-13
2. बालू सुखदेव डोंगरे- 'उचल्या' मराठी आत्मकथात्मक उपन्यास के हिंदी अनुवाद उठाईगीर का मूल्यांकन।

शोध निर्देशन में पी-एच.डी. उपाधि के लिए शोध प्रबंध प्रस्तुत

1. सुश्री अर्चना बलवीर अपना शोध प्रबंध 'हिंदी और मराठी भाषा के कोशीय एवं संरचनात्मक उपसरण का अध्ययन' प्रस्तुत कर चुकी हैं।
2. श्री अमितेश्वर कुमार पांडेय अपना शोधप्रबंध 'हिंदी विज्ञापनों का संरचनात्मक तथा संप्रेषणात्मक विश्लेषण' प्रस्तुत कर चुके हैं।

अकादमिक दायित्व

1. सदस्य – विद्यापरिषद, अध्ययन मंडल, भाषा प्रौद्योगिकी, स्कूल बोर्ड, भाषा प्रौद्योगिकी एवं प्रवेश समिति, अनु.जाति/जनजाति श्रेणी के प्रतिनिधि, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा (महाराष्ट्र)
2. प्रभारी – विभागीय पुस्तकालय, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा (महाराष्ट्र)

डॉ. अनिल कुमार दुबे
सहायक प्रोफ़ेसर

सेमिनार/कार्यशाला/व्याख्यान: पत्रवाचन

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा दिनांक 4-5 अक्टूबर, 2012 को 'सेमेस्टर प्रणाली: एक मूल्यांकन' विषय आयोजित कार्यशाला में आलेख-वाचन।

'गांधी दर्शन' एवं स्मृति समिति, नई दिल्ली तथा 'समन्वय' वर्धा के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा में 'Role of Gandhian Philosophy in promotion of health & Hygiene of Rural Population' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर संपन्न सत्र की अध्यक्षता।

शोध निर्देशन में एम.फिल. उपाधि प्राप्त

1. सुश्री विंध्यवासिनी पांडेय – हिंदी क्रियाविशेषण अभिज्ञानक।
2. श्री विजय नरसिंह सागर - मराठी की नागपुरी बोली पर हिंदी का प्रभाव (वर्धा जिले का सेलू तहसील: विशेष संदर्भ)
3. श्री प्रफुल्ल भगवान मेश्राम- मराठी क्रिया रूपविश्लेषक।

पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त

1. श्री अरविंद कुमार यादव – 'शमशेर की कविताओं का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन।'
2. सुश्री स्वप्ना मल्लिक – 'दक्षिण भारत में हिंदी भाषा के कौशल शिक्षण के संदर्भ में प्रचलित वर्तमान प्रविधियाँ: एक आलोचनात्मक अध्ययन (बेंगलूरू महानगर के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के कन्नड़ भाषी छात्रों के विशेष संदर्भ में।)

डॉ. रवि कुमार
सहायक प्रोफ़ेसर

सेमिनार / कार्यशाला/ व्याख्यान : पत्रवाचन

विशेष व्याख्यान संयोजन

1. प्रो. अपराजित चट्टोपाध्याय, जे.एन.यू. नई दिल्ली द्वारा दिनांक 27.8.2012 को 'स्पैनिश भाषा, साहित्य और समाजः एक सांस्कृतिक अनुशीलन' विषय पर दिए गए विशेष व्याख्यान का संयोजन।
2. श्री विकास कुमार सिंह, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 28.8.2012 को 'भारत में स्पैनिश भाषा शिक्षण के बदलते आयाम' विषय पर दिए गए विशेष व्याख्यान का संयोजन।
3. डॉ. मीनाक्षी सुंदिरयाल, जे.एन.यू, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 22.2.2013 को 'स्पैनिश साहित्य का स्वर्णिमयुग' विषय पर दिए गए विशेष व्याख्यान का संयोजन।

कार्यशाला- दिनांक 27-28 अगस्त, 2012 भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र के अंतर्गत संचालित स्पैनिश भाषा पाठ्यक्रमों के लिए हिंदी माध्यम में पाठ्यसामग्री की तैयारी के लिए दो-दिवसीय आयोजित कार्यशाला का संयोजन।

पत्रवाचन/प्रकाशन

1. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय शोधप्रविधि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 29-31 अगस्त, 2012 को 'अंतरराष्ट्रीय संबंध में शोधप्रविधि की प्रासंगिकता' विषय पर पत्रवाचन किया।
2. इंडियन एसोसिएशन फॉर एशियन एंड पैसिफिक स्टडीज और डिपार्टमेंट ऑफ साउथ एंड साउथ ईस्ट एशियन स्टडीज, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस दिनांक 17-19 दिसंबर, 2012 में 'ऑस्ट्रेलियाज रिलेशंस विथ साउथ एशिया एंड लैटिन अमेरिकाः इवेल्यूवेटिंग द पैरेलल्स' विषय पर पत्रवाचन और सार प्रकाशित।

डॉ. अनिर्बाण घोष
सहायक प्रोफ़ेसर

सेमिनार/कार्यशाला/व्याख्यान/पत्रवाचन

1. जाधवपुर एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जाधवपुर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी – 'विश्व कवि और अंतरराष्ट्रीयता: समकालीन विश्व में रवीन्द्रनाथ टैगोर' दिनांक 27-28 जुलाई, 2012 ''21 वीं शताब्दी में भारत-चीन संबंध में रवींद्रनाथ टैगोर की प्रासंगिकता'' विषय पर सार प्रकाशित और पत्रवाचन।
2. इंडियन एसोसिएशन फॉर एशियन एंड पैसिफिक स्टडीज और डिपार्टमेंट ऑफ साउथ एण्ड साउथ ईस्ट एशियन स्टडीज, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस दिनांक 17-19 दिसंबर, 2012 में 'नॉर्मलायज़ेशन ऑफ रिलेशनशिप: इंडियाज ट्रेड विथ चाइना डयूरिंग 1977-81' विषय पर सार प्रकाशित और पत्रवाचन के साथ सोवेनियर में 'हिंदी स्टडीज इन वर्धा: क्रास कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम बिटविन इंडिया एंड एशिया पैसिफिक कंट्रीज' लेख प्रकाशित।

पत्रवाचन - अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय शोधप्रविधि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 29-31 अगस्त, 2012 को 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों में शोधप्रविधि: विशेष संदर्भ भारत-चीन व्यापार संपर्क (1951-2000)' विषय पर पत्रवाचन।

विशेष व्याख्यान / संयोजन

1. प्रो. बी.आर.दीपक, जे.एन.यू. नई दिल्ली द्वारा दिनांक 12.2.2013 को 'चीनी साहित्य का संक्षिप्त परिचय' विषय पर विशेष व्याख्यान का संयोजन।

2. श्री तांग गोकिंग द्वारा दिनांक 02.01.2013 को 'चीनी भाषा की आधारभूत विशेषता' विषय पर विशेष व्याख्यान का संयोजन।

3. श्री चाऊ वेइ, व्याख्याता हिंदी विभाग, पेकिंग विश्वविद्यालय, चीन द्वारा 'चीनी व्याकरण' विषय पर विशेष व्याख्यान का संयोजन।

4. दिनांक 12-13, फरवरी 2013 चीनी नए साल पर दो दिवसीय चीनी चित्र प्रदर्शनी का आयोजन।

श्री पीयूष प्रताप सिंह

सहायक प्रोफ़ेसर

तीन वर्षीय अध्ययन अवकाश पर है ।

श्री धनजी प्रसाद

सहायक प्रोफ़ेसर

साहित्य विभाग

विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत साहित्य विभाग संचालित है। हिंदी साहित्य का भारतीय तथा विश्व भाषाओं के साहित्य के साथ संवाद और तुलनात्मक अध्ययन एवं शोध साहित्य विभाग की मुख्य गतिविधियाँ हैं। इसकी मूल संकल्पना देश-दुनिया की भाषिक एवं साहित्यिक वैविध्य की धारणा पर आधारित है। भाषा और साहित्य अनेक और बहुविध हैं, किंतु रचयिता और ग्रहीता अपनी बुनियादी प्रकृति में एक-से हैं। इस कारण विभिन्न भाषाओं के साहित्य के बीच संवाद की अपार संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं का संधान और शोध साहित्य विभाग की उच्च प्राथमिकता है। इसमें अकादमिक उद्देश्यों की प्राप्ति के साथ ही राष्ट्रीय भावात्मक एकता तथा मानवीय सह-भाव की निर्मिति भी अभीष्ट है।

साहित्य समावेशी विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ संबंध है। इधर नई प्रौद्योगिकी से साहित्य का अपरिहार्य संबंध विकसित हुआ है। इस दृष्टि से अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध भी साहित्य विभाग की प्राथमिकताओं में है। विभाग में एकल साहित्य अध्ययन के स्थान पर तुलनात्मक साहित्य अध्ययन को वरीयता दी गई है। इसके लिए हिंदी साहित्य को आधार बनाकर हिंदीतर भारतीय साहित्य एवं विश्व साहित्य के अध्ययन में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन-पद्धति का प्रमुखता से उपयोग किया जाता है। चूँकि तुलनात्मक साहित्य एक आधुनिक और विकसनशील अनुशासन है, इसलिए उसमें अध्ययन के नए क्षितिज उद्घाटित हो रहे हैं। साहित्य विभाग समग्रता में तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन-अध्यापन के लिए प्रतिबद्ध है।

साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत साहित्य विभाग में एम.ए.(हिंदी) और एम.फिल. हिंदी (तु.सा.) के साथ ही पी-एच.डी. हिंदी (तु.सा) पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसके अतिरिक्त पी.जी. डिप्लोमा इन इंडियन एंड वेस्टर्न आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स नामक पाठ्यक्रम भी स्वीकृत है।

गतिविधियाँ - नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विभाग में प्रतिवेदन-सत्र में निम्नलिखित गतिविधियाँ संपन्न हुईं।

विशेष व्याख्यान/कहानी पाठ

1. प्रो. राजलक्ष्मी : 19.07.2012 विशेष व्याख्यान
2. श्री कर्मेंदु शिशिर एवं श्री किशन कालजयी : 08.10.2012 विशेष व्याख्यान
3. डॉ. संजय कुमार सिंह : 17.10.2012 विशेष व्याख्यान
4. श्री मोहन दास नैमिषराय : 23.10.2012 विशेष व्याख्यान
5. प्रो. पांडेय शशिभूषण शीतांशु : 07.11.2012 विशेष व्याख्यान एवं पुस्तक लोकार्पण
6. श्री राजकिशोर : 14.01.2013 विशेष व्याख्यान
7. डॉ. विष्णुकांत शुक्ल : 23.01.2013 विशेष व्याख्यान
8. प्रो. चौथीराम यादव : 24.01.2013 विशेष व्याख्यान

संकाय सदस्य एवं उनकी गतिविधियाँ

प्रो. सूरज पालीवाल

अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ एवं कुलानुशासक

अकादमिक दायित्व

1. अध्यक्ष : स्कूल बोर्ड
2. सदस्य : अध्ययन मंडल/शोध उपाधि समिति/विद्या परिषद म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा
3. सदस्य : स.प. वि.वि. वल्लभ विद्यानगर में चयन समिति
4. सदस्य, अध्ययन मंडल तथा शोध उपाधि समिति : संत तुकड़ोजी महाराज विश्वविद्यालय, नागपुर
5. सदस्य, अध्ययन मंडल तथा शोध उपाधि समिति : संत गाड़गे बाबा विश्वविद्यालय, अमरावती
6. सदस्य, अध्ययन मंडल तथा शोध उपाधि समिति : एस.एन.डी.टी. मुंबई
7. सदस्य, अध्ययन मंडल तथा शोध उपाधि समिति : वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली

8. सदस्य, अध्ययन मंडल तथा शोध उपाधि समिति : मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजॉल

सहभागिता

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली में गोपनीय कार्य के लिए सहभागिता, दिनांक 23-27 अप्रैल,2012
2. हिंदी कहानियों पर वैश्वीकरण का प्रभाव दिनांक 17-18 फरवरी, 2013
3. यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित तथा संत तुकड़ोजी महाराज विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में समकालीन कथा साहित्य विषय पर व्याख्यान, दिनांक 05 मार्च, 2013
4. पुणे विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज वक्तव्य, दिनांक 15-16 मार्च, 2013
5. साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की ओर से आयोजित साहित्य संवाद राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता तथा बीज वक्तव्य, 13 अक्टूबर, 2013

प्रकाशन

1. स्त्री जीवन और स्त्री विमर्श का द्वैत, प्रगतिशील इरावती, महिला विशेषांक, अंक 12
2. मेरे नक्शे के मुताबिक ये ज़मीं कुछ कम है, दुनिया इन दिनों, फ़रवरी, 2013
3. अंतर्मन के कबाड़ख़ाने से, पाखी, सितंबर, 2012

शोध निर्देशन - पी-एच. डी. : 07 (निर्देशन जारी)

प्रो. कृष्ण कुमार सिंह
विभागाध्यक्ष

अकादमिक दायित्व

1. अध्यक्ष : पुस्तक चयन समिति
2. सदस्य : शोध उपाधि समिति, पुस्तकालय समिति, विद्यापरिषद, स्कूल बोर्ड, अध्ययन मंडल, महिला उत्पीड़न के विरुद्ध समिति, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा

सहभागिता

1. 'दक्षिण भारत में हिंदी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समाज, सिनेमा जगत और मनोरंजन के क्षेत्र में हिंदी' विषय पर व्याख्यान, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवारुर, 26-28 जुलाई, 2012
2. 'राजभाषा कार्यान्वयन में सूचना प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग' विषयक राजभाषा कार्यशाला में प्रतिभागिता, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवारुर 26-28 जुलाई, 2012
3. 'हिंदी आलोचना और डॉ. रामविलास शर्मा' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता एवं अन्य सत्र में 'परंपरा का मूल्यांकन और डॉ. रामविलास शर्मा' विषय पर व्याख्यान, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 22-23 फरवरी, 2013

प्रकाशित लेख - एक समर्थ आलोचक का जाना – नया पथ, जुलाई-दिसंबर, 2012

शोध निर्देशन - एम.फिल. : 01 (पूर्ण), पी-एच. डी. : 05 (जारी)

डॉ. प्रीति सागर
एसोशिएट प्रोफ़ेसर

प्रशासनिक दायित्व

1. अध्यक्ष - महिला उत्पीड़न के विरुद्ध समिति, मं.गां.अं.हि.वि. वर्धा
2. वार्डन - सावित्री बाई फुले महिला छात्रावास
3. सदस्य - विद्यापरिषद, वि.वि.पुस्तकालय समिति, अध्ययन बोर्ड, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र, अध्ययन मंडल, साहित्य विभाग, स्कूल बोर्ड, साहित्य विभाग, मं.गां.अं.हि.वि. वर्धा

प्रतिभागिता

1. हिंदी विभाग कला संकाय महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा में 12-13 जनवरी, 2013 को 'आधुनिक हिंदी, गुजराती तथा मराठी साहित्य में 'महाभारत' का मिथक' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।
2. हिंदी एवं भारत अध्ययन विभाग, अंग्रेज़ी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 11-12 फरवरी, 2013 को 'हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य में अस्मितामूलक चिंतन' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान।
3. जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में 22 से 24 सितंबर, 2012 को आयोजित नवें विश्व हिंदी सम्मेलन में प्रतिभागिता एवं शोध-पत्र वाचन।

प्रकाशन

1. 'कथा के बहाने विचार बिंदु', पुस्तक वार्ता, मार्च-अप्रैल, 2013

शोध निर्देशन

एम.फिल. : 01 (पूर्ण) पी-एच. डी. : 06 (निर्देशन जारी)

डॉ. रामानुज अस्थाना
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

अकादमिक दायित्व

1. सदस्य - अध्ययन मंडल, साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा

सहभागिता एवं प्रपत्र वाचन

1. 29.09.2012 से 19.10.2012 तक दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर से पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूर्ण किया।
2. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय एवं भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा दिनांक 16,17,18 मार्च, 2013 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

शोध निर्देशन

एम.फिल. : 01 (जमा)

पी-एच. डी. : 01 (जारी), 04 (जमा)

डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

अकादमिक दायित्व- सदस्य - विद्यापरिषद, स्कूल बोर्ड, साहित्य विद्यापीठ, अध्ययन मंडल, साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

प्रशासनिक सदस्य - रैगिंग समिति – म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा

प्रपत्र वाचन

1. 29-31 अगस्त, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी शोध प्रविधि : स्वरूप और सिद्धांत में अंतरानुशासनिक शोध एवं साहित्य शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से हिंदी विभाग, श्री बलदेव पी.जी. कालेज

प्रकाशन

1. **नाथ संप्रदाय में दीक्षा,** मध्यभारती शोध पत्रिका अंक LXV - जनवरी 2013 (ISSN No 0974-0066)

शोध निर्देशन

एम.फिल. : 01 (पूर्ण)

पी-एच. डी. : 03 (जारी), 03 (जमा)

डॉ. उमेश कुमार सिंह
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

अकादमिक दायित्व

1. सदस्य - विद्यापरिषद और अध्ययन मंडल, साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा

विदेशी विश्वविद्यालय में अध्यापन

विजिटिंग प्रोफ़ेसर हिंदी, हिंदी चेयर, भारतीय केंद्र, अज़रवैजान यूनिवर्सिटी ऑफ फ़ॉरेनलैंग्वेजिज बाकू, अज़रवैजान में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) नई दिल्ली द्वारा एक अकादमिक वर्ष 2012-13 के लिए प्रतिनियुक्ति पर हिंदी भाषा एवं हिंदी साहित्य का अध्यापन।

शोध पत्र प्रकाशित (विदेशी शोध प्रत्रिका)

देवदास साहित्यिक कृति पर बना बॉलीवुड सिनेमा : विश्लेषणात्मक अध्ययन "DEVDAS" Literary Text Based Bollywood Cinema An Analytical Study Research Paper Published Azerbaijan Dillar University, Foreign general, अजरवैजान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन लैंग्वेजिज की बहुभाषी शोध पत्रिका में प्रकाशित।

शोध निर्देशन

एम.फिल. : 01 (पूर्ण)

पी-एच. डी. : 03 (जमा), 02 (जारी)

डॉ. बीर पाल सिंह यादव

असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

अकादमिक दायित्व

1. प्रभारी - प्रकाशन विभाग, म.गां.अं.हि.वि. वर्धा
2. सदस्य - अध्ययन मंडल और विभागीय शोध समिति, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा

शोध निर्देशन

एम.फिल. : 01 (पूर्ण)

पी-एच. डी. : 03 (जारी)

डॉ. सुनील कुमार
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

अकादमिक दायित्व

1. प्रभारी - विभागीय पुस्तकालय।
2. सदस्य - अध्ययन मंडल और वर्तनी सुधार समिति, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा
3. दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के लिए बी.ए. कक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन, जून, 2012
4. नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा में एम.फिल. में नामांकन के लिए साक्षात्कार-समिति का सदस्य, जुलाई, 2012
5. हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद के हिंदी विभाग (मानविकी संकाय) के लिए बाह्य परीक्षक (External Expert) के रूप में लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन, अगस्त, 2012

सहभागिता

1. सेंटर फ़ॉर दलित लिटरेचर एंड आर्ट, नई दिल्ली द्वारा 'सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलन और अस्मितावादी साहित्य'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता, 28-29 जून, 2012
2. Center for Dalit and Adivasi studies and Translation (CDAST) हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा Globlisation and Future of Adivasis विषय आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में शोध-पत्र प्रस्तुत, 08-09 अगस्त, 2012
3. 'दलित आदिवासी साहित्य की वैचारिकता के सवाल' विषय पर Center for Dalit and Adivasi Studies and Translation, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद में व्याख्यान, 10 अगस्त, 2012

4. 'दलित-आदिवासी साहित्य की वैचारिकता के सवाल' विषय पर हिंदी एवं भारत अध्ययन विभाग, The English and Foregin Language University, Hyderabad में व्याख्यान, 13 अगस्त, 2012
5. बामसेफ (बैकवर्ड,(एस.सी/एस.टी. एंड मॉयनारिटी कम्युनिटीज इंप्लाइज फ़ेडरेशन), देवली, पुलगांव, वर्धा द्वारा 'आंबेडकरी आंदोलन और वर्तमान परिस्थितियाँ' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता।
6. लार्ड बुद्धा टेलीविजन चैनल, नागपुर द्वारा 'महिला अत्याचार, सबलीकरण और संवैधानिक प्रावधान' विषय पर आयोजित चर्चा-सत्र में विशेषज्ञ वक्ता, 10 मार्च, 2013
7. लार्ड बुद्धा टेलीविजन चैनल, नागपुर द्वारा 'आंबेडकरी आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए पढ़े-लिखे लोगों का योगदान' विषय पर आयोजित चर्चा-सत्र में विशेष वक्ता, 31 मार्च, 2013
8. श्री अग्रसेन महाविद्यालय, मउरानीपुर, झाँसी (बुंदेलखंड विश्वविद्यालय) द्वारा '21वीं सदी का बदलता परिवेश और हाशिए का समाज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेष वक्ता, 08-09 फरवरी, 2013

प्रकाशन

1. 'लगते तो नहीं हो' (लघुकथा), दलित अस्मिता (त्रैमासिक), नई दिल्ली, अंक 6-7, जनवरी-जून, 2013
2. 'दलितों के लिए नहीं है 'ग्राम स्वराज्य' (आलेख), सोपान (मासिक) नई दिल्ली, अक्टूबर, 2012
3. दलितों के लिए नहीं है 'ग्राम स्वराज्य' (आलेख), शिल्पकार टाइम्स (पाक्षिक), नई दिल्ली, 2012

शोध निर्देशन : एम.फिल. : 01 (पूर्ण)

डॉ. रूपेश कुमार सिंह

असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

अकादमिक दायित्व

1. सदस्य - अध्ययन मंडल।

सहभागिता

1. 02.02.2013 से 01.03.2013 तक एकेडमिक कॉलेज इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में चलने वाले ओरियंटेशन प्रोग्राम (Orientation Programme) में सहभागिता।
2. 19-20 मार्च 2012 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।

प्रकाशन

1. हिंदी अनुसंधान: दशा-दिशा और चुनौतियाँ नाम से भारतीय हिंदी परिषद की पत्रिका 'हिंदी अनुशीलन' (जनवरी-दिसंबर, 2012, संयुक्तांक 1-4 में शोध पत्र प्रकाशित।
2. हिंदी जाति का अवधारणा और रामविलास शर्मा नाम से उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की पत्रिका 'साहित्य भारती अक्टूबर-दिसंबर, 2012 में तथा डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की शोध पत्रिका 'मध्यभारती' (अंक 64, 2012) में प्रकाशित।
3. अभय कुमार दुबे के उपन्यास 'त्रासदी' पर 'संवेदनशील आत्माओं की त्रासदी' नाम से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की पत्रिका पुस्तक वार्ता मार्च-अप्रैल, 2012 अंक समीक्षा प्रकाशित।
4. शंभुनाथ की पुस्तक 'रामविलास शर्मा' पर 'परंपरा का मूल्यांकन' नाम से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की पत्रिका 'बहुवचन' (अंक 35, अक्टूबर-दिसंबर, 2012) में समीक्षा प्रकाशित।

शोध निर्देशन - एम.फिल. : 01 (पूर्ण)

संस्कृति विद्यापीठ

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग विश्वविद्यालय के प्रारंभिक दो विभागों में से एक है, जिसकी स्थापना 2002 में हुई। शांति अध्ययन विषय में एम. ए. एवं एम. फिल. स्तर की पढ़ाई का देश भर में पहला पहल है, जिसके पाठ्यक्रम निर्माण में एवं अध्यापन के लिए पुरूषोत्तम अग्रवाल, नंदकिशोर आचार्य, प्रो. मुजीव रिज़वी आदि का योगदान रहा है। यह विभाग भारत के सामाजिक विज्ञानों के अध्ययन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। अंतर अनुशासनिक पद्धति से तैयार यह पाठ्यक्रम राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, इतिहास मनोविज्ञान का ऐसा सम्मिलित अध्ययन प्रस्तुत करता है, जो अब तक के ज्ञानानुशासनों को देखने और समझने की नई दृष्टि देता है। सभ्यता के विकास को देखने की वैकल्पिक दृष्टि से लैस यह पाठ्यक्रम अपनी समग्रता में भारत भर के विश्वविद्यालयों में संभवतः पहला प्रयास है। पाठ्यक्रम का स्वरूप विश्व भर के सभी शांति अध्ययन पाठ्यक्रमों से समतुल्यतः के साथ एक विशिष्ट पहचान भी रखता है। 'ज्ञान' के समाजोपयोगी चरित्र निर्वहन को प्रस्तुत यह विभाग अपने अध्ययन अध्यापन के साथ-साथ शांति कार्यक्रमों के लिए एक सक्रिय हस्तक्षेप के लिए लगातार प्रयासरत है।

विभागीय उपलब्धियाँ :

1. शोध प्रविधि: स्वरूप और सिद्धांत' विषय पर 29-31 अगस्त, 2012 को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।
2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 'गांधी दर्शन का समाजशास्त्र एवं संदर्भ' विषय पर मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट (MRP) (2012-14) प्राप्त।

विभाग के छात्रों की उपलब्धियाँ :

1. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के छात्र श्री कन्हैया त्रिपाठी डॉ. हरिसिंह गौर सागर विश्वविद्यालय, सागर के यू.जी.सी. अकादमिक स्टाफ कॉलेज में सहायक निदेशक के तौर पर नियुक्त।

2. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग में एम.फिल. (सत्र 2012-13) के छात्र श्री राकेश विश्वकर्मा ने यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. 2012 की परीक्षा उत्तीर्ण की।

डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी
एसोशिएट प्रोफ़ेसर

प्रकाशन

1. बुनियादी तालीम (ISBN No. 978-81-267-2424-6), राजकमल प्रकाशन, फरवरी, 2013 में 'गाँधी का शैक्षिक दृष्टिकोण' विषय पर आलेख प्रकाशित।

राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला में भागीदारी

1. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं (राजस्थान) द्वारा 27-28 जुलाई, 2012 को आयोजित 'राष्ट्रीय कार्यशाला' में संदर्भ व्यक्ति के तौर पर भागीदारी एवं 'अहिंसा, शांति एवं गाँधी अध्ययन में आजीविका की संभावनाएँ' विषय पर आलेख प्रस्तुत।
2. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) द्वारा 29-31 अगस्त, 2012 को 'शोध प्रविधि स्वरूप और सिद्धांत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजक सचिव के कर्तव्य का निर्वहन।
3. विदेश मंत्रालय (राजभाषा विभाग), भारत सरकार द्वारा जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में 22 से 24 सितंबर, 2012 को आयोजित 'नवें विश्व हिंदी सम्मेलन' में भागीदारी एवं 'महात्मा गांधी की भाषा दृष्टि' विषय पर शोध आलेख की प्रस्तुत।

4. श्री शिवाजी कॉलेज ऑफ़ आट्र्स, कॉमर्स एवं साईस, अकोला (महाराष्ट्र) द्वारा 29 एवं 30 अक्टूबर, 2012 को आयोजित द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता और 'महात्मा गांधी और भीमराव आंबेडकर: वर्तमान भारतीय लोकतांत्रिक परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता' विषय पर शोध आलेख की प्रस्तुति।
5. ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में भारतीय गांधी अध्ययन समिति के पैतीसवें अधिवेशन (01 से 03 दिसंबर, 2012) में भागीदारी एवं 'अहिंसक प्रतिरोध और गांधी' विषय पर शोध आलेख की प्रस्तुति।
6. यू.जी.सी. एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखंड) द्वारा आयोजित 'शार्ट टर्म कोर्स' में भागीदारी।
7. प्रधान अन्वेषक : यू.जी.सी. मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट (2012-14), विषय: 'गांधी दर्शन का समाजशास्त्र एवं संदर्भ'

श्री राकेश मिश्रा

सहायक प्रोफ़ेसर

प्रकाशन

1. परिवार, राज्य और निजी संपत्ति- तदभव अंक 26
2. स्त्री विमर्श को शरीर से ऊपर उठकर देखने की ज़रूरत है (शिवमूर्ति से बातचीत)- बहुवचन, अंक 36

आलेख (अंतरराष्ट्रीय सेमिनार)

1. Steps of making identity of dalits in Uttar Pradesh (Voices from the Margin: Society, culture and exclusion), 20-22 February, 2013, Central University Jharkhand, Ranchi.

आलेख (राष्ट्रीय सेमिनार)

1. शोध की पश्चिम केंद्रीयता और उसका प्रत्युत्तर (राष्ट्रीय संगोष्ठी, शोध प्रविधि: स्वरूप और सिद्धांत) म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, 29-31 अगस्त, 2012

2. हाशिए के समाज तक दूरशिक्षा की पहुँच (राष्ट्रीय संगोष्ठी, आई.सी.एस.एस.आर. दिल्ली एवं दूरशिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा)
3. हिंदी प्रदेश में ज्ञान, विज्ञान, साहित्य, कला के तमाम अनुशासनों की सम्यक पड़ताल के लिए 'हिंदी का दूसरा समय' का राष्ट्रीय संयोजक, 01-05 फरवरी, 2013

अध्यक्षता (अंतरराष्ट्रीय सेमिनार)

1. Voices from the Margin: Society, culture and exclusion), 20-22 February, 2013, Central University Jharkhand, Ranchi.

आमंत्रण

1. भारत भवन के 'युवा' श्रृंखला के अतंर्गत 'कहानी एवं कविता के अंत:संबंध' पर व्याख्यान अप्रैल, 2012
2. भारत भवन के आमंत्रण पर वागर्थ श्रृंखला में कहानी पाठ 23 मार्च, 2013
3. वर्ष की चर्चित पुस्तक श्रृंखला के अंतर्गत मनोज रूपड़ा की किताब 'साइलेंस ऑव टॉवर' पर विशेष व्याख्यान (लोहिया अध्ययन केंद्र, 31 मार्च, 2013)

शोध-निर्देशन

1. अनुज सिंह रावत, एम. फिल. (सत्र 2012-13), स्वर्ण पदक प्राप्त, विषय- वर्धा नगरपालिका क्षेत्र में स्वच्छता की स्थिति: एक अध्ययन
2. अखिलेश कु. उपाध्याय, एम. फिल. (सत्र 2012-13), रजत पदक प्राप्त, विषय- भारत छोड़ो आंदोलन और हिंदी समाचार-पत्र (विशेष संदर्भ: पूर्वांचल के हिंदी समाचार-पत्र)

डॉ. मनोज कुमार राय

सहायक प्रोफ़ेसर

प्रकाशन

1. महात्मा गांधी की कला दृष्टि आलेख 'पदचिह्न' पत्रिका में प्रकाशित।
2. महात्मा गांधी की धर्मदृष्टि – पुस्तक प्रकाशित।

पुरस्कार

1. मध्य प्रदेश विधानसभा द्वारा 30 अक्टूबर, 2013 को 'महात्मा गांधी की धर्मदृष्टि'- पुस्तक के लिए 'गांधी दर्शन पुरस्कार' से सम्मानित।

सेमिनार/आलेख/प्रपत्र वाचन

1. लोकशास्त्र का महायान : बलदेव पी.जी. कॉलेज, वाराणसी, 13-15 जून, 2013
2. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) द्वारा 29-31 अगस्त, 2012 को 'शोध प्रविधि: स्वरूप और सिद्धांत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सक्रिय भागीदारी एवं शोध: प्रविधि में नैतिकता का प्रश्न एक अनुचिंतन: विषय पर प्रपत्र वाचन।
3. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ (राजस्थान) द्वारा 27-28 जुलाई, 2012 को आयोजित 'राष्ट्रीय कार्यशाला' में सहभागिता एवं 'शांति, अहिंसा और गांधी अध्ययन में अकादमिक अवसर' विषय पर प्रपत्र वाचन।
4. गांधी चिंतन में आर्थिक विकास की अवधारणा, हिंदू पी.जी. कॉलेज, जमनिया गाज़ीपुर, 29-30 सितंबर, 2012
5. विदर्भ में गोंड जनजाति की बालिका शिक्षा के प्रति, राजीव गांधी चेयर इन कंटेंपरेरी स्टडीज, भोपाल वि.वि. भोपाल 23-23 मार्च, 2013
6. समाज पर गांधी चिंतन का प्रभाव, विषय पर बीज वक्तव्य, आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज पुलगाँव 26 फ़रवरी, 2013
7. गांधीय मूल्य और बीसवीं सदी, दर्शन शास्त्र विभाग, बीएचयू वाराणसी, 10-12 जनवरी, 2013
8. महात्मा गांधी चिरंजीवी विकास के अग्रदूत: अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद वि.वि. इलाहाबाद 19-20 मार्च, 2013

शोध-निर्देशन

1. तारकेश्वर नाथ पांडेय, एम.फिल. (सत्र 2012-13), विषय- गाँधी की स्वास्थ्य संबंधी अवधारणा: प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग।
2. भावना रामदासजी पेठे, एम. फिल. (सत्र 2012-13), विषय- मानसिक तनाव का निराकरण और गाँधी विचार (संदर्भ: सेवाग्राम मेडिकल कालेज के एम.बी.बी.एस. विद्यार्थी)

डॉ. डी.एन. प्रसाद

सहायक प्रोफ़ेसर

प्रकाशन

1. पंचमानुसंधान (ISSN No.2277-7016) शोध पत्रिका (अप्रैल-जून, 2012) में '.......और आधुनिक भाषा विज्ञान की भारतीय पीठिका प्रस्तुत हो सकेगी' विषय पर आलेख प्रकाशित।
2. वर्तमान साहित्य (ISSN No.) पत्रिका (सितंबर, 2012) में 'अनहद गरजै की गर्जना और सर्जन' विषय पर समालोचनात्मक आलेख प्रकाशित।
3. बुनियादी तालीम (ISBN No. 978-81-267-2424-6), राजकमल प्रकाशन, फ़रवरी, 2013 में 'बुनियादी शिक्षा के आधारभूत सिद्धांत में स्वावलंबन की अवधारणा' विषय पर आलेख प्रकाशित।
4. शिल्पायन, दिल्ली, द्वारा अप्रैल, 2012 में प्रकाशित पुस्तक '**अनहद गरजै**' में 'जीवन की रणभूमि में भाषा' और 'नो रिग्रेट्स माई लव' विषय पर दो आलेख प्रकाशित।
5. वसव समिति, बेंगलुरू द्वारा सितंबर, 2012 में प्रकाशित कन्नड़ संत साहित्य संगृहीत ग्रंथ 'वचन' का हिंदी परिशीलक।
6. नवभारत, दैनिक नागपुर में क्रमश: दिनांक 22, 29 जुलाई एवं 06 अगस्त, 2012 तथा 10 फ़रवरी, 2013 को क्रमश: कविताएँ प्रकाशित - हाशिमपुरा, तीन कविताएँ तथा जश्न इंतज़ार के।

संयोजन/संचालन/भागीदारी

1. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) द्वारा 29-31 अगस्त, 2012 को 'शोध प्रविधि स्वरूप और सिद्धांत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सक्रिय भागीदारी एवं *अकादमिक शोध का व्यावहारिक आप्लावन क्यों एम.फिल.:* संदर्भ विषय पर प्रपत्र वाचन।
2. आर.एस. शिक्षा सेवा संस्थान, वैशाली, बिहार द्वारा 'प्रबंधकीय शोध की व्यावहारिकता' विषय पर 07-08 नवंबर, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता एवं प्रपत्र वाचन।
3. मानव संस्कृति शोध संस्थान, वाराणसी द्वारा 'बौद्ध विद्या के विविध आयाम, गाँधी विचार एवं विश्व शांति' विषय पर 25 नवंबर से 09 दिसंबर, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता।
4. डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा 'व्यक्तिगत तथा सामाजिक पुनर्संरचना पर गांधी विचार का मनोवैज्ञानिक प्रभाव' विषय पर 30 जनवरी से 06 फरवरी, 2013 के मध्य आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 05 फ़रवरी, 2013 को 'रचनात्मक कार्यक्रम का मनोवैज्ञानिक प्रभाव' विषय पर व्याख्यान।
5. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा द्वारा 'अमृत महोत्सव वर्ष' में 10 फ़रवरी, 2013 को आयोजित '23वां अखिल भारतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सम्मेलन' में सहभागिता।
6. पंचमानुसंधान (refereed journal bilingual), का वर्ष 2012 में संपादक पद का दायित्व निर्वहन।
7. प्रभारी, विभागीय पुस्तकालय, अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग।
8. सदस्य, वर्धा हिंदी शब्दकोश मूल्यांकन समिति।
9. सत्र 2012-13 में विदेशी छात्रों के लिए अध्यापन कार्य।

डॉ. चित्रा माली

सहायक प्रोफ़ेसर

पी-एच.डी.

संस्कृति विद्यापीठ के अंतर्गत अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग से 'अहिंसक प्रतिरोध के बदलते स्वरूप' विषय पर पी-एच.डी. उपाधि अर्जित की।

शोध निर्देशन

सुश्री सस्मिता जेना, एम.ए.(2012-12), विषय- निजीकरण के विरोध में जनसंघर्ष (विशेष संदर्भ: वेदांता विश्वविद्यालय, ओड़िशा)

पत्र प्रस्तुति

1. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) द्वारा 29-31 अगस्त, 2012 को 'शोध प्रविधि: स्वरूप और सिद्धांत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सक्रिय भागीदारी एवं *'शोध के मुख्य चरण'* विषय पर प्रपत्र वाचन।
2. दूरशिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 16-18 मार्च, 2013 को 'दूर शिक्षा की सामाजिक प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मानव संसाधन विकास में दूर शिक्षा की भूमिका' विषय पर पत्र प्रस्तुति।

संयोजन

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) द्वारा 29-31 अगस्त, 2012 को 'शोध प्रविधि: स्वरूप और सिद्धांत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र का संयोजन।

स्त्री-अध्ययन विभाग

शैक्षणिक गतिविधियाँ

वर्तमान सत्र में एम.ए., पी.जी. डिप्लोमा, एम.फिल. तथा पी-एच.डी. पाठ्यक्रम का अध्ययन सुचारू रूप से चलता रहा।

2012-13 में विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थी/शोधार्थी

एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय छमाही (सत्र 2012-14)

1. सुश्री रेखा टाके
2. सुश्री मोनीष कौशल
3. सुश्री शिल्पा भगत
4. सुश्री रेखा पुडके
5. श्री श्यामप्रकाश
6. शबाना

एम.ए. तृतीय एवं चतुर्थ छमाही (सत्र 2011-2013)

1. सुश्री प्रीतिमाला सिंह – भारतीय 'समानांतर सिनेमा' की स्त्री निर्देशित फिल्में और स्त्री छवि का रूपायन (विशेष संदर्भः दीपा मेहता और अपर्णा सेन)
2. सुश्री राजलक्ष्मी - हाशिए की महिलाएँ, राज्य और यौनिक हिंसा (सोनी सोरी के विशेष संदर्भ में)
3. सुश्री संतोष पांडेय- धारावाहिकों में स्त्री चित्रण।
4. सुश्री अंशुमाला- जाति, वर्ग एवं जेंडर के अंतरसंबंध 'शिकंजे का दर्द' और कस्तुरी कुंडल बसै' के आधार पर।

पी.जी. डिप्लोमा (सत्र 2012-13)

क्र.सं.	नाम	परियोजना कार्य का विषय
1.	सुश्री कल्पना वानखेड़े	विज्ञापन और महिलाएँ वर्धा शहर में लगे होर्डिंग के संदर्भ में।
2.	सुश्री स्नेहलता नगराले	आँगनवाड़ी में चल रही ग्रामीण किशोरी शक्ति योजना का मूल्यांकन (संदर्भ: सिंदी मेघे)।

एम.फिल. (सत्र 2012-13)

क्र.सं.	नाम	लघु शोध प्रबंध का विषय
1.	सुश्री रेखा तिवारी	बढ़ती लैंगिक असमानता की स्थिति: स्त्री शोषण का नया रूप (विशेष संदर्भ: हरियाणा)।
2.	सुश्री सोनल पिहुल	किसान आत्महत्याग्रस्त परिवारों की विधवा स्त्रियों की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का अध्ययन।
3.	सुश्री आम्रपाली मेश्राम	दलित महिला श्रम सामाजिक-आर्थिक अध्ययन विशेष संदर्भ: वर्धा शहर में सफाईकर्मी महिलाएँ।
4.	सुश्री आरती प्रजापति	सामुदायिक वेश्यावृत्ति और रेत।
5.	श्री रोहित सिंह	हिंदी महिला उपन्यास लेखन में स्त्री प्रतिरोध विशेष संदर्भ- ‘छिन्नमस्ता’
6.	सुश्री ममता वाईकर	मातृत्व में विभिन्न नारीवादी विचारधाराएँ
7.	सुश्री पूजा प्रजापति	‘वाल्मीकि रामायण’ और ‘रामचरित मानस की सीता’ का अध्ययन।
8.	श्री मनीष कुमार सिंह	औपनिवेशिक उत्तर भारत में स्त्री चेतना: ‘स्त्री दर्पण पत्रिका के विशेष संदर्भ में’।
9.	श्री योगेश सिंह कुशवाहा	महिला सशक्तीकरण में गांधी का योगदान।
10.	श्री रजनीश आंबेडकर	वेश्यावृत्ति का अध्ययन: हरदोई जिले के विशेष संदर्भ में।
11.	सुश्री रूशाली पेंदाम	गोंड लोक साहित्य का स्त्रीवादी अध्ययन।
12.	सुश्री ऋचा सिंह	भारत में महिला सशक्तीकरण: आर्थिक नीतियों एवं कार्यक्रमों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

13.	सुश्री लवली त्यागी	पंचायती राज में जनप्रतिनिधियों और करण (उत्तर प्रदेश राज्य के संभल जिले के संभल ब्लॉक के विशेष संदर्भ में)।
14.	सुश्री प्राची लोहकरे	डॉ. आंबेडकर की स्त्री मुक्ति की अवधारणा और दलित स्त्री जीवन।

पी-एच.डी.

क्र.सं.	नाम	शोध विषय
1.	विजय कुमार झा	ब्रिटिश राज की स्थापना के पूर्व व राज के दौरान के मिथिलांचल में जाति, जेंडर और वर्ग।
2.	गंभीर सिंह मीणा	घरेलू हिंसा और स्त्री-स्वास्थ्य।
3.	ममता कुमारी	अपराध शास्त्र का नारीवादी विवेचन।
4.	रजनीगंधा धाबर्डे	बौद्ध धर्म में स्त्री विमर्श।
5.	अजित सिंह	हिंदी आत्मकथा लेखन में स्त्री रचनाकारों का अवदान।
6.	हर्षा आ. जगताप	विदर्भ के अंतर्गत आने वाली एचआई.वी. एड्स संक्रमित महिलाओं का एक अध्ययन।
7.	विश्रांति ग. मुंजेवार	स्त्री संवेदना, थेरीगाथा और नारी विमर्श की अंतश्चेतना (एक विश्लेषणात्मक अध्ययन)
8.	सुरेन्द्र श्यामकुल	भूमंडलीकरण और भारत के परिदृश्य में ग्रामीण दलित- किसान एवं मजदूर स्त्री (विशेष संदर्भ: विदर्भ का कपास क्षेत्र)
9.	सुप्रिया पाठक	पारसी हिंदी रंगमंच एवं महिलाएँ।
10.	अवंतिका शुक्ला	कथक की परंपरा, घराने एवं स्त्री प्रश्न।
11.	श्री मनोज कुमार द्विवेदी	-यौन इच्छाओं का नव संस्थानीकरण: जेंडर दृष्टिकोण।
12.	सुश्री चित्रलेखा अंशु	मानव अधिकार: नारीवादी आलोचना (वर्तमान मिथिला के परिप्रेक्ष्य में)
13.	सुश्री रेणु कुमारी	21वीं सदी के पहले दशक का हिंदी सिनेमा और स्त्री छवि।

14. सुश्री अस्मिता राजुरकर भारत में नर्सिंग क्षेत्र का नारीवादी अध्ययन।
15. श्री राजकुमार भारतीय सूफ़ी परंपरा में सूफी महिलाओं का जीवन दर्शन और साहित्यक लेखन में योगदान।
16. सुश्री आकांक्षा भारत में जातिगत राजनीति के सांप्रदायिक अंतर्संबंध और महिलाएँ (विशेष संदर्भ: 1990 के बाद)
17. श्री चैतान सोरेन झारखंड के आदिवासी आंदोलनों में महिलाओं की भूमिका का ऐतिहासिक नारीवादीअध्ययन।
18. श्रीमती रश्मि लालबिहारी - मॉरीशस में नारी शक्तीकरण स्वरूप एवं संभावनाएँ।
19. सुश्री आरती कुमारी
20. श्री अतुल मिश्रा
21. श्री राहुल
22. अफ़सर हूसेन खाँ

विभाग में प्रवेश के लिए पात्रता और छात्रों की कुल संख्या

1. एम.ए. स्त्री-अध्ययन - 28 सीट - किसी भी विषय में स्नातक अभिरुचि
2. एम.फिल. स्त्री-अध्ययन - 15 सीट - एम.ए.स्त्री अध्ययन/ सामाजिक विज्ञान/मानविकी
3. पी-एच.डी. स्त्री-अध्ययन - स्त्री अध्ययन/सामाजिक विज्ञान/मानविकी में स्नातकोत्तर तथा 3 वर्ष का शोध अनुभव।

संकाय सदस्यों द्वारा शोध निर्देशन, सेमिनार/संगोष्ठी में भागीदारी तथा शोध प्रपत्र का लेखन/प्रकाशन

डॉ. शंभु गुप्त

विभागाध्यक्ष

शोध निर्देशन

लघु शोध प्रबंध एम.फिल. (सत्र 2012-13)

1. सुश्री रेखा तिवारी : बढ़ती लैंगिक असमानता की स्थिति: स्त्री शोषण का नया रूप (विशेष संदर्भ: हरियाणा)
2. सुश्री सोनल पिहुल : किसान आत्महत्याग्रस्त परिवारों की विधवा स्त्रियों की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का अध्ययन।
3. सुश्री आम्रपाली मेश्राम: दलित महिला श्रम सामाजिक-आर्थिक अध्ययन विशेष संदर्भ: वर्धा शहर में सफ़ाईकर्मी महिलाएँ।
4. सुश्री आरती प्रजापति : सामुदायिक वेश्यावृत्ति और रेत।
5. श्री रोहित सिंह : हिंदी महिला उपन्यास लेखन में स्त्री प्रतिरोध विशेष संदर्भ- 'छिन्नमस्ता'।
6. सुश्री प्राची लोहकरे : डॉ. आंबेडकर की स्त्री मुक्ति की अवधारणा और दलित स्त्री जीवन (सत्र 2011-12)

सदस्यता

1. सचिव : राजस्थान प्रगतिशील लेखक
2. सदस्य : भारतीय स्त्री अध्ययन संघ, विद्या परिषद्, स्कूल बोर्ड संस्कृति विद्यापीठ, अध्ययन मंडल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र, अध्ययन मंडल डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की सलाहकार समिति, म.गां.अं.हिं.वि.वर्धा

प्रकाशित पुस्तकें

1. अनहद गरजै, शिल्पायन, नई दिल्ली 2012
2. साहित्य सृजनः बदलती प्रक्रिया, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली 2012
3. मैंने पढ़ा समाज (दूसरा संस्करण; 2012), शिल्पायन, नई दिल्ली
4. कहानीः वस्तु और अंतर्वस्तु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013

सेमिनार में भागीदारी

1. म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा के सहजानंद सरस्वती संग्रहालय में शमशेर बहादुर सिंह पर 12 मई, 2012 को आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान।
2. शांति एवं अहिंसा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा द्वारा 29-31 अगस्त, 2012 को 'शोध-प्रविधि' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 31.08.2012 को एक सत्र में विषय-विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान।
3. 9वें विश्व हिंदी सम्मेलन, जोहांसबर्ग (द. अफ़्रीका) (22-24 सितंबर, 2012) में प्रवासी हिंदी साहित्य पर व्याख्यान (23 सितंबर, 2012)।
4. नोबल्स महिला महाविद्यालय, रामगढ़ (अलवर/राजस्थान) में दिनांक 15/01/2013 को 'साहित्य की प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान।
5. नोबल्स महिला महाविद्यालय, रामगढ़ (अलवर/राजस्थान) में दिनांक 16/01/2013 को 'साहित्य में स्त्री यथार्थ' विषय पर व्याख्यान।
6. म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा में 01-05 फरवरी, 2013 को आयोजित 'हिंदी का दूसरा समय' में 'हिंदी आलोचना' शीर्षक सत्र (01 फरवरी, 2013) का संयोजन एवं संचालन।
7. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2013 को म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा में व्याख्यान (जेंडर संवेदनशीलता)।
8. 23 मार्च 2013 (अर्थ-ऑवर-2013) में कैंडल मार्च में विशिष्ट भागीदारी।

9. स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा द्वारा दिनांक 26 अप्रैल, 2013 को "विष्णु प्रभाकर की प्रासंगिकता" विष्णु प्रभाकर पर आयोजित संगोष्ठी में विषय प्रवर्तन।

प्रकाशित आलेख/शोध-पत्र

1. आलोचना की विश्वसनीयता हर हाल में बनी रहे (साक्षात्कार) – हिंदुस्तान, गोरखपुर 12 अप्रैल, 2012
2. महिला किसान आत्महत्या – कथादेश, दिल्ली, मई 2012
3. स्त्रियोचितता की सीमाएँ (महादेवी वर्मा का स्त्री-विमर्श) वागर्थ, कोलकात्ता अगस्त 2012
4. यथार्थ का अतिक्रमण और जादुई यथार्थवाद – शीतलवाणी, सहारनपुर, अगस्त-अक्तूबर, 2012
5. व्यक्तिगत और राजनीतिक की अंतर्निर्भरताएँ– स्मारिका (बल्लीसिंह चीमा) नई दिल्ली, सितंबर, 2012
6. शमशेर एक कथात्मक लिरिकल कवि – बहुवचन, वर्धा, जन-मार्च, 2013
7. देशकाल की विद्रूपताओं का चित्रण, पाखी, नई दिल्ली, मई, 2013

शीघ्र प्रकाश्य

1. कहानीः वस्तु और अंतर्वस्तु (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. आलोचना के नए क्षितिज (अरू प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के स्त्री अध्ययन विभाग की त्रैमासिक पत्रिका 'स्त्री दर्पण' का संपादन।
4. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के लिए 'स्त्रीः अध्ययनः विविध विषय-संदर्भ (दो खंडों में) पुस्तक का प्रधान संपादन।

प्रो. इलीना सेन, प्रोफ़ेसर (अवकाश पर)

प्रो. वसंती रामन

प्रोफ़ेसर

शोध निर्देशन

लघु शोध प्रबंध एम.फिल. (सत्र 2012-13)

1. सुश्री लवली त्यागी - पंचायती राज में जनप्रतिनिधियों और नारी सशक्तीकरण (उत्तर प्रदेश राज्य के संभल जिले के संभल ब्लॉक के विशेष संदर्भ में।)

प्रकाशित पुस्तकें

1. इनटांगल्ड यार्न्स : बनारस विवर्स एंड सोशल क्राइसिस, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ एडवांस स्टडीज़, शिमला, 2013

पुस्तक समीक्षा

1. रिव्यू ऑफ द सांग ऑफ द लूम : विवर फोक ट्रेडिशंस इन साउथ इंडिया, प्रिमियम बुक्स, दिल्ली 2013, बाइ, विजयारामास्वामि इन सुमेर हिल, Vol. XVIII no. 2, 2012
2. रिव्यू ऑफ ग्रोइंग अप एंड अवे : नैरेटिव्स ऑफ इंडियन चाइल्डहुड, मेमोरी, हिस्ट्री एंड आइडेंटीटी, दिल्ली, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2011 वाई, विजयाबालकृष्ण इन इंडियन जर्नल ऑफ़ जेंडर स्टडीज, 20 (2) 2013 PP 357-364

विशेष व्याख्यान

1. हिंदी समय 11 फ़रवरी, 2013, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में स्त्री-विमर्श पर बीज वक्तव्य
2. एट दी ऑन सिंपोजियम ऑन इनक्वाइटी एंड सोशल जस्टिस ऐट दी दयानंद ब्राजेंद्र स्वरूप कॉलेज देहरादून, 06 मार्च, 2013

सुप्रिया पाठक
सहायक प्रोफ़ेसर

पी.जी. डिप्लोमा परियोजना कार्य (सत्र 2012-13)

1.	सुश्री कल्पना वानखेड़े	विज्ञापन और महिलाएँ वर्धा शहर में लगे होर्डिंग के संदर्भ में।
2.	सुश्री स्नेहलता नगराले	आँगनवाड़ी में चल रही ग्रामीण किशोरी शक्ति योजना का मूल्यांकन (संदर्भ: सिंदी मेघे)

एम.ए. चतुर्थ छमाही (सत्र 2012-13)

1.	सुश्री प्रीतिमाला सिंह	भारतीय 'समानांतर सिनेमा' की स्त्री निर्देशित फिल्में और स्त्री छवि का रूपायन (विशेष संदर्भ: दीपा मेहता और अपर्णा सेन)।
2.	सुश्री राजलक्ष्मी	हाशिए की महिलाएँ, राज्य और यौनिक हिंसा (सोनी सोरी के विशेष संदर्भ में)।
3.	सुश्री संतोष पांडेय	धारावाहिकों में स्त्री चित्रण।
4.	सुश्री अंशुमाला	जाति, वर्ग एवं जेंडर के अंतरसंबंध 'शिकंजे का दर्द' और कस्तुरी कुंडल बसै' के आधार पर।

लघु शोध प्रबंध एम.फिल. (सत्र 2012-13)

1.	सुश्री ममता वाईकर	मातृत्व में विभिन्न नारीवादी विचारधाराएँ
2.	सुश्री पूजा प्रजापति	बाल्मीकि रामायण और रामचरित मानस की सीता का अध्ययन
3.	श्री मनीष कुमार सिंह	औपनिवेशिक उत्तर भारत में स्त्री चेतना: 'स्त्री दर्पण पत्रिका के विशेष संदर्भ में'
4.	श्री योगेश सिंह कुशवाहा	महिला सशक्तीकरण में गांधी का योगदान।
5.	श्री रजनीश अंबेडकर	वेश्यावृत्ति का अध्ययन: हरदोई जिले के विशेष संदर्भ में।

विशेष व्याख्यान

1. 'हिंदी का दूसरा समय', मीडिया में स्त्री चित्रण दिनांक 03.02.2013
2. 'हिंदी का दूसरा समय', स्त्री अस्मिता एवं हिंदी दिनांक 04.02.2013
3. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस – राष्ट्रीय स्वयंसेवक सेवा (NSS) दिनांक 08.03.2013

विशेष सम्मान/परियोजना

1. कनिष्ठ शोध परियोजना (Minor Research Project) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), "पारसी हिंदी रंगमंच में महिलाएँ"।

प्रकाशन

1. "बुनियादी तालीम का स्त्रीवादी पाठ", बुनियादी तालीम, संपादक- ए.अरविंदाक्षन/मिथिलेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2013
2. "साहित्यिक एवं सैद्धांतिक स्त्री विमर्श का द्वंद्व", युग-परिबोध, संपादक- आनंद प्रकाश, दिल्ली, अंक-3, 2012
3. "पारसी हिंदी रंगमंच में महिलाएँ", युग-परिबोध, संपादक- आनंद प्रकाश, दिल्ली, अंक-4, 2013
4. "पारसी रंगमंच एवं महिलाएँ", लोकमत समचार दीपावली विशेषांक, 2012 संपादक- विकास मिश्र, खंड-2

अन्य गतिविधियाँ

1. दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के लिए 'स्त्री अध्ययन' पाठ्यक्रम के लिए इकाई-लेखन।

अवंतिका शुक्ला, सहायक प्रोफ़ेसर (अवकाश पर)

शरद जायसवाल, सहायक प्रोफ़ेसर (अप्राप्त)

विभागीय गतिविधियाँ

सेमिनार/संगोष्ठी/विचार- गोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान श्रृंखला

विशेष व्याख्यान: 04 अप्रैल, 2012

वक्ता: डॉ. रश्मि रामधनी (मॉरीशस)

विषय: मॉरीशस में स्त्री की स्थिति

विशेष व्याख्यान: 03 अगस्त, 2012

वक्ता: प्रो. राकेश चंद्रा (लखनऊ)

विषय: आज के प्रमुख स्त्री मुद्दे

विशेष व्याख्यान: 05-06 सितंबर, 2012

वक्ता: सुश्री कमलेश जैन (नई दिल्ली)

विषय: 1.भारतीय कानून व्यवस्था, 2. कानूनी प्रक्रिया तथा स्त्री

विशेष व्याख्यान: 21 सितंबर, 2012

वक्ता: श्री विजय जावंधिया (वर्धा)

विषय: वर्तमान कृषि संकट एवं महिलाएँ

विशेष व्याख्यान: 03-05 अक्टूबर, 2012

वक्ता: श्री श्रीप्रकाश मिश्र (नई दिल्ली)

विषय: 1. स्त्री आंदोलन का दूसरा और तीसरा दौर, 2. साहित्य की स्त्रीवादी आलोचना, 3. उपद्रवग्रस्त क्षेत्रों में स्त्रियाँ

विशेष व्याख्यान: 30-31 अक्टूबर, 2012
वक्ता: श्री अरविंद जैन (नई दिल्ली)
विषय: 1. जाति, वर्ग, जेंडर, 2. संविधान और स्त्री, 3. स्त्री आंदोलन

विशेष व्याख्यान: 18 फरवरी, 2013
वक्ता: डॉ. कुसुम त्रिपाठी (मुंबई)
विषय: स्त्री आंदोलन का इतिहास और विश्व की प्रमुख स्त्री-आंदोलनकर्त्रियाँ।

विशेष व्याख्यान: 22-23 फरवरी, 2013
वक्ता: डॉ. ज्योत्सना अग्निहोत्री गुप्ता (दिल्ली)
विषय: नई प्रजननकीय तकनीक तथा उनके लैंगिक आयाम।

30-31 जनवरी 2013 को स्त्री अध्ययन विकास केंद्र (CWDS) नई दिल्ली की पुस्तकालयाध्यक्ष सुश्री अंजू व्यास को आमंत्रित कर पुस्तकालय के प्रयोग, सूचना स्रोत इत्यादि मुद्दों पर दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

स्त्री अध्ययन विभाग तथा महिला उत्पीड़न के विरूद्ध समिति के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च 2013 को हबीब तनवीर सभागृह में एक परिसंवाद का आयोजन।

पी-एच.डी. मौखिकी

1. श्री सर्वेश कुमार पांडेय, सत्र 2006-07 ने प्रो. इलीना सेन, प्रोफ़ेसर, स्त्री अध्ययन विभाग के निर्देशन में। (24.04.2012)
2. सुश्री रेखा यादव, सत्र 2007-08 ने प्रो. इलीना सेन, प्रोफ़ेसर, स्त्री अध्ययन विभाग के निर्देशन में। (13.03.2013)

पी-एच.डी. पूर्व प्रस्तुति मौखिकी

1. सुश्री हर्षा जगताप, सत्र 2007-08 ने डॉ. एम.एल. कासारे, निदेशक, डॉ. आंबेडकर अध्ययन केंद्र के निर्देशन में। (18.04.2012)

शोध प्रबंध जमा शोधार्थी

1. श्री विजय कुमार झा (16.06.2012)
2. श्री गंभीर सिंह मीणा (22.06.2012)
3. सुश्री सुप्रिया पाठक (09.07.2012)
4. सुश्री हर्षा जगताप (17.08.2012)
5. श्री अजित सिंह (04.10.2012)
6. सुश्री ममता कुमारी (03.12.2012)

पत्रिकाएँ

'स्त्री दर्पण' नामक विभागीय पत्रिका के प्रकाशन की योजना प्रारंभ की गई।

'भूमंडलीकरण और स्त्री' पर केंद्रित पहला अंक शीघ्र प्रकाश्य। संपादक, शंभु गुप्त।

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र की स्थापना 2007 में विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के अनुरूप क्षेत्र विस्तार कार्यक्रमों को गति देने खास कर गांधीजी के अहिंसक समाज रचना और फ्यूजी गुरुजी के विश्वशांति की दिशा में हो रहे प्रयासों के संवर्धन, सर्वेक्षण और दस्तावेज़ीकरण कर सैद्धांतिक आधारों को परिपुष्ट करना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर 2009 से गांधी विचार पर आधारित समाजकार्य पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। आधुनिकीकरण के साथ-साथ समाज में संस्थानीकरण की प्रक्रिया में कुछ नए मूल्य उभरे हैं। इस तीव्र परिवर्तनशील समाज में सामाजिक कार्य व्यवस्थित ज्ञान और दक्षता की माँग अनिवार्यता से करता है। समाज के लिए यह एक बड़ा कैनवास है, सुरुचिपूर्ण समाजोत्थान के लिए कार्य करने का। देश में प्रचलित मानकों के साथ चल रहा एम.एस.डब्ल्यू. का यह पाठ्यक्रम राष्ट्रहित में एक चुनौती के रूप में गांधी-जीवन मूल्यों का प्रसार करते हुए स्वावलंबन की सीख देता है। यह अध्ययन मात्र शास्त्रीय नहीं, कार्य व्यवहार का विशाल क्षेत्र निर्मित करता है जिससे जीवन और जीविका दोनों की सुरक्षा संभव हो जाती है।

यह कार्यकर्ता निर्माण की कड़ी है। गांधी विचार, शांति अध्ययन एवं समाज निर्माण के क्षेत्र में शोध एवं प्रकाशन को दिशा देना केंद्र का प्रमुख उद्देश्य है। समाजगत समस्याओं को ध्यान में रखकर आपदा एवं पर्यावरण प्रबंधन को पाठ्यक्रम में प्रमुख स्थान दिया गया है।

केंद्र में नामांकन

शैक्षणिक सत्र 2012-13 में केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थी/शोधार्थी

एम.ए. प्रथम छमाही	-	09
एम.ए. चतुर्थ छमाही	-	11
एम.फिल.	-	04

केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम

1. 'स्वच्छता का समाज शास्त्र' सुलभ इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वधान में 17-18 फरवरी, 2013
2. प्रकल्प नागपुर द्वारा स्वास्थ्य कार्यक्रम- 19 फरवरी, 2013

विभाग के छात्रों की उपलब्धियाँ

1. राजीव गांधी फ़ेलोशिप – 01 श्री नरेंद्र दिवाकर
2. नेट – 02 श्री अमोल कुकड़े एवं श्री नरेश गौतम

विशेष व्याख्यान

1. श्रीमती शोभना रामकृष्णा एवं श्री रवि चोपड़ा, 'गांधी विचारों के विभिन्न आयाम' विषय पर व्याख्यान दिनांक 10 अक्टूबर, 2012
2. प्रो. वी.के. श्रीवास्तव, 'विकास एवं पर्यावरण' विषय पर व्याख्यान दिनांक 12 अक्टूबर, 2012
3. डॉ. बिंदेश्वर पाठक एवं डॉ. भरत महोदय 'स्वच्छता का समाजशास्त्र' विषय पर व्याख्यान 17-18 फ़रवरी, 2013
4. प्रो. प्यारेलाल निदेशक, आर्थिक अध्ययन संस्थान, पटना (बिहार) 'सामाजिक एवं ग्रामीण विकास योजना निर्माण' विषय पर व्याख्यान मार्च, 2013

विशेष कार्यक्रम

1. सेवाग्राम आश्रम में 50 छात्र-छात्राएँ एवं 10 शिक्षकों का शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम नवंबर, 2012 को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम को केंद्र द्वारा संचालित कराया गया।

संकाय सदस्यों की गतिविधियाँ/उपलब्धियाँ

प्रो. मनोज कुमार

निदेशक, संकायाध्यक्ष

पुरस्कार – मंदार महोत्सव समिति द्वारा शिक्षाविद गौरव पुरस्कार-2012

लेखन

1. 'बुनियादी तालीम की बुनियाद' आलेख
   पुस्तक- बुनियादी तालीम, संपादक प्रो. ए. अरविंदाक्षन/डॉ. मिथिलेश कुमार
   प्रकाशन- राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 2013

डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र

14 अप्रैल, 2004 को वर्धा स्थित राष्ट्रभाषा प्रचार समिति में बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर की जयंती के दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो.जी. गोपीनाथन द्वारा भारतीय संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर के अगाध हिंदी-प्रेम एवं हिंदी के प्रति उनकी संवैधानिक प्रतिबद्धता को देखकर और भारत में बौद्ध धम्म एवं दर्शन को पुनर्जीवित करने के उनके कार्य को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय में 'बौद्ध अध्ययन केंद्र' की आधारशिला रखी गई। जिस प्रकार वर्धा से महात्मा गांधी का नाम जुड़ा है, उसी प्रकार वर्धा की राष्ट्रभाषा प्रचार समिति एवं भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन का नाम जुड़ा है। वे वर्ष 1942 से वर्ष 1951 तक राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के प्रधानमंत्री रहे, हिंदी और बौद्ध धम्म व दर्शन के क्षेत्र में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण है, उन्होंने पालि भाषा के त्रिपिटक और अट्ठकथाओं समेत कई प्रमुख बौद्ध ग्रंथों का हिंदी भाषा में अनुवाद किया। उनके इस विशेष योगदान को देखते हुए ही, इस केंद्र का नाम 'डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र' रखा गया। बौद्ध अध्ययन और पालि भाषा एवं साहित्य में पठन-पाठन और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 11 वीं पंचवर्षीय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की इपोक मेकिंग थिंकर्स योजना के अंतर्गत वर्ष 2007-2008 में यह केंद्र स्थापित किया गया। केंद्र का डॉ. भदंत सावंगी मेधाकर विभागीय पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 2400 पुस्तकें उपलब्ध हैं। जो बौद्ध धम्म एवं दर्शन से संबंधित अनेक दुर्लभ ग्रंथ, पालि भाषा, संस्कृत, बौद्ध संकर संस्कृत, चीनी भाषा, तिब्बती आदि भाषाओं में संकलित हैं।

इस केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित हैं

1. **एम.ए. बौद्ध अध्ययन-** हिंदी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बौद्ध अध्ययन को विस्तार देने की दृष्टि से एम.ए. बौद्ध अध्ययन में दो वर्षीय पाठ्यक्रम सत्र 2009-2010 से चलाया जा रहा है।

2. **बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** - यह इस केंद्र का सबसे पहला पाठ्यक्रम है, जो सत्र 2008-2009 में आरंभ हुआ। जो अभ्यर्थी बौद्ध अध्ययन में रुचि रखते हैं लेकिन दूसरे पाठ्यक्रमों के भी नियमित छात्र हैं अथवा जो सरकारी या गैरसरकारी संस्थानों में कार्यरत हैं, उनको विशेष रूप से ध्यान में रखकर यह एक वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है।

3. **पालि भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** - जो लोग पालि भाषा एवं साहित्य के प्रति जिज्ञासु हैं और वे उसको जानना एवं सीखना चाहते हैं लेकिन दूसरे पाठ्यक्रमों में भी अध्ययनरत हैं अथवा जो सरकारी या गैरसरकारी संस्थानों में कार्यरत हैं, उनको विशेष रूप से ध्यान में रखकर यह अंशकालिक पाठ्यक्रम सत्र 2010-2011 से चलाया जा रहा है।

4. **बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** - आज पूरी दुनिया में पर्यटन एक उभरता हुआ व्यवसाय है, कई देशों की अर्थव्यवस्था एवं आय का साधन पर्यटन उद्योग ही है। प्राचीनकाल से ही संसार के अनेक देशों के लिए भारत का बौद्ध धम्म और उससे जुड़े ऐतिहासिक स्थल सदैव आकर्षण और भ्रमण का केंद्र रहे हैं। भारत में बौद्ध पर्यटन की व्यापक संभावनाओं को ध्यान में रखकर, यह रोज़गारपरक पाठ्यक्रम सत्र 2011-2012 से आरंभ किया गया है। क्योंकि आज हम देखते हैं कि पुरातात्विक महत्व के बौद्ध स्थलों पर प्रशिक्षित मार्गदर्शक, टूर ऑपरेटर और गाइड का अभाव है। इस दृष्टि से यह पाठ्यक्रम व्यापक रुप से रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराएगा। जो बौद्ध पर्यटन एवं

गाइडिंग में रुचि रखते हैं अथवा जो सरकारी या गैरसरकारी संस्थानों में कार्यरत हैं, उनको विशेष रूप से ध्यान में रखकर यह अंशकालिक पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है।

5. **तिब्बती भाषा एवं तिब्बती बौद्ध धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** - प्राचीन बौद्धकाल से ही भारत के तिब्बत के साथ बहुत ही प्रगाढ़ सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। आज भी बहुत सारा बौद्ध साहित्य तिब्बती भाषा से हिंदी में अनूदित होना बाकी है, यदि यह संभव हो जाए तो प्राचीन भारत की ऐतिहासिक और सामाजिक शोध सामग्री का विपुल भंडार हमारे समक्ष होगा, जो कई नवीन शोध जानकारियों का स्रोत उपलब्ध कराएगा। इस दृष्टिकोण से यह पाठ्यक्रम बेहद उपयोगी भूमिका निभाएगा। इसलिए जो लोग इसमें रुचि रखते हैं, लेकिन दूसरे पाठ्यक्रमों के भी नियमित छात्र हैं और जो सरकारी या गैरसरकारी संस्थानों में कार्यरत हैं, उनको विशेष रूप से ध्यान में रखकर यह अंशकालिक पाठ्यक्रम सत्र 2011-2012 से चलाया जा रहा है।

6. **एम.फिल. बौद्ध अध्ययन (सत्र 2013-2014 से आरंभ)** - यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का है, जो दो छमाहियों में पूरा होता है।

7. **पी-एच.डी. बौद्ध अध्ययन (सत्र 2013-14 से आरम्भ)** - विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल./ पी-एच.डी.) उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार यह पाठ्यक्रम संचालित है।

विभाग में कार्यरत शैक्षणिक कर्मी

1. डॉ. सुरजीत कुमार सिंह - सहायक प्रोफ़ेसर
2. रविशंकर सिंह - सहायक प्रोफ़ेसर (अस्थायी, 179 दिन)

केंद्र में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या

1. **एम.ए. बौद्ध अध्ययन**

   सत्र 2010-2012 में 07 विद्यार्थी

   सत्र 2011-2013 में 09 विद्यार्थी

   सत्र 2012-2014 में 15 विद्यार्थी

2. **बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

   सत्र 2012-2013 में 10 विद्यार्थी

3. **पालि भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

   सत्र 2012-2013 में 10 विद्यार्थी

4. **बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

   सत्र 2012-2013 में 05 विद्यार्थी

5. **तिब्बती भाषा एवं तिब्बती बौद्ध धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

   सत्र 2012-2013 में 04 विद्यार्थी

निम्न विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की मेधा छात्रवृत्ति मिल रही है

1. **एम.ए. बौद्ध अध्ययन सत्र 2011-2013**

   1. शुभांगी महादेव शंभरकर
   2. भाग्यश्री रामटेके
   3. रंजना पाटिल
   4. सुजाता शेषराव भगत
   5. मीना ढोरे

2. **एम.ए. बौद्ध अध्ययन सत्र 2013-2014**

1. प्रवीण शंभरकर 2. शालू गजभिए
3. आत्माराम लोखंडे 4. दिनेश पटेल
5. प्रीति फुसाटे

निम्न विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपने परियोजना शोध कार्य पूर्णकर जमा किए

1. एम.ए. बौद्ध–अध्ययन सत्र 2010-2012 में 02 विद्यार्थियों ने परियोजना शोध कार्य जमा किया।
2. एम.ए. बौद्ध–अध्ययन सत्र 2011-2013 में 04 विद्यार्थियों ने परियोजना शोध कार्य जमा किया।
3. बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2012-2013 में 04 विद्यार्थियों ने परियोजना शोध कार्य जमा किया।
4. पालि भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2012-13 में 07 विद्यार्थियों ने परियोजना शोध कार्य जमा किया।
5. बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नात्तकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2011-2013 में 03 विद्यार्थियों ने परियोजना शोध कार्य जमा किया।
6. तिब्बती भाषा एवं तिब्बती बौद्ध धर्म में स्नात्तकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2012-2013 में 04 विद्यार्थियों ने परियोजना शोध कार्य जमा किया।

केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियाँ

1. दिल्ली विश्वविद्यालय की लगभग 850 छात्राओं का दल ज्ञानोदय एक्सप्रेस द्वारा भारत भ्रमण पर निकला, जो 18 जुलाई, 2012 को वर्धा विश्वविद्यालय पहुँचा। कुलपति श्री विभूति नारायण राय कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे और कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे ने अध्यक्षता की और संचालन केंद्र के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. सुरजीत कुमार सिंह ने किया गया।

2. 23 अक्टूबर, 2012 को केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागृह में 'बौद्ध धम्म दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. भिक्षु सत्यपाल महाथेर का प्रमुख वक्ता के रूप में व्याख्यान आयोजित किया गया। कुलपति श्री विभूति नारायण राय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और संचालन केंद्र के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. सुरजीत कुमार सिंह द्वारा किया गया।
3. 02-03 मार्च, 2013 को केंद्र द्वारा 21 विद्यार्थियों का एक अध्ययन दौरा केंद्र के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. सुरजीत कुमार सिंह और सहायक प्रोफ़ेसर रवि शंकर सिंह के नेतृव में आयोजित किया गया। जो साँची, विदिशा, उदयगिरी, भोजपुर, भीमबेटका और भोपाल आदि पुरातात्विक महत्व के स्थलों पर गया।
4. केंद्र द्वारा प्रत्येक शुक्रवार को 'संबोधि' के नाम से विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है।

डॉ. सुरजीत कुमार सिंह

प्रभारी अध्यक्ष/सहायक प्रोफ़ेसर

प्रशासनिक उत्तरदायित्व

1. प्रभारी अध्यक्ष, 10.04.2012 से डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र।
2. अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ स्टडीज़, डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र।
3. सदस्य, विद्या परिषद्, स्कूल बोर्ड, संस्कृति विद्यापीठ, सलाहकार समिति, डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र एवं कार्य समिति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय शिक्षक संघ, वर्धा।
4. संपादक, संगायन, बौद्ध अध्ययन की शोध पत्रिका, दिल्लीः पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद्।
5. उप संपादक, निब्बान बोधि, बौद्ध अध्ययन की शोध पत्रिका, कुशीनगरः भिक्षु महासंघ।
6. महासचिव, पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद, दिल्ली।

संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत एवं सहभागिता

1. 'बौद्ध धर्म और दूरस्थ शिक्षा' विषय पर दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा 16-18 मार्च, 2013 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।
2. 'बौद्ध धर्म में सहिष्णुता: एक अनुशीलन' विषय पर श्री गुरू ग्रंथ साहिब अध्ययन केंद्र, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा 07-08 मार्च, 2013 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।
3. 'कलिंग युद्ध का सम्राट अशोक पर प्रभाव' विषय पर पर्यटन विभाग, ओड़िशा सरकार, भुवनेश्वर द्वारा 01-03 फ़रवरी, 2013 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।
4. 'ब्रह्मजाल सुत्त में वर्णित बुद्धकालीन व्यवसाय एवं आजीविका के साधन' विषय पर भारतीय बौद्ध अध्ययन सोसाइटी की 12वीं वार्षिक कांफ्रेंस में 02-04 नवंबर, 2012 को दून विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा आयोजित संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।
5. 'आधुनिक विश्व में बौद्ध नीतिशास्त्र' विषय पर पालि और प्राकृत विभाग, पी.डब्लू.एस. कॉलेज, नागपुर द्वारा 07 अक्टूबर, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।
6. 'थेरवाद संप्रदाय और भारतीय नवबौद्ध आंदोलन' विषय पर बौद्ध अध्ययन विद्यापीठ, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, गौतम बुद्ध नगर द्वारा 07-09 सितंबर, 2012 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।
7. 'बौद्ध अध्ययन में शोध प्रविधि की समस्याएँ' विषय पर शांति एवं अहिंसा अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा 29-31 अगस्त, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।
8. 'भगवान बुद्ध के उपदेशों में नीतिमूल्य' विषय पर पालि और प्राकृत विभाग, पी.डब्लू.एस. कॉलेज, नागपुर द्वारा 03-04 जुलाई, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।
9. 'भारतीय परंपरा में मृतक संस्कार' विषय पर शोध पत्र प्रकाशित, संगायन, बौद्ध अध्ययन की अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका, दिल्ली: पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद्, अंक प्रथम अक्टूबर, 2012 ISSN: 2319-6343
10. बौद्ध अध्ययन में संबंधित विभिन्न विषयों पर अनेक व्याख्यान जैसे: बुद्ध विहार व लार्ड बुद्धा टेलीविजन पर आदि।

डॉ. बाबा साहब आंबेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र

प्रो. एल. कारूण्यकरा

प्रोफ़ेसर/निदेशक

केंद्र का उद्देश्य

1. दलित एवं जनजाति की संकल्पना।
2. दलित एवं जनजाति अध्ययन का विकास, प्रकृति एवं विकास की गतिशीलता को समझना।
3. दलित एवं जनजाति अध्ययन की प्रासंगिकता।
4. दलित एवं जनजाति के विकास के मुद्दो को समझना।
5. दलित एवं जनजातियों के अधिकारों की रक्षा की नीतियाँ तैयार करना।
6. दलित एवं जनजाति के शोषण, अन्याय जो हिंसा का सामाजिक रूप है उन्हें सशक्तीकरण में बाबा साहब आंबेडकर की सोच।
7. भारतीय दलित एवं जनजाति और अन्य देशों की जनजातियाँ सामाजिक रूप से वंचित समुदायों के अमेरिकी अश्वेतों के रूप में विभिन्न देशों में हाशिए पर समुदायों का तुलनात्मक अध्ययन करना और समानताओं के रूप में अच्छी तरह से विभिन्न समाजों में मौजूद अंतर को समझने और करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन करना।

कार्य

1. पाठ्यक्रम एम.ए. पी.जी. डिप्लोमा।
2. एम. फिल. एवं पी.एच.डी. के पर्यवेक्षण को समझना।
3. दलित से संबधित मुद्दों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर एक नए डेटा बेस का निर्माण करना।
4. सामाजिक, आर्थिक सरकारी एजेंसियों द्वारा उत्पन्न डेटा के आधार पर विस्तृत विश्लेषण करना।
5. दलित, आदिवासी और डॉ. बाबा साहब आंबेडकर पर नियमित रूप से सम्मेलन, सेमिनार संगोष्ठियों का आयोजन।

छात्रों की संख्या

कुल 19 छात्र (07 छात्राएँ, 12 छात्र, 2 एस.सी., 00 एस.टी., 01 ओबीसी, 16 सामान्य) (एम.ए.-12, एम.फिल.- 03, पी.एच.डी. 04)

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग

दृष्टि

1. छात्र-छात्राओं को अनुवाद के क्षेत्र में संस्थागत प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें कुशल अनुवादक के रूप में स्थापित होने में सहयोग प्रदान करना।
2. अनुवाद के माध्यम से संस्कृतियों के बीच आपसी समझ का विस्तार करना और अंतरराष्ट्रीय बंधुत्व की भावना को बल देना।
3. अनुवाद विज्ञान को अंतर अनुशासनिक ज्ञान के रूप में विकसित करते हुए इसे आधुनिक प्रौद्योगिकी से जोड़कर हिंदी में विदेशी एवं भारतीय भाषाओं की सामग्री की यंत्रानुवाद प्रक्रिया का विकास करना।
4. निर्वचन को एक स्वतंत्र ज्ञानानुशासन के रूप में विकसित करना।
5. अनुवाद अनुशासन को भाषा-शिक्षण के प्रमुख उपकरण के रूप में विकसित करना।
6. अंतर प्रतीकात्मक अनुवाद को कंप्यूटर, सिनेमा, दूरदर्शन, आकाशवाणी आदि के संदर्भ में विकसित करना।
7. अनुवाद को वर्तमान सांस्कृतिक एवं सामाजिक और प्रयोगपरक प्रविधियों से जोड़ते हुए उसके व्यावहारिक पक्ष का विकास करना।
8. श्रेष्ठ भारतीय एवं अन्य देशों के साहित्य के हिंदी में अनुवाद की व्यवस्था करना तथा हिंदी में अनूदित कृतियों की समीक्षा, परीक्षण एवं मूल्यांकन कर अनुवाद की गुणवत्ता में वृद्धि करना।
9. आशु अनुवादकों का प्रशिक्षण तथा समय-समय पर उनके कौशल-विकास के लिए प्रशिक्षण, ओरिएंटेशन, कार्यशाला एवं पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित करना।
10. अनुवाद के क्षेत्र में काम आने वाले कोशों का निर्माण करना।

वर्तमान शैक्षणिक सदस्य

1. प्रो. देवराज - विभागाध्यक्ष
2. डॉ. अन्नपूर्णा सी. - एसोशिएट प्रोफ़ेसर
3. डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी - सहायक प्रोफ़ेसर
4. डॉ. राम प्रकाश यादव - सहायक प्रोफ़ेसर
5. सुश्री हरप्रीत कौर - सहायक प्रोफ़ेसर
6. श्री गोपाल राम - सहायक प्रोफ़ेसर

पाठ्यक्रम

1. एम.ए. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)
2. एम.फिल. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)
3. पी-एच.डी. हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी एवं अनुवाद संबंधी अन्य क्षेत्र)
4. स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिंदी अनुवाद)
5. स्नातकोत्तर डिप्लोमा (निर्वचन)
6. स्नातकोत्तर डिप्लोमा (प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद)

विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की प्रवेश संख्या – (अधिकतम)

1. एम.ए. - 30 (अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए 35%)
2. एम.फिल. - 15 (अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए 50%)
3. पी-एच.डी. - रिक्त स्थानों के अनुसार
4. डिप्लोमा - 15

छात्रवृत्ति सुविधा (विद्यार्थियों के लिए)

1. एम.ए. - समस्त विद्यार्थी
2. एम.फिल. - समस्त विद्यार्थी
3. पी-एच.डी. - समस्त विद्यार्थी

अनुवाद प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला

अनुवाद प्रौद्योगिकी संबंधी अध्ययन, शोध और अभ्यास में निरंतरता बनाए रखने तथा तकनीकी कौशल के विकास को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा विभाग को एक अनुवाद प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला प्रदान की गई है। इसमें एक ही समय पैंतीस व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

पी-एच.डी., एम.फिल., एम.ए. तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रयोगशाला का नियमित उपयोग किया जा रहा है।

विभागीय पुस्तकालय

अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग के विभागीय पुस्तकालय में कुल 2577 पुस्तकें हैं। इनमें अनुवाद विज्ञान, भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा, हिंदी व्याकरण, हिंदी साहित्य आदि की पुस्तकें उपलब्ध हैं। विभागीय पुस्तकालय में मार्च, 2013 से **पुस्तकालय प्रबंधन** नामक सॉफ़्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। विभागीय पुस्तकालय से पी-एच.डी. के छात्रों को 5, एम.फिल. के छात्रों को 4, एम.ए. के छात्रों को 3 तथा डिप्लोमा के छात्रों को 2 किताबें 10 दिन के लिए निर्गत की जाती हैं। पुस्तकालय में भी स्वतंत्र रूप से अध्ययन-कक्ष की सुविधा उपलब्ध है।

पुस्तकालय में छात्रों के लिए **Open Access System** रखा है। जिससे विद्यार्थी/शोधार्थी स्वयं किताबें खोज सकते हैं। इससे शोधार्थियों को उनके विषय से संबंधित अन्य किताबें भी देखने को मिलती हैं और शोध कार्य में सहायता प्राप्त होती है।

विभागीय पुस्तकालय में छात्रों को **Current Awareness Service** के अंतर्गत समाचार पत्र (हिंदी तथा अंग्रेज़ी) एवं अनुवाद से संबंधित पत्रिकाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। इसी के साथ अन्य आधुनिक सुविधाएँ देने का प्रयास भी किया जा रहा है।

विभागीय ब्लॉग

मार्च, 2013 में विभाग द्वारा **निर्वचन** शीर्षक से एक ब्लॉग तैयार किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य पाठकों को अनुवाद प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यक जानकारी, विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के विषय में विस्तृत सूचना, संगोष्ठियों/शिविरों की जानकारी, आयोजन संबंधी समाचार, अनुवाद-कार्य संबंधी मूल्यांकनपरक सामग्री तथा विभिन्न भाषाओं से हिंदी में अनूदित रचनाएँ उपलब्ध कराना है। समय-समय पर विभागीय बैठकों में ब्लाग की सामग्री-नीति पर विचार किया जाएगा तथा आवश्यक परिवर्तन को स्थान दिया जाएगा। ब्लॉग का **url** है: **www.nirvachan.blogspot.in**

परीक्षापरक उपलब्धियाँ

नेट/जे.आर.एफ./स्लैट

1.	श्री सुधरी जिंदे	जे.आर.एफ.	वर्ष 2012
2.	श्री प्रदीप कुमार यादव	नेट	वर्ष 2012
3.	श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर	एपटेट	वर्ष 2012

एम.फिल. पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले छात्र

1.	सुश्री अनुपमा पांडेय	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.
2.	श्री विशेष कुमार श्रीवास्तव	शोध निर्देशक -	डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी

पी-एच.डी. मौखिकीय संपन्न

1.	श्री गिरीष कठाने	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.
2.	श्रीमती मंरूकुट्टल मंजुला	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.

पी-एच.डी. पूर्व प्रस्तुति संपन्न

1.	श्री शैलेश मरजी कदम	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.
2.	सुश्री मंजु तेजराम ग्वालवंश	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.
3.	सुश्री नीलम रामभाऊ ठवसे	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.
4.	श्री सुबोध कुमार	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.
5.	सुश्री मीना तुकारामजी तेलगोड़े	शोध निर्देशक -	डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी
6.	सुश्री हिमाद्रि शईकिया	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.
7.	श्री भारत बापूराव पाटिल	शोध निर्देशक -	डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी
8.	श्री राजेश विश्वनाथ मून	शोध निर्देशक -	डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी

पी-एच.डी. में पंजीकृत हुए शोधार्थी

1.	श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.
2.	श्री सुधीर गौतमराव जिंदे	शोध निर्देशक -	डॉ. राम प्रकाश यादव
3.	सुश्री मेघा दिलीप आचार्य	शोध निर्देशक -	डॉ. अन्नपूर्णा सी.
4.	सुश्री शिल्पा	शोध निर्देशक -	डॉ. राम प्रकाश यादव

विभाग के रोजगार प्राप्त छात्र

1. श्री गिरीश कठाणे, हिंदी अधिकारी, एफ.डी.डी.आई. नोएडा।
2. श्री अभिजित पायें, राष्ट्रभाषा महाविद्यालय, नगालैंड राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, कोहिमा, नगालैंड।

संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में शोधार्थियों की भागीदारी एवं शोधपत्र वाचन

1. श्री सुधीर गौतमराव जिंदे- 'वेब मीडिया और हिंदी का वैश्विक परिदृश्य' विषय पर के.एम. अग्रवाल कॉलेज, कल्याण मुंबई द्वारा 11,12 जनवरी 2013 को आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद में सहभागिता।
   -म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा में दिनांक 16,17 एवं 18 मार्च 2013 को दूर शिक्षा निदेशालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा 'दूर शिक्षा की सामाजिक प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
2. श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर-'रिसर्च मेथोडोलॉजी और डाटा प्रोसेसिंग' विषय पर एस.पी.एस.एस. एवं कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता। दिनांक 22-31 मार्च, 2013
   -आर.एस. बिडकर आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज (नागपुर विश्वविद्यालय) द्वारा 'मॉडर्न कांसेप्ट ऑफ सोशल, पॉलिटिकल एंड इकोनॉमिक थॉट ऑफ़ महात्मा गांधी, नेहरू एंड डॉ. बी.आर. आंबेडकर' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता। दिनांक 20 सितंबर, 2012

शोधार्थियों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रिफ्रेशर कोर्स) में सहभागिता

1. श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर – यू.जी.सी. अकादमिक स्टॉफ़ कॉलेज, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स इन रिसर्च मेथोडोलॉजी में सहभागिता दिनांक 23 जनवरी, 2013 से 12 फरवरी, 2013

शोधार्थियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सहभागिता

1. श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर – एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय इंटरडिसिप्लिनरी सम्मेलन, रिथिंकिंग इंडिया, रियस्सेन्स कॉलेज नागपुर द्वारा आयोजित। दिनांक 27 फरवरी, 2013

- 'लिंग्विस्टिक्स इन इंडिया विषय पर जवाहरलाल नेहरू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरा अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी सम्मेलन। दिनांक 15 नवम्बर, 2012

2. श्री सुधीर गौतमराव जिंदे – वेब मीडिया और हिंदी का वैश्विक परिदृश्य विषय पर के.एम. अग्रवाल कॉलेज, कल्याण मुंबई द्वारा 11,12 जनवरी, 2013 को आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद।

शोधार्थियों द्वारा शोधपत्र/लेख प्रकाशन

1. श्री सुधीर गौतमराव जिंदे - लेख- 'वेब मीडिया में हिंदी और अनुवाद प्रौद्योगिकी, प्रकाशन- के.एम. अग्रवाल कॉलेज, कल्याण मुंबई, द्वारा आयोजित वेब मीडिया और हिंदी का वैश्विक परिदृश्य विषयक अंतरराष्ट्रीय संवाद (दिनांक 11,12 जनवरी, 2013) के कार्यवृत्त में।
2. श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर – लेख- 'वैज्ञानिक लिपि देवनागरी', प्रकाशन- अंतरराष्ट्रीय बहुभाषी मासिक रेफर्ड शोध जनरल PATRON नांदेड़ ISSN: 0976-2310

   - लेख- 'हिंदी को अंतरराष्ट्रीय बनाने के लिए देवनागरी लिपि का अधिकाधिक प्रयोग' प्रकाशन- दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय, नागपुर के हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 4,5 जनवरी, 2013 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

शोधार्थियों द्वारा शोध अध्ययन यात्राएँ

1. श्री राजेश मूल- संस्था – जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, दिनांक 21.03.2013 से 01.04.2013 तक
2. श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर- संस्था- तेलुगु- हिंदी मशीन अनुवाद एवं व्याकरण से संबंधित सामग्री, आंध्र विश्वविद्यालय विशाखापट्टनम की यात्रा करके संकलित की। दिसंबर 2012

   संस्था- हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, काल्ट्स विभाग के प्रो. उमा महेश्वरराव के मार्गदर्शन में शोध विषय से संबंधित सामग्री संकलन का कार्य किया। दिनांक 12.02.2013 से 16.02.2013 तक

छात्रों द्वारा लघु-शोध पर आधारित पावर पॉइंट प्रस्तुति

1. श्री सुधीर गौतमराव जिंदे द्वारा नाइडा के अनुवाद सिद्धांत विषय पर दिनांक 28.03.2013 को प्रस्तुति।
2. श्री हिमाद्रि शईकिया द्वारा महापुरूष श्रीमंत शंकरदेव: जीवन और कर्म विषय पर दिनांक 28.03.2013 को प्रस्तुति।

विशेष व्याख्यान

1. डॉ. सुलभा कोरे, अतिथि द्वारा 'अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ- मराठी के विशेष संदर्भ' में दिनांक 24.12.2012 को व्याख्यान।
2. श्री राजेंद्र उपाध्याय, अतिथि द्वारा 'अनुवाद, अनुवाद प्रौद्योगिकी और आकाशवाणी' विषय में दिनांक 31.01.2013 को व्याख्यान।
3. श्री राजकुमार कामले, अतिथि द्वारा 'घासीराम कोतवाल का अभिनय पाठ' विषय में दिनांक 06.02.2013 को व्याख्यान।
4. डॉ. किशोर वासवानी, अतिथि द्वारा 'फिल्म, डबिंग और सब टायटलिंग' विषय में दिनांक 08.02.2013 को व्याख्यान।
5. डॉ. दिविक रमेश, अतिथि द्वारा 'विदेशी साहित्य के हिंदी अनुवाद की समस्याएँ' विषय में दिनांक 15.02.2013 को व्याख्यान।
6. प्रो. आर.एस. सर्राजु, अतिथि द्वारा 'मशीनी अनुवाद की सीमाएँ एवं संभावनाएँ' विषय पर दिनांक 18.02.2013 को व्याख्यान।

समाचार लेखन और अनुवाद

छात्रों को मीडिया संबंधी ज्ञान देने, कार्यक्रमों के संबंध में समाचार निर्मित करने और उनका अनुवाद सिखाने के लिए विभाग के छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित **हिंदी का दूसरा समय** शीर्षक आयोजन (दि. 1 से 5 फरवरी, 2013) में भागीदारी करते हुए समाचार संग्रह का कार्य सौंपा गया। एक ही समय पर विभिन्न सभा कक्षों में आयोजित होने वाले सत्रों के लिए

अलग-अलग समूहों का गठन किया गया। इन समूहों ने संगृहीत समाचारों का समन्वित रूप भी तैयार किया। इस गतिविधि में निम्नांकित छात्रों ने भाग लिया :-

1. सुश्री मेघा दिलीप आचार्य
2. श्री सुधीर गौतमराव जिंदे
3. श्री मनमोहन मिश्र
4. श्री बृजेश कुमार चौहान
5. सुश्री कल्याणी पंजाबराव भैसारे
6. श्री राजेश विश्वनाथ मून
7. सुश्री हिमाद्रि शईकिया
8. श्री प्रदीप कुमार यादव
9. सुश्री शिल्पा
10. सुश्री लेखा अशोक जोशी
11. श्री चंद्रशेखर यादव
12. श्री मिलिंद बापूराव पाटील
13. सुश्री अनुपमा पांडेय

सेमिनार/कार्यशाला/संगोष्ठी आदि में सहभागिता

डॉ. अन्नपूर्णा सी.

एसोशिएट प्रोफ़ेसर

सदस्य

अधिसूचना क्र. 003/2003/का.प./10(1)-4/2013 दिनांक 19.04.2013 के अनुसार विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भागीदारी

1. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित 'हिंदी का दूसरा समय' (हिंदी में अनुवाद सत्र में शोधपत्र वाचन) 1 से 5 फरवरी, 2013
2. आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, नागार्जुन नगर, गुंटूर (आंध्र) द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, आधुनिक हिंदी और तेलुगु साहित्य में राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भावना। (शोधपत्र वाचन) 26- 27 मार्च, 2013

3. लिंग्वा इंडिया द्वारा आयोजित अनुवाद प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण पर संगोष्ठी, नई दिल्ली। (अनुवाद में गुणवत्ता शीर्षक शोधपत्र वाचन) 23-26 जून, 2012
4. तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय तिरूवारूर द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय संगोष्ठी, दक्षिण भारत में हिंदी (शोध पत्र वाचन) 26-28 जुलाई, 2012
5. अकादमिक कॉउंसिल मीटिंग, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा, 9 अगस्त, 2012
6. आंध्रलयोला विद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा आयोजित द्विदिवसीय संगोष्ठी (शोधपत्र वाचन) 24-25 अगस्त, 2012
7. विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित 9वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन जोहांसबर्ग, (दक्षिण अफ्रीका) 22-24 सितंबर, 2012
8. यू.जी.सी. रिफ्रेशर कोर्स, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 07 नवंबर से 27 नवंबर, 2012
9. विभागीय शोध समिति की बैठक, 31 दिसंबर, 2012

पुस्तकों में प्रकाशित लेख

1. पुस्तक- हिंदी के विविध आयाम (सं.) आनंद पाटिल, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली-2 शीर्षक –अनुवाद और हिंदी (राजभाषा) वर्ष 2012
2. पुस्तक- भाषा की भीतरी परतें (सं.) प्रो. ऋषभदेव शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, शीर्षक- 'साधना पुरूष हैं गुरूजी' वर्ष 2012

शोध पत्रों का प्रकाशन- पत्रिका- साहित्य त्रिवेणी, प्रकाशक- ओरियंटल लेंग्वेज विभाग आंध्रलयोला कॉलेज, विजयवाड़ा-520008 (संगोष्ठी कार्यवृत्त) शोध पत्र- स्वातंत्र्योत्तर साहित्य और अनुवाद, दिनांक 24-25 अगस्त, 2012

डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी

सहायक प्रोफ़ेसर

सदस्य- अधिसूचना क्र. 003/2003/का.प./10(1)-4/2013 दिनांक 19.04.2013 के अनुसार विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भागीदारी

1. इंटर डिसीप्लिनरी इंटरनेशनल कान्फ्रेंस- 'रेलेवंस ऑफ़ डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर, महात्मा गांधी एंड पंडित नेहरू जी आइडिऑलॉजी इन दी प्रेजेंट सिनारीओ' (शोधपत्र वाचन) दिनांक 29-30 अक्टूबर, 20123
2. वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा (राजस्थान) में प्रयोजनमूलक हिंदी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला। (शोधपत्र) दिनांक 30 जनवरी, 2013

डॉ. राम प्रकाश यादव

सहायक प्रोफ़ेसर

संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भागीदारी

1. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अकादमिक स्टॉफ़ कालेज द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रतिभागी। 26 नवंबर 2012
2. 'हिंदी का दूसरा समय' कार्यक्रम में 'हिंदी में अनुवाद' विषय पर समानांतर सत्र का संचालन। 05 फरवरी 2013

विभिन्न शैक्षिक आयोजनों में विशेष व्याख्यान

1. 'राजभाषा' विषय पर वेस्टर्न कोलफ़ील्ड लिमि. वर्धा द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान 21 सितंबर, 2012
2. 'कंप्यूटर और हिंदी, कंप्यूटर और अनुवाद' विषय पर राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन केंद्र, अंबाझरी, नागपुर द्वारा विशेष व्याख्यान दिनांक 12.02.2013

विशेष दायित्व का निर्वहन

1. विभागीय ब्लॉक का संचालन फ़रवरी 2013 से

सुश्री हरप्रीत कौर
सहायक प्रोफ़ेसर

पुस्तकों का प्रकाशन

1. पुस्तक- 'अनुवाद का आत्म और अन्य', प्रकाशक - प्रिय साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली वर्ष 2012
2. पुस्तक- 'मेरी कविता की लड़की', प्रकाशक- भारतीय भाषा परिषद कोलकाता, वर्ष 2012

विशेष दायित्व का निर्वहन

1. छात्र ज्ञान विकास फरवरी 2013 से एवं सह संपादकः सनद, नई दिल्ली से प्रकाशित। वर्ष 2012 से अब तक।

श्री गोपाल राम
सहायक प्रोफ़ेसर

शोध पत्रों का प्रकाशन

1. पत्रिका इंटरनेशनल कांग्रेस ऑन इंग्लिस ग्रामर 2013 की कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग में डाइमेंशंस ऑफ़ लिंग्विस्टिक्स एंड लैंग्वेज टीचिंग फ़ॉर न्यू मिलेनियम लर्नर्स, टाटा मेक्ग्रो हिल एज्यूकेशन प्रा.लि., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित। शोध पत्र 'अंग्रेज़ी और बागड़ी के शीर्षतम स्वरों के मध्य एफ1 एवं एफ2 स्वर फ्रीक्वेंसीज की तुलना। वर्ष 2013

प्रारंभ हो चुकी योजनाएँ

1. **संदर्भ ग्रंथ निर्माण योजना-** अनुवाद प्रौद्योगिकी, मशीनी अनुवाद, भाषा प्रबंधन, साहित्य का अनुवाद और निर्वचन आदि से संबंधित संदर्भ ग्रंथों के निर्माण की योजना तैयार की गई, जिस पर निम्नानुसार फ़रवरी 2013 से कार्य प्रारंभ हुआ-

प्राध्यापक का नाम	**संदर्भ ग्रंथ का विषय क्षेत्र**
डॉ. अन्नपूर्णा सी.	प्रतीकात्मक अनुवाद की तकनीक पर केंद्रित
डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी	प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद पर केंद्रित
डॉ. राम प्रकाश यादव	समाज भाषा विज्ञान और अनुवाद प्रौद्योगिकी पर केंद्रित
सुश्री हरप्रीत कौर	निर्वचन और अनुवाद पर केंद्रित
श्री गोपाल राम	मशीनी अनुवाद पर केंद्रित

2. **अनुवाद प्रवेशिका (रीडर) निर्माण योजना-** अनुवाद प्रौद्योगिकी और निर्वचन अनुशासन का आधारभूत ज्ञान प्रदान करने के लिए निम्न योजनानुसार कार्य प्रारंभ हुआ।

संपादक-प्राध्यापक का नाम	**विषय**
डॉ. अन्नपूर्णा सी.	अंतर प्रतीकात्मक अनुवाद (फिल्म, टेलीविजन, मीडिया)
डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी	अभ्यास रीडर
डॉ. प्रशांत खत्री, अनुसंधान अधिकारी – अभ्यास रीडर	
डॉ. राम प्रकाश यादव	अनुवाद की सैद्धांतिकी
सुश्री हरप्रीत कौर	अनुवाद का इतिहास और भारतीय भाषाओं में अनुवाद
श्री गोपाल राम	अनुवाद प्रौद्योगिकी एवं मशीनी अनुवाद

डायस्पोरा अध्ययन विभाग

1. विभाग के अंतर्गत संचालित एक वर्षीय एम.फिल. 'प्रवासन, डायस्पोरा तथा पारदेशीय सांस्कृतिक अध्ययन' पाठ्यक्रम में सत्र 2011-12 में कुल 05 भारतीय तथा 01 मॉरीशस के विदेशी छात्र द्वारा प्रवेश लिया गया। इन शोध छात्रों द्वारा प्रथम छमाही में उत्तीर्ण होने के पश्चात निम्नलिखित विषयों पर लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत किया गया।

शोधार्थी का नाम **लघु शोध प्रबंध का नाम**

श्री तरन देव जगन्नाथ - गतंव्य देशों में स्वभूमि की सभ्यता का विस्तार तथा परंपराओं का प्रवाह: मॉरीशस के गंगा तालाब के विशेष संदर्भ में।

श्री अजय कुमार सिंह - प्रवासी भारतीयों का स्वभूमि से जुड़ाव: प्रवृत्तियों एवं प्रेरणाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

श्री संजय कुमार सिंह - पूर्वी उत्तर प्रदेश से खाड़ी देशों में होने वाले प्रवासन की प्रक्रिया तथा उसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का विवेचना।

श्री योगेश दिपराज भस्मे- मराठी डायस्पोरा: पहचान का स्वरूप एवं सांस्कृतिक जुड़ाव।

श्री मोहित राम चेलक - स्वभूमि से प्रवासन की प्रक्रिया तथा सूरीनाम में भारतीय डायस्पोरा की सामाजिक-सांस्कृतिक निर्मितियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन (मुंशी रहमान खान की आत्मकथा के विशेष संदर्भ में)।

2. अकादमिक वर्ष 2012-13 में विभाग के एम.फिल. कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर 04 छात्रों को प्रवेश मिला। इन शोध छात्रों द्वारा प्रथम छमाही सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए जाने के पश्चात निम्नलिखित विषयों पर शोध कार्य किया जा रहा है-

अ. दीपमाला सिंह – पूर्वी उत्तर प्रदेश से खाड़ी देशों के लिए होने वाले भारतीय प्रवासन के सामाजिक-सांस्कृतिक

प्रभाव विवेचनात्मक अध्ययन।

ब. मेघा रमेशराव मूल – पारदेशीय पंजाबी बौद्ध समुदाय तथा दलित डायस्पोरा में उभरती चेतना : एक अन्वेषणात्मक अध्ययन।

स. सुषमा पांडेय – लोक परंपराओं के निर्माण एवं संरक्षण में भारतीय डायस्पोरा के स्त्रियों की भूमिका।

द. जनार्दन किशोर ब्राह्मणे- औपनिवेशिक अनुबंधित श्रम प्रणाली तथा तोताराम सनाढ्य की आत्मकथा 'फिजी द्वीप में मेरे 21 वर्ष' एक समीक्षात्मक अध्ययन।

विशेष व्याख्यान

1. दिनांक 04.10.2012 एवं 05.10.2012 प्रो. दीपक मलिक, गांधी अध्ययन संस्थान, वाराणसी द्वारा "*भारतीय डायस्पोरा और उनके विभिन्न आयाम* " पर विशेष व्याख्यान दिया गया।
2. दिनांक 26.11.2012 को एंटोन डी कोम यूनिवर्सिटी, सूरीनाम में इतिहास के विद्वान प्रो. मारिस सफ़दर हसनखान द्वारा "*औपबंधिक श्रम प्रणाली तथा सूरीनाम में भारतवंशियों का इतिहास*" विषय पर विशेष व्याख्यान दिया गया। इनसे उत्तर भारत से सूरीनाम के लिए प्रवासित हिंदुस्तानियों के प्रवासन इतिहास, सांस्कृतिक धरोहर और मौखिक परंपराओं के दस्तावेज़ीकरण तथा इनके प्रदर्शन एवं भावी शोध सहयोग के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

सृजन विद्यापीठ

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग

नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग में इस सत्र का प्रारंभ जुलाई, 2012 में पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ हुआ। इस सत्र के प्रथम छमाही में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं ने अपनी नवीन और युवा रचनात्मकता से विभाग में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया। विभाग में वर्ष 2012 से पीएच.डी. पाठयक्रम की भी विधिवत शुरुआत हुई, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को शोधपरक अध्ययन और प्रशिक्षण के साथ-साथ शोध भी कराए जा रहे है। इस सत्र में नए शिक्षकों की नियुक्ति और उनकी सृजनात्मकता ने विभाग के विकास के लिए देखे गए स्वप्नों को साकार करने तथा सकारात्मक वातावरण की संरचना में महत्वपूर्ण योगदान किया।

संचालित पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम		छात्रों की संख्या
एम.ए. प्रथम छमाही	-	16
एम.ए. तृतीय छमाही	-	06
एम.फिल. प्रथम छमाही	-	10
पीएच.डी.	-	07

शैक्षणिक कर्मी

प्रो. सुरेश शर्मा

विभागाध्यक्ष तथा अधिष्ठाता

फिल्म समारोहों में सहभागिता

1. गोवा अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह -2012 में भाग लिया।
2. मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह 2012 में भाग लिया।

संकल्पना, दिशा और फिल्मों की पटकथा

1. रोमांस के राजा शम्मी कपूर (वृत्तचित्र)
2. संगीत निर्देशक "रवि और एक गाने का जन्म"
3. "आइए हिंदी सीखें" पाँच फिल्में -हिंदी वर्णमाला, हिंदी स्वर, परिचय, रंग, MGAHV पर एक फिल्म- "शिखर की ओर"

प्रकाशन

1. "मिटता भारत, बनता इंडिया"

डॉ. ओम प्रकाश भारती

एसोशिएट प्रोफ़ेसर

संयोजन/संचालन/भगीदारी

1. कला संस्कृति और साहित्य संस्थान, गाजियाबाद द्वारा 18-20 अप्रैल, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "लोकनाट्य नौटंकी के संरक्षण और प्रलेखन के विविध आयाम" विषय पर शोधालेख की प्रस्तुति।
2. हिमालयन हेरिटेज रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसायटी, सिक्किम तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (संस्कृति मंत्रालय,

भारत सरकार) दीमापुर के सहयोग से 10-11 जून, 2012 को आयोजित रवींद्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "रवींद्र नाथ टैगोर का लोक कला में सहयोग" विषय पर प्रमुख प्रवक्ता के रूप में व्याख्यान।

3. हिमालयन हेरिटेज रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसायटी, सिक्किम तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) दीमापुर के सहयोग से 28 जून, 2012 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "पूर्वी हिमालय के बौद्ध जनजातियों की लोक थिएटर और संबद्ध कला" विषय पर शोधालेख की प्रस्तुति।
4. 18 अगस्त, 2012 को नेपाल के कुसाहा में 'बाँध टूटने दो' नामक नाटक निर्देशित तथा प्रस्तुत किया।
5. म.गां.अं.हि.वि. वर्धा द्वारा 1-5 फरवरी, 2013 को आयोजित हिंदी का दूसरा समय- एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "मुख्य धारा का रंगमंच" सत्र का संचालन तथा बीज वक्तव्य दिया।

प्रकाशन:

1. आदिकालीन नाट्य (शोध पत्र)
2. भारतीय पारंपारिक पुतुल नाट्य।
3. रंग घर- भारतीय रंग- स्थापत्य कला का कालक्रमिक अध्ययन।

डॉ. सतीश पावड़े

सहायक प्राध्यापक

नाटक

1. दर्शन (अनुवाद तथा निर्देशन)
2. द स्लेव (अनुवाद तथा निर्देशन)
3. और वे आगे निकल गए (अनुवाद तथा निर्देशन)

राष्ट्रीय सेवा योजना

नवगठित एनएसएस के समन्वयक के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।

डॉ. विधु खरे दास

सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

1. रंग प्रसंग -2012 एनएसडीएन, दिल्ली खंड-40, पेज- 74
2. दीपशिखा -2012 इग्नू ,दिल्ली
3. कला सौरभ -2012 आईकएसविवि खंड-13
4. कला जागर -2012 पीवाईएसके, अलमोड़ा खंड- 01

व्याख्यान

'शिक्षा और उसका अर्थ' गांधी सिटी पब्लिक स्कूल, वर्धा-2012

नाटकों का निर्देशन

1. थाई गौरव
2. द कैट प्रोजेक्ट : लोअर डेफ्थ
3. ओडिपस
4. कलिगुला

डॉ. रयाज़ हसन
सहायक प्राध्यापक

फिल्म (पटकथा, निर्देशन और संपादन)

1. भगत की गत।
2. आश्रम
3. म.गां.अं.हि.वि., वर्धा पर प्रोमोशनल फिल्म

प्रकाशन

"सिनेमा: उद्भव और विकास" पुस्तक प्रकाशित।

अतिथि प्रशिक्षक

1.	श्री रमेश लखमापुरे	-	रंगकर्मी
2.	श्री प्रसन्ना	-	
3.	प्रो. सचिन तिवारी	-	प्रभारी, नाट्य कला एवं फ़िल्म विभाग, इलाहाबाद, विश्वविद्यालय
4.	श्री विवेकानंद	-	प्रॉड्यूसर, दूरदर्शन
5.	श्री रामगोपाल बजाज	-	पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली एवं विख्यात रंगकर्मी
6.	श्री संस्कार देसाई	-	डाक्यूमेंट्री फिल्म मेकर
7.	श्री प्रवीर गुहा	-	विख्यात रंगकर्मी
8.	श्री किशोर वासवानी	-	फिल्म समीक्षक
9.	डॉ. पंकज वसाडकर	-	साइकियाट्रिस्ट

10. श्रीमती सरयू फाल्के - पत्रकार एवं दादा साहब फाल्के की जीवनी लेखिका
11. त्रिपुरारी शरण - महानिदेशक, दूरदर्शन
12. असीम सिन्हा - फिल्मकार
13. पंकज राग - पूर्व निदेशक, भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, पुणे
14. अजित राय - फिल्म समीक्षक
15. रोहित सूरी - फ़ोटोग्राफर
16. पवन कुमार शर्मा - फिल्म स्टूडियो संचालन
17. के.एन. पांडेय - फिल्म संगीत के मर्मज्ञ विशेषज्ञ
18. प्रह्लाद अग्रवाल - फिल्म विशेषज्ञ
19. योगेश्वर गंधे - डाक्यूमेंट्री फिल्म मेकर

विभाग के शिक्षकों और छात्रों की विभिन्न शैक्षणिक और सृजनात्मक गतिविधियाँ

प्रस्तुतियाँ व कार्यशालाएँ

1. द स्लेव (ब्लैक थियेटर की प्रस्तुति) - अनुवाद एवं निर्देशन डॉ. सतीश पावड़े
2. दर्शन (पोस्टमार्डन नाट्य प्रस्तुति) - अनुवाद एवं निर्देशन डॉ. सतीश पावड़े
3. और वे आगे निकल गए (किसानों की आत्महत्या पर आधारित) - अनुवाद एवं निर्देशन डॉ. सतीश पावड़े
4. थाई गौरव (थाईलैंड के छात्रों के साथ नाट्य प्रस्तुति)- निर्देशन डॉ. विधु खरे दास
5. ईडिपस (ग्रीक नाट्य प्रस्तुति) - निर्देशन डॉ. विधु खरे दास
6. द कैट – तलछट (इनसटालेशन प्रस्तुति)- निर्देशन डॉ. विधु खरे दास
7. कालिगुला - निर्देशन डॉ. विधु खरे दास
8. चीनी छात्रों के साथ नाट्य की कक्षाएँ - डॉ. विधु खरे दास

9. स्थापना दिवस कार्यक्रम की संकल्पना और निर्देशन - डॉ. विधु खरे दास
सभी कार्यक्रमों के तकनीकी पक्षों का संचालन श्री हिमांशु नारायण (तकनीकी सहायक) ने किया।

फ़िल्मों का निर्माण

1. आइए हिंदी सीखें (विदेशी छात्रों के लिए हिंदी) - निर्देशन प्रो. सुरेश शर्मा, सहयोग डॉ. रयाज़ हसन
2. हिंदी वर्णमाला - निर्देशन प्रो. सुरेश शर्मा, सहयोग डॉ. रयाज़ हसन
3. हिंदी के स्वर - निर्देशन प्रो. सुरेश शर्मा, सहयोग डॉ. रयाज़ हसन
4. परिचय और अभिवादन - निर्देशन प्रो. सुरेश शर्मा, सहयोग डॉ. रयाज़ हसन
5. सातरंग - निर्देशन प्रो. सुरेश शर्मा, सहयोग डॉ. रयाज़ हसन
6. विश्वविद्यालय पर फिल्म शिखर की ओर - निर्देशन प्रो. सुरेश शर्मा, सहयोग डॉ. रयाज़ हसन

उपरोक्त फिल्मों के निर्माण में तकनीकी सहयोग श्री हिमांशु नारायण (तकनीकी सहायक) ने किया।

उपरोक्त के साथ-साथ विभाग में प्रत्येक शुक्रवार को अध्ययन-अध्यापन के उद्देश्य से एक फ़िल्म भी प्रदर्शित की जाती है। फिल्म पर परिचर्चा का संचालन प्रो. सुरेश शर्मा द्वारा किया जाता है तथा तकनीकी पक्षों का संचालन श्री हिमांशु नारायण (तकनीकी सहायक) द्वारा किया जाता है।

उपरोक्त गतिविधियों तथा नियमित पठन-पाठन के साथ साथ नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग में समय-समय पर विभिन्न क्लासरूम सेमिनार, चर्चा-परिचर्चा तथा सैद्धांतिक और व्यवहारिक पक्ष से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की जाती रहती हैं। नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग के सभी शिक्षक और स्टाफ़ विभाग के लगातार एवं बहुमुखी विकास के तथा अगले सत्र के लिए निश्चित किए गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कटिबद्ध हैं।

मानविकी एवं समाज विज्ञान विद्यापीठ

मानव विज्ञान विभाग

मानवविज्ञान विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के संस्कृति विद्यापीठ के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण विभाग है। इस विभाग की स्थापना कुलपति श्री विभूति नारायण राय के संरक्षण एवं प्रो. नदीम हसनैन के नेतृत्व में 17 सितंबर, 2009 में की गई। मानव विज्ञान में उत्कृष्ट शिक्षण एवं शोध के साथ-साथ विषय के अन्य पक्षों को भी उन्नत करना है। चूँकि मानव विज्ञान का प्रमुख अध्ययन क्षेत्र 'जनजातीय समुदाय' है इसलिए विदर्भ क्षेत्र में स्थित यह विभाग विशाल जनजातीय समुदाय पर महत्वपूर्ण अध्ययन कर रहा है। जिसमें विदर्भ क्षेत्र की बहुरंगी जनजातीय संस्कृतियाँ प्रमुखत: शामिल हैं।

संचालित पाठ्यक्रम

1. एम. ए. मानव विज्ञान
2. एम. फिल. मानव विज्ञान
3. पी-एच. डी. मानव विज्ञान
4. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फ़ॉरेंसिक साइंस (पी.जी.डी.एफ.एस.)

अकादमिक वर्ष 2012-2013 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश

1. एम. ए. मानव विज्ञान प्रथम छमाही - 11
2. एम. ए. मानव विज्ञान तृतीय छमाही - 06

3. एम. फिल. मानव विज्ञान - 10
4. पी-एच. डी. मानव विज्ञान - 03
5. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फ़ॉरेंसिक साइंस (पी.जी.डी.एफ.एस.) - 06
कुल संख्या - 36

शैक्षणिक कर्मी

1. डॉ. बी.एम. मुखर्जी - प्रोफ़ेसर
2. डॉ. फ़रहद मलिक - रीडर एवं विभागाध्यक्ष
3. डॉ. वीरेंद्र प्रताप यादव - सहायक प्रोफ़ेसर
4. डॉ. निशीथ राय - सहायक प्रोफ़ेसर
5. श्री प्रशांत कुमार सिंह - अंशकालिक शिक्षक

अकादमिक गतिविधियां 2012-2013

1. जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा लघु शोध परियोजना ''हेल्थ स्टेटस अमंग द बैगा ऑफ छत्तीसगढ़'' प्रदान की गई।
2. जनजातीय कार्य मंत्रालय व्दारा आयोजित लघु शोध परियोजना "Impact of Development Programme & Migration on Kolam P.T.G. – A Boicultural Analysis" प्रदान की गई।
3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मेजर प्रोजेक्ट ''वाइल्ड लाईफ कॅन्जरवेशन एंड इस्यूज ऑफ ट्राइबल राइट'' प्रदान किया गया।
4. कुलपति व्दारा 17 सितंबर, 2012 को विभागीय स्थापना दिवस के अवसर पर ''धर्मनिरपेक्षता एवं भारतीय समाज'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।
5. जनजातीय संग्रहालय का कुलपति व्दारा 17 सितंबर, 2012 को उद्घाटन किया गया।

6. विभागीय सदस्यों द्वारा 08 राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।
7. संस्कृति मंत्रालय में जनजातीय संग्रहालय बनाने के लिए नया प्रस्ताव भेजा गया।
8. मानवविज्ञान विभाग के जनजातीय संग्रहालय की समृध्दी के लिए विभिन्न जनजातीय समूह के आर्टिफैक्ट और छायाचित्र का संकलन किया गया।
9. एक छात्र ने यू. जी. सी. नेट परीक्षा उत्तीर्ण की – शिव कुमार
10. दो छात्रों ने राजीव गांधी छात्रवृत्ति प्राप्त की – 1. जया अशोकराव बागडे, 2. जैनेंद्र कुमार
11. एक छात्र ने मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय छात्रावृत्ति प्राप्त की - इरशाद खान
12. आई.सी.एस.एस.आर. व्दारा राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजन करने के लिए अनुदान प्राप्त 'मध्य भारत में आदिवासी अशांतिः कारण, चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर।
13. विभागीय सदस्यों व्दारा दो पुस्तकें **1. Tribal People of Central India: Problems and Prospects,** एवं 2. **''मध्य भारत के आदिवासी : समस्याएँ एवं संभावनाएँ''** प्रकाशनाधीन हैं।

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

1. एम.ए. जनसंचार
2. एम.ए. मीडिया प्रबंधन
3. एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
4. एम.फिल. जनसंचार
5. पीएच.डी. जनसंचार

पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

1. टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
2. वेब पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
3. प्रसारण माध्यमों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
4. विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
5. ग्राफिक्स एवं एनीमेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
6. वीडियोग्राफी एवं वीडियो संपादन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (संबंधित समितियों द्वारा अनुमोदित)

1. एम.ए. विज्ञापन एवं जनसंपर्क
2. एम.ए. फिल्म एवं जन संस्कृति
3. एम.एस.सी. संचार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

शोधार्थियों की संख्या

1. पीएच.डी. पाठ्यक्रम उत्तीर्ण शोधार्थियों की संख्या - 06
2. पीएच.डी. प्रक्रियाधीन शोधार्थियों की संख्या - 02
3. पीएच.डी. शोधरत शोधार्थियों की संख्या - 24
4. एम.फिल. पाठ्यक्रम उत्तीर्ण शोधार्थियों की संख्या - 14
5. एम.फिल. शोधरत शोधार्थियों की संख्या - 12

केंद्र में उपलब्ध अन्य सुविधाएँ

1. एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी. विद्यार्थियों/शोधार्थियों को 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति
2. केंद्र की पुस्तकालय
3. अत्याधुनिक दृश्य-श्रृव्य स्टूडियो
4. केंद्र की कंप्यूटर प्रयोगशाला/ वाचन कक्ष
5. वीडियो एवं फ़ोटो कैमरा
6. एलसीडी प्रोजेक्टर
7. मीडिया लैब
8. फिल्म निर्माण यूनिट
9. प्रिंटिंग मशीन

नेट/जेआरएफ़ उत्तीर्ण विद्यार्थी की सूची

1.	श्री उमेश कुमार पाठक	नेट	वर्ष- दिसंबर, 2006
2.	श्री संदीप कुमार वर्मा	नेट	वर्ष- दिसंबर, 2008
3.	श्री विवेक कुमार जायसवाल	जेआरएफ	वर्ष- दिसंबर, 2008
4.	कु. कंचन रानी	जेआरएफ	वर्ष- जून, 2011
5.	कु. अमिता	नेट	वर्ष- जून, 2011
6.	श्री बच्चा बाबू	नेट	वर्ष- जून, 2011
7.	श्री अमोल निमडसकर	नेट	वर्ष- जून, 2012
8.	श्री धनेश कुमार जोशी	नेट	वर्ष- जून, 2012
9.	श्री राहुल मीणा	नेट	वर्ष- जून, 2012
10.	श्री योगेश पासवान	नेट	वर्ष- जून, 2012
11.	श्री दिनेश कुशाबराव मुरार	नेट	वर्ष- जून, 2012
12.	श्री मनीष सचान	नेट	वर्ष- जून, 2012
13.	श्री भालचंद्र देवीदास जमधाड़े	नेट	वर्ष- जून, 2012
14.	श्री विनय भूषण	जेआरएफ	वर्ष- जून, 2012
15.	श्री मिथिलेश प्रियदर्शी	नेट	वर्ष- जून, 2012
16.	श्री अनिल कुमार मिश्र	नेट	वर्ष- जून, 2012

राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति उत्तीर्ण विद्यार्थी

1. डॉ. गजेंद्र प्रताप सिंह
2. दिनेश कुशाबराव मुरार

3. धनेश कुमार जोशी
4. राहुल मीणा
5. योगेश पासवान
6. विजय लक्ष्मी गौतम
7. अनिल कुमार विश्वा
8. अमृत कुमार
9. ललित कुमार

पोस्ट डॉक्टरल छात्रवृत्ति उत्तीर्ण विद्यार्थी

1. डॉ. गजेंद्र प्रताप सिंह

विद्यार्थियों की उपलब्धि

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा कर केंद्र के विद्यार्थियों ने देश के नामी मीडिया संगठनों में विभिन्न पदों पर जगह बनाई है।

1. ऋषिकेश चतुर्वेदी - सहारा टीवी, नोएडा
2. धर्मेंद्र गुप्ता - पीटीआई, दिल्ली
3. ब्रजेश शर्मा - नई दुनिया, जबलपुर
4. स्वप्निल बैरागी - ई टीवी, उत्तराखंड
5. आशीष - राज एक्सप्रेस
6. अजय सिंह - हिंदुस्तान टाईम्स, पटना
7. जितेंद्र गुप्ता - समवाद, पटना

8.	पिंकी सिंह	-	हिन्दुस्तान, पटना
9.	संदीप दुबे	-	फिल्म हाउस, मुंबई
10.	संदीप कुमार वर्मा	-	सहायक प्रोफ़ेसर, म.गां.अं.हि.वि., वर्धा
11.	देवाशीष प्रसून	-	सीनियर कॉपी एडिटर, अहा ज़िंदगी
12.	दिलीप ख़ान	-	रिसर्चर, राज्य सभा चैनल
13.	रूद्र भानु प्रताप	-	उपसंपादक, जनसंदेश टाइम्स, गोरखपुर
14.	कृष्ण बिहारी सिंह	-	उपसंपादक, दैनिक लोकमत समाचार, नागपुर
15.	निलेश झाल्टे	-	उपसंपादक, लोकमत समाचार, गोंदिया
16.	पराग मगर	-	उपसंपादक, सकाल, नागपुर
17.	हरिप्रताप सिंह	-	उपसंपादक, दैनिक भास्कर, औरंगाबाद

संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ

प्रो. अनिल कुमार राय

निदेशक

राष्ट्रीय संगोष्ठी/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला/कॉन्फ्रेंस

विश्वविद्यालय/संस्था/केंद्र का नाम	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला/कॉन्फ्रेंस	व्याख्यान/पेपर प्रस्तुति/उपस्थिति
विदेश मंत्रालय, भारत सरकार	अंतरराष्ट्रीय परिषद, जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका, 22-24 सितंबर 2012	9वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन
म.गां.अं.हि.वि., वर्धा 07 अगस्त 2011	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	वक्ता - विषय: सीखो जापान से, परमाणु विकिरण मुद्दा
विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत सरकार	अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	लोकसंचार में विज्ञान और तकनीकी
पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	मीडिया एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, 21-22 जनवरी, 2011	राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	हिंदी विषय पर आधारित
महिला अध्ययन भारतीय संगठन, 21-24 जनवरी, 2011	राष्ट्रीय संगोष्ठी	महिला सक्षमीकरण विषय पर आधारित
राजोगी शिक्षा एवं अनुसंधान फाउंडेशन, अबुरोड (राजस्थान) 16-19 सितंबर, 2011	राष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेंस	नैतिक मूल्य पर आधारित मीडिया समय की माँग
भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, 27-31 दिसंबर, 2011	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मीडिया, राजसत्ता एवं उत्तरदायित्व

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र, 9-10 जनवरी, 2011	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मिशनरी पत्रकारिता
संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र 14-21 नवंबर, 2011	राष्ट्रीय कार्यशाला	मीडिया शोध में कंप्यूटर अनुप्रयोग
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय कार्यशाला	पीस एजुकेशन एंड कॉनफ्लिक्ट रेज़ल्यूशॅन

शोध पत्र प्रकाशन

शोध पत्र का विषय	**शोध जर्नल का नाम**	**खंड एवं अंक**	**आईएसएसएन**
सार्वजनिक एवं निजी उद्योग क्षेत्र में कार्पोरेट संचार	अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल	खंड-2, अंक 23 अगस्त 2011	आईएसएसएन 0975-3486
शिक्षा पर आधारित फिल्मों का भारतीय समाज पर पड़ने वाला प्रभाव	नवीन सामाजिक शोध	खंड-3, अंक 3 मई 2011	आईएसएसएन 0975-4431
कार्पोरेट जगत के इमेज बिल्डिंग में जनसंपर्क की भूमिका	नवीन सामाजिक शोध	खंड-3 अंक 3. मई 2011	आईएसएसएन 0975-4431
कार्पोरेट एवं निजी क्षेत्र में जनसंपर्क की भूमिका	सामाजिक विज्ञान शोध जर्नल	खंड-15, अंक 1 जून 2011	आईएसएसएन 0975-2668
घरेलू हिंसा में सामाजिकता नवीन	सामाजिक शोध	खंड-3, अंक 6 अगस्त 2011	आईएसएसएन 0975-4431
मीडिया और महिला अधिकार	आकलन	खंड-3, अंक 6 अगस्त 2011	आईएसएसएन 0976-1616

डॉ. धरवेश कठेरिया

सहायक प्रोफ़ेसर

शोध पत्र प्रकाशन

शोध पत्र का विषय	शोध जर्नल का नाम	खंड एवं अंक	आईएसएसएन/ आईएसबीएन नं.
महात्मा गांधी की सांस्कृतिक परिवर्तन की अवधारणा और जनसंचार माध्यम	महाराष्ट्र शोध की समीक्षा	खंड-2, अंक 1, अक्टूबर, 12 पीपी. 1-4	आईएसएसएन : 2249-894 x
भारतीय जनमानस पर विज्ञापन के प्रभाव और बदलते सांस्कृतिक अंतर्संबधों का मूल्यांकन	भारतीय शोध पत्रिका, महाराष्ट्र	खंड-2, अंक 9, अक्टूबर, 2012	आईएसएसएन : 2230-7850
भारतीय संस्कृति और विज्ञापन के संबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन	अति मूल्यांकन शोध विचार, महाराष्ट्र	खंड-2, अंक 4, अक्टूबर, 2012	आईएसएसएन: 2231-5063
भारतीय टेलीविजन समाचार चैनलों का सामाजिक एवं व्यावसायिक विश्लेषण	भारतीय शोध पत्रिका, महाराष्ट्र	खंड-2, अंक 10, नवंबर 2012	आईएसएसएन: 2230-7850
रियलिटी शो की विषयवस्तु का नैतिक एवं सामाजिक मूल्यांकन	महाराष्ट्र शोध की समीक्षा	खंड-2, अंक 2, नवंबर 2012	आईएसएसएन: 2249-894 x
टेलीविजन चैनलों में ऐंकरिंग के बदलते परिदृश्य और विश्वसनीयता का विश्लेषण	अति मूल्यांकन शोध विचार, महाराष्ट्र	खंड-2, अंक 5, नवंबर 2012	आईएसएसएन: 2231-5063

डॉ. अख़्तर आलम

सहायक प्रोफ़ेसर

राष्ट्रीय संगोष्ठी/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला/कॉन्फ्रेंस

विश्वविद्यालय/संस्था/केंद्र का नाम	**संगोष्ठी/कार्यशाला/कॉन्फ्रेंस**	**व्याख्यान/पेपर प्रस्तुति/उपस्थिति**
रामकृष्ण कॉलेज, दारापुर	अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	मीडिया और मुस्लिम महिलाएँ
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	अंतरराष्ट्रीय लेखक महोत्सव	प्रादेशिक मीडिया एवं सांस्कृतिक संदर्भ
कोलकाता विश्वविद्यालय	अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	मीडिया में नैतिकता की आवश्यकता
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	सैनीटेशन में भारत और ईरान के कार्य
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	नए भारत का निर्माण और हिंद स्वराज
म.गां.काशी विश्वविद्यालय, वाराणसी	राष्ट्रीय संगोष्ठी	ग्रामीण विकास की प्रक्रिया और जनमाध्यम
डी.डी.यू., गोरखपुर विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मीडिया की नैतिकता
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय कार्यशाला	हिंदी ब्लॉगिंग की आचार संहिता
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय संगोष्ठी	भारत में उग्रवामपंद के मुद्दे
हरिचंद्र पीजी कॉलेज, वाराणसी	राष्ट्रीय संगोष्ठी	सूचना तकनीकी और मीडिया
डीडीयू, गोरखपुर विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय संगोष्ठी	पत्रकारिता के विविध आयाम
डीडीयू, गोरखपुर विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय कार्यशाला	भारतीय लेखक शिविर
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय कार्यशाला	तकनीकी शब्दावली एवं अनुप्रयोग
डीडीयू, गोरखपुर विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय कार्यशाला	मीडिया के विज्ञान लेखकों का अभिविन्यास
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मिशनरी पत्रकारिता

म.गां.काशी विश्वविद्यालय, वाराणसी	राष्ट्रीय संगोष्ठी	भारतीय गणतंत्र के 50 वर्ष
डीडीयू, गोरखपुर विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय संगोष्ठी	पर्यावरण संरक्षण में मीडिया का योगदान
म.गां. काशी विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मीडिया और जनतंत्र
म.गां. काशी विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय संगोष्ठी	जनतंत्र में युवा और मीडिया
म.गां. काशी विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय संगोष्ठी	समाज, संकलन और संपादन
एसएएमसीपीआरएसी, गोरखपुर	राष्ट्रीय कार्यशाला	पत्रकारिता एवं जनसंचार
जाजू कॉलेज, वर्धा	राष्ट्रीय संगोष्ठी	ग्रामीण विकास में मीडिया की भूमिका

शोध पत्र प्रकाशन

शोध पत्र का विषय	**शोध जर्नल का नाम**	**आईएसएसएन/आईएसबीएन नं.**
मीडिया बाज़ार और महिलाएँ	आधार पब्लिकेशन	978-81-922414-70
मीडिया में नैतिकता की अनिवार्यता	कलकत्ता विश्वविद्यालय	81-86263-03-4
अंधविश्वास का समाजशास्त्र एवं माध्यम	भारतीय धाराओं के शोध पत्रिका, सोलापुर	2249-894x
मीडिया का अर्थशास्त्र	गोरखपुर सामाजिक विज्ञान, गोरखपुर	0976-8521
मैथिली पत्रकारिता और भविष्य की त्रासदी	शोध धारा	0976-8521
मैथिली पत्रकारिता का स्वर्णिम कार्य	अति मूल्यांकन शोध विचार	2231-5063
विज्ञान पत्रकारिता लेखन कार्यशाला	एनसीएसटीसी, दिल्ली एवं एसएडीएवी, जौनपुर	-

श्री संदीप कुमार वर्मा

सहायक प्रोफ़ेसर

राष्ट्रीय संगोष्ठी/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला/कॉन्फ्रेंस

विश्वविद्यालय/संस्था/केंद्र का नाम	संगोष्ठी/कार्यशाला/कॉन्फ्रेंस	व्याख्यान/पेपर प्रस्तुति/उपस्थिति
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	अंतरराष्ट्रीय लेखक महोत्सव	पेपर प्रस्तुति
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	परमाणु मुक्त भारत की संकल्पना
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	मानव विज्ञान शिक्षा में डॉ. आंबेडकर का योगदान
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय कार्यशाला	पीस एजुकेशन एवं कॉनाफ्लिक्ट रेजूल्यूशॅन
संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र	राष्ट्रीय कार्यशाला	मीडिया शोध में कंप्यूटर अनुप्रयोग
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	महिला सक्षमीकरण के 100 वर्ष
संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मिशनरी पत्रकारिता
भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस	राष्ट्रीय संगोष्ठी	पेपर प्रस्तुति
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मध्य भारत के आदिवासी: समस्या एवं संभावनाएं

शोध पत्र प्रकाशन

शोध पत्र का विषय	शोध जर्नल का नाम	खंड एवं अंक	आईएसएसएन
भारतीय जनमानस पर विज्ञापन के प्रभाव और बदलते सांस्कृतिक अंर्तसंबंधों से मूल्यांकन	भारतीय धाराओं के शोध पत्रिका	खंड-2, अंक 9 अक्टूबर, 2012	आईएसएसएन 2230-7850
भारतीय टेलीविजन समाचार चैनलों का सामाजिक एवं व्यावसायिक विश्लेषण	भारतीय धाराओं के शोध पत्रिका	खंड-2, अंक 10 नवंबर, 2012	आईएसएसएन 2230-7850

रियलिटी शो की विषयवस्तु का नैतिक एवं सामाजिक मूल्यांकन	अनुसंधान की समीक्षा	खंड-2, अंक 2 नवंबर, 2012	आईएसएसएन 2249-894x
टेलीविजन चैनलों में ऐंकरिंग के बदलते परिदृश्य और विश्वसनीयता का विश्लेषण	अति मूल्यांकन शोध विचार, महाराष्ट्र	खंड-2, अंक 5, नवंबर, 2012	आईएसएसएन : 2231-5063

श्री राजेश लेहकपुरे
सहायक प्रोफ़ेसर

राष्ट्रीय संगोष्ठी/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला/कॉन्फ्रेंस

विश्वविद्यालय/संस्था/केंद्र का नाम	**संगोष्ठी/कार्यशाला/कॉन्फ्रेंस**	**व्याख्यान/पेपर प्रस्तुति/उपस्थिति**
रामकृष्ण कॉलेज, दारापुर	अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	महिला सक्षमीकरण एवं मीडिया
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	अंतरराष्ट्रीय लेखक महोत्सव	उपस्थिति
कोलकाता विश्वविद्यालय	अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	डिजिटल मीडिया: नैतिकता, स्वतंत्रता एवं सेंसरशिप
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय कार्यशाला	पीस एजुकेशन एवं कॉनाफ्लिक्ट रेजूल्यूशॅन
संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र	राष्ट्रीय कार्यशाला	मीडिया शोध में कंप्यूटर अनुप्रयोग
जाजू कॉलेज, वर्धा	राष्ट्रीय संगोष्ठी	ग्रामीण विकास में मीडिया की भूमिका
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस	महिला सक्षमीकरण के 100 वर्ष
संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मिशनरी पत्रकारिता
सोलापुर विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय संगोष्ठी	विज्ञापन का समाज पर प्रभाव
फिल्म सोसायटी ऑफ इंडिया	राष्ट्रीय कार्यशाला	फिल्म एप्रेशिएशन

श्रीमती रेणु सिंह
सहायक प्रोफ़ेसर

विश्वविद्यालय/संस्था/केंद्र का नाम	संगोष्ठी/कार्यशाला/कॉन्फ्रेंस	व्याख्यान/पेपर प्रस्तुति/उपस्थिति
संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी	मिशनरी पत्रकारिता
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा	राष्ट्रीय कार्यशाला	पीस एजुकेशन एवं कॉनाफ्लिक्ट रेजूल्यूशॅन
टाटा संस्थान, तुलजापुर	राष्ट्रीय कार्यशाल (2 सप्ताह)	रिसर्च मैथोडोलॉजी

वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियों का विवरण

संगोष्ठी– दिनांक 18 जुलाई, 2012 'भारतीय मीडिया के विस्तार और चुनौतियाँ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

मीडिया संवाद (2012-13) अतिथि व्याख्यान

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र द्वारा सत्र 2012-13 में मीडिया संवाद के बैनर पर मीडिया की नामी हस्तियों ने केंद्र के विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया।

क्र.	विशेषज्ञ का नाम	दिनांक
1.	श्री रामबहादुर राय, दिल्ली	19.04.2012
2.	डॉ. शाहिद अली, रायपुर	26.04.2012
3.	श्री मुकेश कुमार, सपादक, न्यूज़ एक्प्रेस टीवी चैनल, नई दिल्ली श्री अजीत कुमार, संपादक, न्यूज़ 24 टीवी चैनल श्री विकास मिश्र, संपादक, लोकमत समाचार	18.07.2012

4.	डॉ. धनंजय चोपड़ा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय	23.07.2012
5.	प्रो. प्रदीप माथुर, नई दिल्ली	08.08.2012-10.08.2012
6.	डॉ. संजय सिंह बघेल, दिल्ली विश्वविद्यालय श्री विजय जावंदिया, वर्धा	16.08.2012-18.08.2012
7.	प्रो.एम.एस. किदवई, अलीगढ़	05.09.2012
8.	श्री चंद्रकांत नायडू, भोपाल	04.09.2012-10.09.2012
9.	सुश्री गीता श्री, सहायक संपादक, आउटलुक, दिल्ली श्री ध्रदहान देसाई, वरिष्ठ पत्रकार	07.09.2012
10.	प्रो. सुनीता सिंह सेनगुप्ता	11.09.2012-13.09.2012
11.	प्रो.सी.पी.सिंह, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	29.10.2012
12.	प्रो. सी.के.सरदाना, पूर्व निगमित प्रबंध, भोपाल	07.11.2012-09.11.2012
13.	प्रो.एम.एस. किदवई, अलीगढ़	19.11.2012
14.	प्रो. सी.के.सरदाना, पूर्व निगमित प्रबंध, भोपाल	03.01.2013-07.01.2013
15.	डॉ. राजेंद्र उपाध्याय, दिल्ली	27.01.2013-30.01.2013
16.	प्रो. गोविंद सिंह, नैनीताल, उत्तराखंड	04.02.2013
17.	श्री सी.के.नायडू डॉ. किशोर वासवानी डॉ. महावीर सिंह	06.02.2013-07.02.2013
18.	प्रो. रमेश दीक्षित, लखनऊ	06.03.2013
19.	प्रो. सी.के.सरदाना, पूर्व निगमित प्रबंध, भोपाल	11.03.2013-13.03.2013

20.	श्री ललित सुरजन, रायपुर	04.04.2013
21.	श्री विश्वनाथ सचदेव, मुंबई	09.04.2013
22.	प्रो. एस.राघवाचारी, नई दिल्ली	16.04.2013
23.	डॉ. शाहिद अली, रायपुर	15.04.2013-16.04.2013
24.	श्री अनंत विजय, नई दिल्ली	19.04.2013
25.	प्रो. पुष्पेश पंत, दिल्ली	23.04.2013
26.	सुश्री रूबी अरूण, नई दिल्ली	25.04.2013-26.04.2013

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

1. पंद्रह पाठ्यक्रम के लिए छात्रों की सत्रांत परीक्षा का सफल संचालन दिनांक 22.07.2012 से 29.07.2012 तक 21 परीक्षा केंद्रों पर किया गया। इसके अतिरिक्त प्रबंधन पाठ्यक्रमों की वर्ष में 2 बार छमाही पद्धति के आधार पर सत्रीय परीक्षा 27.05.2012 से 30.05.2012 तथा 02.12.2012 से 05.12.2012 के दौरान सफलतापूर्वक संपन्न की गई।
2. सत्र 2011-12 के पंद्रह पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम (सितंबर-अक्तूबर 2012) में और प्रबंधन पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम दिसंबर 2012 एवं जनवरी 2013 में घोषित।
3. संबंधित पाठ्यक्रमों की अंकतालिका छात्र/अध्ययन केंद्र को प्रेषित की गई।
4. सत्र 2012-13 में 20 पाठ्यक्रम का सफल संचालन किया गया। कुल 1415 छात्रों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया गया। विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित है।
5. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा तथा राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से एमओयू के तहत पाठ्यसामग्री प्राप्त की गई और तत्संबंधी भुगतान भी किया गया।
6. सत्र 2012-13 के पंजीकृत छात्रों को विषयवार पाठ्यसामग्री वितरित की गई।
7. वार्षिक अकादमिक कैलेंडर, परिचय पत्र, सत्रीय कार्य संबंधी कार्य संपन्न किया गया।
8. 2012-13 में प्रवेशित छात्र-छात्राओं को पंजीयन, नामांकन संख्या आवंटित की गई जिसकी सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।
9. विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए एवं निर्धारित कोड संख्या आवंटित की गई। अध्ययन केंद्रों को निर्धारित कोड संख्या आवंटित की गई।
10. दूर शिक्षा निदेशालय से संबंधित सभी अद्यतन जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर डालने की प्रक्रिया समय-समय पर की गई।

11. समय-समय पर दूर शिक्षा निदेशालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए अध्ययन केंद्र स्थापित किए गए।
12. दूर शिक्षा निदेशालय से संबंधित जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए द्विरंगी बाउशर की निर्माण प्रक्रिया जारी है।
13. आगामी सत्र के लिए विद्यार्थियों की समस्त जानकारी को उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय के 'लीला' केंद्र से अद्यतन सॉफ्टवेयर का निर्माण कार्य जारी है।
14. एम.ए. हिंदी, अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अहिंसा एवं शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए इकाई लेखकों का निर्धारण होकर इकाई लेखन कार्य जारी है।
15. जनजाति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की पाठ्यसामग्री निर्माण विश्वविद्यालय तथा आदिवासी अकादमी, तेजगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में जारी हैं।
16. दूरस्थ शिक्षा परिषद, नई दिल्ली को दूरस्थ शिक्षा के संवर्धन तथा विकास के लिए सत्र 2012-13 के लिए राशि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव प्रेषित।
17. दूरस्थ शिक्षा परिषद, नई दिल्ली को दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम चलाए जाने की स्थायी मान्यता प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रेषित किया जा चुका है। इस संदर्भ में दूरस्थ शिक्षा परिषद द्वारा गठित निरीक्षण समिति का आगमन प्रस्तावित है।
18. महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र से संबंधित 12 वीं पंचवर्षीय योजना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
19. विभागीय पुस्तकालय स्थापित किया गया। विभाग में लगभग 10,000 हजार पुस्तकें उपलब्ध हैं।

परीक्षा अनुभाग

एम.ए. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2010-12)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणी/वर्ग				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल	तिथि
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री		
1	हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)	2	3	0	0	5	0	5	18.5.2012
2	कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	3	3	0	1	4	3	7	26.6.2012
3	इंफारमेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग	4	0	0	0	4	0	4	26.6.2012
4	हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)	3	0	0	0	3	0	3	18.5.2012
5	अहिंसा एवं शांति अध्ययन	0	1	0	2	2	1	3	19.6.2012
6	दलित एवं जनजाति अध्ययन	0	3	0	0	2	1	3	25.6.2012
7	बौद्ध अध्ययन	0	2	0	0	0	2	2	25.6.2012
8	हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)	3	0	0	0	1	2	3	25.6.2012
9	जनसंचार	6	4	0	0	6	4	10	25.6.2012
10	मानवविज्ञान	0	1	1	1	1	2	3	25.6.2012
11	नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन	3	1	0	5	7	2	9	18.5.2012

एम.फिल. पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2011-2012)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणी/वर्ग				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल	तिथि
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री		
1	हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)	4	1	0	2	5	2	7	14.5.2012
2	कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	0	1	0	3	3	1	4	14.5.2012
3	हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)	7	1	0	3	7	4	11	14.5.2012
4	अहिंसा एवं शांति अध्ययन	5	4	0	3	8	4	12	14.5.2012
5	स्त्री अध्ययन	7	3	0	2	6	6	12	14.5.2012
6	समाज कार्य	1	1	0	3	3	2	5	14.5.2012
7.	दलित एवं जनजाति अध्ययन	0	4	0	0	2	2	4	11.6.2012
8.	हिंदी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)	5	0	0	0	2	3	5	14.5.2012
9.	माइग्रेशन, डायस्पोरा एवं पारदेशीय सांस्क़ृतिक अध्ययन	3	1	0	1	5	0	5	14.5.2012
10.	जनसंचार	6	2	2	4	12	2	14	11.6.2012
11.	मानवविज्ञान	4	4	2	2	9	3	12	14.5.2012
12.	नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन	5	2	0	2	6	3	9	14.5.2012

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2011-2012)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणी/वर्ग				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल	तिथि
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री		
1	स्त्री अध्ययन	2	0	0	2	2	2	4	16.7.2012
2	बौद्ध अध्ययन	0	2	1	0	2	1	3	12.7.2012
3	पालि	0	4	0	0	2	2	4	12.7.2012
4	बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग	1	4	0	0	2	3	5	12.7.2012
5	तिब्बती भाषा एवं तिब्बती बौद्ध धर्म	1	2	0	0	1	2	3	12.7.2012
7	Hindi Translation	2	0	0	2	2	2	4	12.7.2012
6	टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण	2	1	0	0	3	0	3	12.7.2012
8	वेब पत्रकारिता	0	1	0	0	1	0	1	12.7.2012
9	विज्ञापन एवं जनसंपर्क	1	1	0	0	2	0	2	12.7.2012
10	प्रसारण माध्यम	2	1	0	0	3	0	3	12.7.2012
11	ग्राफिक्स एवं ऐनिमेशन	3	1	0	2	4	2	6	12.7.2012
12	वीडियोग्राफी एवं वीडियो संपादन	0	1	0	5	6	0	6	12.7.2012

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2011-2012)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणी/वर्ग				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल	तिथि
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री		
1	चीनी भाषा	0	2	0	0	1	1	2	16.7.2012
2	स्पैनिश भाषा	8	1	0	1	5	5	10	16.7.2012
3	अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी	13	0	0	0	3	10	13	27.4.2012

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2012-13)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणी/वर्ग				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल	तिथि
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री		
1	कंप्यूटर एप्लिकेशन (डीसीए)	0	0	0	1	1	0	1	18.2.2013

एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2011-12)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणी/वर्ग				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल	तिथि
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री		
1.	चीनी भाषा	0	1	0	0	1	0	1	12.7.2012
2	स्पैनिश भाषा	2	1	0	2	5	0	5	16.7.2012

एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2012-13)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणी/वर्ग				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल	तिथि
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री		
1	स्पैनिश भाषा	1	0	0	0	1	0	1	6.3.2013

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम : उत्तीर्ण विद्यार्थी (सत्र : 2012-13)

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणी/वर्ग				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल	तिथि
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री		
1	अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए गहन अल्पकालिक हिंदी पाठ्यक्रम	2	0	0	0	0	2	2	11.12.2012
2	चीनी भाषा	6	13	1	2	12	10	22	6.3.2013
3	स्पैनिश भाषा	25	6	1	12	35	9	44	26.2.2013
4	जापानी भाषा	4	6	3	0	11	2	13	7.1.2013

पी-एच.डी.

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	श्रेणी/वर्ग				उत्तीर्ण विद्यार्थी		कुल	तिथि
		सामान्य	अनु.जाति	अनु.जनजाति	ओबीसी	पुरुष	स्त्री		
1	हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)	0	0	0	1	1	0	1	30.11.2012
2	अहिंसा एवं शांति अध्ययन	0	0	0	1	0	1	1	16.8.2012
3	स्त्री अध्ययन	1	0	0	0	1	0	1	29.11.2012
4	जनसंचार	1	0	0	0	1	0	1	16.8.2012

स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय

उद्घाटन: 30 दिसंबर, 2011 **(प्रो. नामवर सिंह द्वारा)**

दृष्टि : हमारी धरोहर : हमारा आज, हमारा कल।

उद्देश्य:

1. विश्वभर में फैली हिंदी की साहित्यिक धरोहर को संगृहीत करके अध्ययन एवं शोध के लिए सुलभ बनाना।
2. हिंदी की साहित्यिक धरोहर के माध्यम से ज्ञान-परंपरा का विकास करना तथा उसे समृद्ध बनाना।
3. विलुप्ति के कगार पर पहुँचे साहित्य के संरक्षण की व्यवस्था करना और उसके प्रकाशन की योजना पर कार्य करना।
4. लेखकों की स्मृति से जुड़ी साहित्येतर वस्तुओं को सहेज कर रखना।
5. हिंदी की साहित्यिक धरोहर को विश्व संस्कृति के निर्माण का अनिवार्य अंग बनाना।

1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च, 2013 की अवधि में संग्रहालय की उपलब्धियाँ

क्र.सं.	**भेंटकर्ता**	**लेखक का नाम जिसकी उपलब्ध हुई**	**सामग्री का विवरण**	**तिथि**	**सामग्री कैसे उपलब्ध हुई**
1.	प्रो. रंजना अरगड़े	शमशेर बहादुर सिंह	पांडुलिपियाँ, पेंटिंग्स, पत्र, मैथिलीशरण सम्मान पत्र, कबीर सम्मान पत्र, पेंटिंग के औजार, छड़ी, कोट, चश्मा, वस्त्र, अटैची, बक्सा	12 मई 2012	कुलपति जी को भेंट।
2.	डॉ. राजलक्ष्मी वर्मा	डॉ. रामकुमार वर्मा	पांडुलिपियाँ, ग्रंथ,छायाचित्र, मानपत्र, दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, रेडियो, टाइपराइटर,	28 दिसंबर 2012	कुलपति जी को भेंट।

			इत्रदान, पर्स, कलमदान, अँगूठिया, अखरोट तोडने का यंत्र, पोस्टकार्ड होल्डर, कलाई घड़ी, ऑफिस एक्सेसरीज,माला		
3.	अनिरुद्ध कुमार हैकरवाल	अन्नपूर्णानंद	पांडुलिपियाँ, ग्रंथ, छायाचित्र पंचांग	फरवरी 2013	कुलपति जी को भेंट।
4.	पद्मा सचदेव	पद्मा सचदेव	पांडुलिपियाँ, पत्र, हस्तलिखित रजिस्टर, लता मंगेशकर के पत्र	31 मार्च 2013	कुलपति जी को भेंट।
5.	अतुल कुमार अमित कुमार अनीताप्रभाकर अर्चना प्रभाकर	विष्णु प्रभाकर	पांडुलिपियाँ, राजभाषा, सम्मान, बांगला पुस्तक, रेडियो, टाइपराइटर, वस्त्र	26 अप्रैल 2013	कुलपति जी को भेंट।
6.	प्रो. निर्मला जैन	आचार्य नगेंद्र संबंधी छायाचित्र	कुल 33 छायाचित्र हैं, जिनमें मुख्यत: नगेंद्र जी के विदाई समारोह से संबंधित हैं। इन छायाचित्रों में जैनेंद्र, नगेंद्र, महादेवी वर्मा, रवींद्र नाथ श्रीवास्तव, स्वरूप सिंह (कुलपति दिल्ली विश्वविद्यालय), भवानी प्रसाद मिश्र, उदयभानु सिंह, उदित नारायण सिंह, दशरथ ओझा, विजयेंद्र स्नातक, गोपाल राय, शांतिस्वरूप गुप्त, महेंद्र कुमार, इंद्रनाथ चौधुरी, जगदीश गुप्त, देवराज, विजयदेव नारायण साही, प्रो.	29 मई 2013	संग्रहालय प्रभारी को सौंपे।

			नूरूल हसन, सतीश चंद्र, हरबंश मुखिया, प्रो. निर्मला जैन आदि मौजूद हैं।		
7.	डॉ. संतोष भदौरिया	केदारनाथ अग्रवाल	पांडुलिपियाँ	फ़रवरी 2011	कुलपति जी को भेंट।
8.	डॉ. गंगाप्रसाद विमल	डॉ. गंगाप्रसाद विमल	छायाचित्र		

अन्य आयोजन

क्र.	कार्यक्रम	तिथि	विवरण
1.	डॉ. रामकुमार वर्मा अध्ययन कक्ष का उद्घाटन	28 दिसंबर 2012	उद्घाटन : सच्चिदानंद सिन्हा अध्यक्षता : कुलपति विभूति नारायण राय विशेष उपस्थिति: डॉ. राजलक्ष्मी वर्मा
2.	17वीं, 18वीं, और 19वीं सदी की पांडुलिपियों का प्रदर्शन	28 दिसंबर 2012 पूर्वाह्न	उद्घाटन : सच्चिदानंद सिंहा, अध्यक्षता : कुलपति विभूति नारायण राय विशेष उपस्थिति: डॉ. राजलक्ष्मी वर्मा (प्रदर्शनी में प्रदर्शित पांडुलिपियाँ डॉ. रामकुमार वर्मा के संग्रह के रूप में संग्रहालय को उपलब्ध हुई हैं।)
3.	शमशेर बहादुर सिंह की 19वीं पुण्यतिथि पर	12 मई 2012 पूर्वाह्न	उद्घाटन : डॉ. रंजना अरगड़े अध्यक्षता : कुलपति विभूति नारायण राय
4.	शमशेर साहित्य पर परिचर्चा	12 मई 2012 (अपराह्न)	कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकार डॉ. केदारनाथ सिंह, डॉ. निर्मला जैन, डॉ. गंगा प्रसाद विमल, डॉ. विजय मोहन सिंह शंभु गुप्त, आदि।

लेखकों के पत्र

प्रतिवेदन की अवधि में संग्रहालय को हिंदी के अनेक लेखकों के पत्र उपलब्ध हुए, जिनमें विष्णु प्रभाकर, अन्नपूर्णानंद जैसे प्रख्यात लेखक शामिल हैं। ये वे पत्र हैं, जो विभिन्न लेखकों को समय-समय पर प्राप्त हुए हैं, साथ ही वे भी, जो स्वयं लेखकों द्वारा अन्य लोगों को लिखे गए हैं। इन पत्रों को पढ़ने से लेखकों की मनः स्थिति, साहित्य, संस्कृति, और जीवन के विभिन्न पक्षों के संबंध में उनके विचारों तथा प्रतिक्रियाओं का पता चलता है। इन पत्रों को अपने समय और इतिहास को जानने का ज़रिया कहा जा सकता है। उपलब्ध पत्रों में ऐसे भी हैं, जिनसे लेखकों की जीवन-दृष्टि तथा सौंदर्य प्रतिबिंबित होती हैं। संग्रहालय की ओर से इन पत्रों के अध्ययन की योजना बनाई जा रही है।

इस अवधि में संग्रहालय को विभिन्न साहित्यकारों द्वारा **श्री विद्याधर शुक्ल** को लिखे गए पत्र भी प्राप्त हुए हैं।

मंगलवार पोस्ट

संग्रहालय द्वारा '**मंगलवार पोस्ट**' के नाम से एक साप्ताहिक ई-बुलेटिन का प्रकाशन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य संग्रहालय में उपलब्ध संदर्भ सामग्री की जानकारी प्रदान करना है। इसमें पांडुलिपियों से चुनी हुई सामग्री, पत्रिकाओं में छपी टिप्पणियाँ, छायाचित्र, पत्रों आदि का चयन किया जाता है।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय

विश्वविद्यालय पुस्तकालय का मिशन

केंद्रीय पुस्तकालय का मिशन है कि विश्वविद्यालय परिसर में शोध, शिक्षा एवं जीवनपर्यंत शिक्षा का उच्चतम स्तर बना रहे। पुस्तकालय स्वस्थ वातावरण देने के लिए सदैव तत्पर है, ताकि शिक्षा मनोरंजक तरीके से शिक्षार्थी को मिल सके। पुस्तकालय सदैव अपने बृहद एवं बहुविध उच्चस्तरीय ज्ञान-सामग्री द्वारा प्रयोक्ता (शिक्षक, छात्र, कर्मी एवं अन्य) को उसके जीवन में आगे बढ़ने, प्रगतिशील होने, ज्ञान-पिपासु बनने में सहायक होगा। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए पुस्तकालय निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है-

1. पुस्तकालयीन स्रोतों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए संरक्षित (डिजिलाइज्ड) करना।
2. उच्चतम स्तर के शोध एवं शैक्षिक वातावरण के निर्माण के लिए पुस्तकालय अनेक प्रकार के सेवाऐं भविष्य में प्रदान करना।
3. सूचना के दोनों प्रकारों आभ्यंतर तथा बाह्य स्रोतों को बढ़ावा देना।
4. विश्वविद्यालय में तमाम विद्यापीठों/विभागों के शिक्षकों और विद्यार्थियों से सहयोग करना एवं पुस्तकालय के बहुविध संवर्धन और विकास के लिए उनके सुझावों पर ध्यान देना।

केंद्रीय पुस्तकालय में पुस्तकें, पत्रिकाओं तथा शोध-पत्रिकाओं से संबंधित सूचना

क्र. सं.	नाम	संख्या
1.	कुल पुस्तकें	117207
2.	शोध-पत्रिका/ पत्रिका	83
3.	नई शोध-पत्रिकाएँ	Indian Linguistics and Indian Journal of applied Linguistics

सुविधाएँ

1. पुस्तकालय खुलने का समय प्रातः काल 8:00 बजे से सायं काल 8:00 बजे, सोमवार से शुक्रवार एवं प्रात:काल 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे शनिवार एवं रविवार।
2. शोधार्थियों के लिए कंप्यूटर लैब ई-बुक्स, ई-जर्नल्स तथा अन्य सेवा प्रस्तावित।
3. डॉ. राम कुमार वर्मा कक्ष: यहाँ डॉ. राम कुमार वर्मा द्वारा लिखित एवं संगृहित महत्वपूर्ण पुस्तकें उपलब्ध है। इन पुस्तकों में अनेक अलभ्य ग्रंथ है जिनको अत्याधुनिक तकनीक द्वारा सुरक्षित करना प्रस्तावित है।
4. (ई.टी.डी.) Electonic Theses & Dissertation डिजिटल लाइब्रेरी प्रोजेक्ट : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा 2012 में इनफ्लिबनेट अहमदाबाद के मध्य एम.ओ.यू. के तहत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। कुछ शोध-प्रबंध सी.डी. रोम में प्राप्त किया गया तथा सर्वर में अपलोड कर डी-स्पेस सॉफ्टवेयर (ओपन सोर्स) में निवेशित करके डिजिटल लायब्रेरी बनाया जाना प्रस्तावित है।

डॉ. मैत्रेयी घोष

पुस्तकालयाध्यक्ष

पुस्तक अध्याय

ए.सी.एल. का एक प्रोजेक्ट, जो ग्लोबल लाइब्रेरियन पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित होगा। इसमें पूर्ण अध्याय, 'मोबाइल डिजिटल एक्ससेज टू लाइब्रेरी: ए स्टेट्स रिपोर्ट ऑन पॉलिसीज एंड प्रिफरेंस इन इंडिया' पुस्तक न्यूयार्क लाइब्रेरी काउंसिल, यू.एस.ए. द्वारा 2013 में प्रकाश्य।

सम्मेलन पत्र

79वाँ इफला द्वारा 17-23 अगस्त, 2013 को सिंगापुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस के हेल्थ एंड बॉयोसांइस सेशन में एक पर्चा, हेल्थ लिटरेसी फॉर ऑल-एन इनवेस्टीगेशन इन टू कॉनसोशिया एंड पार्टनरशिप एमंगस्ट लाइब्रेरीज टू प्रमोट हेल्थ केयर इंफ़ार्मेशन इन इंडिया पढ़ने के लिए स्वीकृत।

संपादकीय समिति सदस्य

1. इंडियन जर्नल ऑफ़ लाइब्रेरी साइंस ISSN- 0975-7546 सी.ई.एस.ई.आर. द्वारा प्रकाशित।
2. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस, जो एक ओपेन एक्सेस जर्नल है, जिसका प्रकाशन अकादमिक जर्नल ISSN- 2141-2537 द्वारा प्रकाशित है। इसे http://academijournal.org/iilis/Editors.htm पर भी देखा जा सकता है।

सिंपोजियम/पाठ्यक्रम

1. सिंपोजियम कोर्सेस: 13-14 मई, 2013 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मेनस्ट्रीमिंग डी.आर.आर. इन डेवलपमेंट फ्रॉम रिस्क टू रिसीलेंस के अंतर्गत नेशनल प्लेटफार्म फ़ॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन नामक कॉन्फ्रेंस में हिस्सा।
2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन राइट्स द्वारा दूरशिक्षा द्वारा संचालित पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन राइट्स में नामांकन।

शैक्षणिक दायित्व

1. महिला कार्यबल सदस्य
2. इनफ्लिबनेट समन्वयक
3. अकादमिक परिषद सदस्य

प्रकाशन विभाग

1. वर्ष 2012-13 में प्रकाशित पत्रिकाएँ

अ) पुस्तक-वार्ता	:	अंक-39 (मार्च-अप्रैल, 2012)
	:	अंक 40 (मई-जून, 2012)
	:	अंक 41 (जुलाई-अगस्त, 2012)
	:	अंक 42 (सितंबर-अक्टूबर, 2012)
	:	अंक 43 (नवंबर-दिसंबर, 2012)
	:	अंक 44 (जनवरी-फ़रवरी, 2013)
ब) बहुवचन	:	अंक-33-34 (संयुक्तांक) (अप्रैल-जून, जुलाई-सितंबर, 2012)
	:	अंक 35 (अक्टूबर-दिसंबर, 2012)
	:	अंक 36 (जनवरी-मार्च, 2013)
स) हिंदी लैंग्वजेज डिस्कोर्स राईटिंग	:	अंक (अप्रैल-जून, 2012)
	:	अंक (जुलाई-सितंबर, 2012)
	:	अंक (अक्टूबर-दिसंबर, 2012
	:	अंक (जनवरी-मार्च, 2013)

2. नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'विश्व पुस्तक मेला' (दिनांक 04 फ़रवरी, 2013 से 10 फ़रवरी, 2013) में सक्रिय भागीदारी।
3. मुंबई पुस्तक मेला (दिनांक 13 अप्रैल, 2013 से 21 अप्रैल, 2013) में सक्रिय भागीदारी।
4. वार्षिक प्रतिवेदन, वॉल कैलेंडर, टेबल कैलेंडर, विश्वविद्यालय विवरणिका, ब्रोशर आदि का प्रकाशन।
5. डॉ. अभय कुमार दुबे के संपादन में 'हिंदी समाज विज्ञान विश्व-कोश' परियोजना के अंतर्गत कार्य किया गया।

जन सूचना अनुभाग

लोक प्राधिकरण द्वारा संक्षिप्त त्रैमासिक विवरण

वर्ष : 2012-2013

क्र.	मंत्रालय/विभाग/ संगठन	तिमाही	प्रारंभिक शेष आवेदन	तिमाही दौरान प्राप्त आवेदन	कुल आवेदन (कॉलम 3+4)	अन्य लोक प्राधिकरण को भेजे गए आवेदन	ऐसे निर्णय जहाँ आवेदन स्वीकार नहीं किए गए	ऐसे निर्णय जहाँ किसी अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई हो	कुल प्राप्त शुल्क (शुल्क+अन्य शुल्क+ पैनाल्टी) (रुपए में)	विभिन्न उपबंधों के अनुसार अस्वीकार्य मामले													
										आर. टी. आई. अधिनियम 2005 की संगत धाराओं के अनुसार													
										धारा 8(1)										अन्य धाराएँ			
										(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)	(ज)	(झ)	(ञ)	(9)	(11)	(24)	(Oth)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)													
1	**मानव विकास संसाधन मंत्रालय**																						
1.1	**उच्च शिक्षा विभाग**																						
1.1.1	म.गां.अं.हिं.वि.	प्रथम तिमाही (अप्रैल 2012-जून, 2012	6	24	30	0	0 (0%)	0	704	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		द्वितीय तिमाही (जुलाई 2012-सितंबर, 2012)	7	36	43	0	0 (0%)	0	451	0	0	1	0	0		1	0	0	1	0	1	0	0
		तृतीय तिमाही (अक्टूबर, 2012-दिसंबर, 2012)	20	35	55	0	1 (2.9%)	0	356	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0
		चतुर्थ तिमाही (जनवरी 2013-मार्च, 2013	30	30	60	0	0 (0%)	0	492	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
विभागीय कुल			**63**	**125**	**188**	**0**	**1 (0.8%)**	**0**	**2003**	**0**	0	1	0	0	0	3	0	0	1	0	1	0	0

लीला

(लेबोरेटरी इन इंफ़ॉर्मेटिक्स फ़ॉर द लिबरल आर्ट्स)

लीला प्रयोगशाला सभी आईटी शिक्षण संबंधित लर्निंग, रिसर्च और विश्वविद्यालय के आईटी विस्तार से संबंधित गतिविधियों का समर्थन करता है। यह छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी की सुविधाएँ प्रदान करता है। लीला प्रयोगशाला विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों– स्थापना, वित्त, लाइब्रेरी, स्कूल, केंद्र और इस विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के लिए कार्यालय स्वचालन उपकरण के विकास के लिए काम किया जा रहा है, साथ ही विश्वविद्यालय के वेबसाइट का रखरखाव एवं अद्यतन कार्य भी लीला लैब की जिम्मेदारी है।

विश्वविद्यालय की सभी सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित गतिविधियों के लिए लीला की परिकल्पना एक केंद्रीय सुविधा के रूप में की गई है। पाठयक्रमों में सूचना प्रौद्योगिकी के घटकों को पूर्ण करना लीला विभाग के दायित्वों में से एक है। इसके तहत एक सर्टिफिकेट कोर्स कंप्यूटर फंडामेंटल्स एवं अनुप्रयोग एम. ए. पाठ्यक्रमों के लिए चलाया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम एम. ए. के सभी पाठ्यक्रमों में एक अनिवार्य विषय के रूप में है। लीला द्वारा एम. फिल. एवं पीएच. डी. के शोधार्थियों के कोर्स-वर्क के लिए दिए गए दिशा निर्देशो के अनुरूप पाठ्यक्रम का निर्माण एवं संचालन किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का नाम कंप्यूटर ऑपरेशन एवं अनुप्रयोग है।

1. **अध्यापन** : लीला द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे- एम.आइ.एल.इ., कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान, डीसीए आदि में भी अध्यापन का कार्य किया जाता है।
2. **यूनीकोड प्रशिक्षण :** लीला द्वारा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं विदेशी छात्रों को समय-समय पर यूनीकोड का प्रशिक्षण दिया गया।

3. **वाईफाई नेटवर्किंग का विस्तार :** लीला विभाग द्वारा इंटरनेट और नेटवर्क आधारित अनुप्रयोगों के लिए विश्वविद्यालय परिसर में नए छात्रावासों को भी वाईफ़ाई नेटवर्किंग के साथ जोड़ दिया गया है। यह सुविधा विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिक्षण एवं अनुसंधान के उद्देश्य की पूर्ति करता है।

4. **हिंदी समय डॉटकॉम (**Hindisamay.com)**:** वेब संगत प्रारूप में **हिंदी समय** वेबसाइट के मुख्य डेटा का रूपांतरण करने के साथ प्रूफ पढ़ना और ऑनलाइन संपादन/अपलोडिंग करना।

5. **लोकल एरिया नेटवर्क :** विश्वविद्यालय के समस्त भवनों को ऑप्टिकल फाइबर केबल (OFC) एवं कार्यालय के कंप्यूटरों को यू.टी.पी. केबल के माध्यम से जोडकर नेटवर्क को और भी सुदृढ़ बनाने के लिए योजना तैयार की गई एवं तदनुसार साईट सर्वे कर रिपोर्ट को बीएसएनएल तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय को आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है।

6. **ई-पत्रिका:** J-STOR के साथ और अन्य ई पत्रिकाओं (Knimbus, EPW, Indian Journal आदि) की पहुँच प्राप्त करने के लिए इनफ्लिबनेट (सूचना पुस्तकालय नेटवर्क) से संपर्क किया है। सभी पत्रिकाओं का फ्री–एक्सेस मिल गया है। ये पत्रिकाएँ मुक्त रूप से केवल विश्वविद्यालय नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध हैं।

7. **तकनीकी सहायता:** लीला विभाग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों (सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन, टंकण परीक्षा आदि) के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

8. **सॉफ्टवेयर विकास/संवर्धन:** लीला द्वारा विकसित निम्न सॉफ्टवेयर को समय-समय पर अद्यतन किया जाता है।
   (अ) वेतन पंजिका
   (ब) प्रवेश प्रणाली
   (स) वेबसाइट (Hindivishwa.org)

9. **पुस्तकालय सॉफ्टवेयर :** लीला विभाग ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागीय पुस्तकालयों के लिए एक पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर विकसित किया है। वर्तमान में भाषा विद्यापीठ, अनुवाद विद्यापीठ एवं लीला विभाग के पुस्तकालय को कंप्यूटरीकृत किया गया है।

क्रय एवं परिसर विकास विभाग

वित्तीय वर्ष 2012-13 में विश्वविद्यालय के आवश्यकतानुसार निम्नानुसार कार्यादेश जारी करके कार्य किए गए हैं-

क्र.	कार्य का नाम
1)	साहित्य विद्यापीठ का निर्माण कार्य
2)	विश्वविद्यालय परिसर में वाटर सप्लाई का बाहरी कार्य
3)	पार्किंग शेड का निर्माण कार्य (कैपिसिटी 30 कार और 50 वाईक)
4)	महिला छात्रावास में S. S. Railing का कार्य
5)	शॉपिंग कॉम्लेक्स का निर्माण कार्य
6)	उत्तर एवं दक्षिण परिसर में सीवरेज ट्रटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य एवं सड़क का निर्माण कार्य
7)	पुरूष छात्रावास क्रमांक – 3, 4, 5, 6
8)	ट्राजिंट छात्रावास का निर्माण कार्य
9)	समता भवन के पास आठ कक्षों का निर्माण कार्य
10)	संग्रहालय भवन का निर्माण कार्य
11)	56 कर्मचारी आवासों का निर्माण कार्य
12)	प्रेक्षागृह भवन का निर्माण कार्य
13)	उत्तरी परिसर की शेष सड़क का निर्माण
14)	कंप्यूटर सेंटर का निर्माण कार्य
15)	प्रशासनिक भवन एवं कंप्यूटर सेंटर के मध्य भवन का निर्माण कार्य
16)	क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में चहार दीवारी का निर्माण कार्य

जनसंपर्क कार्यालय

1. 13 अप्रैल, 2012 : राहुल सांकृत्यायन की 119वीं जयंती का आयोजन महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति श्री विभूति नारायण राय ने की। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे, साहित्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. के.के. सिंह, प्रो. रामशरण जोशी, डॉ. रूपरेखा वर्मा एवं डॉ. एम.एल. कसारे उपस्थित थे।
2. 29-31 अगस्त, 2012: शोध प्रविधि पर संगोष्ठी का आयोजन।
3. 14 सितंबर, 2012 : हिंदी दिवस समारोह का आयोजन।
4. 29 दिसंबर, 2012 : विश्वविद्यालय के 15वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 29-31 दिसंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुविख्यात समाजवादी चिंतक डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा मुख्य वक्ता के रूप में तथा गुजराती साहित्यकार डॉ. केशुभाई देसाई विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्थापना दिवस पर पुस्तक मेला तथा फूड फेस्टीवल का आयोजन भी किया गया। फूड फेस्टीवल का उद्घाटन वर्धा के जिला पुलिस अधीक्षक अविनाश कुमार ने किया।
5. 3 जनवरी, 2013: सावित्री बाई फुले जयंती का आयोजन कन्या छात्रावास में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति श्री विभूति नारायण राय ने की। मुख्य वक्ता के रूप में राज्य महिला आयोग की क्षेत्रीय समन्वयक प्रतिभा गजभिये तथा डॉ. एम. एल. कसारे उपस्थित थे।
6. 29 जनवरी, 2013: हबीब तनवीर सभागार में बापू कुटी, सेवाग्राम आश्रम के अध्यक्ष अॅड. मा.म. गडकरी का व्याख्यान। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे ने की।
7. 30 जनवरी, 2013: महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर विश्वविद्यालय से बापू कुटी तक रैली का आयोजन किया गया।
8. 1-5 फरवरी, 2013 : हिंदी का दूसरा समय कार्यक्रम का आयोजन।

9. 3 फरवरी, 2013 : स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय को विभिन्न साहित्यकारों ने पांडुलिपियाँ, पत्र एवं चित्र भेंट दिए। इस उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. नामवर सिंह, सुविख्यात लेखिका निर्मला जैन, प्रो. गंगा प्रसाद विमल, कुलपति विभूति नारायण राय तथा संग्रहालय के प्रभारी प्रो. सुरेश शर्मा उपस्थित थे।

10. 18 फरवरी 2013: 'स्वच्छताका समाजशास्त्र' विषय पर सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक डॉ. बिंदेश्वर पाठक के व्याख्यान का आयोजन। कार्यक्रम में कुलपति विभूति नारायण राय, प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. के.के. सिंह, डॉ. पी. उपेंद्र उपस्थित थे।

11. 28 फरवरी, 2013 : मराठी भाषा दिवस समारोह का आयोजन स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय में किया गया। सुविख्यात मराठी लेखक डॉ. किशोर सानप ने बीज वक्तव्य दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे तथा पत्रकार राजेंद्र मुंढे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे ने किया।

कोलकाता केंद्र

क्रमांक	तिथि एवं कार्यक्रम स्थल	कार्यक्रम का विवरण
1.	01 अप्रैल, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सम्मेलन हॉल।	'समकालीनकविता की समय सापेक्षता' विषय पर संगोष्ठी में चंद्रकांत देवताले का बीज-भाषण।
2.	12 अप्रैल, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सम्मेलन हॉल।	'पत्रकारित और साहित्य के अंतर्संबंध' विषय पर संगोष्ठी में मा.ला.च. पत्रकारिता वि.वि. के पूर्व कुलपति अच्छुतानंद मिश्र का संबोधन
3.	22 अप्रैल, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सम्मेलन हॉल।	'समकालीन पत्रकारिता: परिवर्तन और प्रवृत्तियाँ' विषय पर डॉ. पृथ्वीश नाग का व्याख्यान।
4.	28 मई, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सम्मेलन हॉल।	'प्रतिरोधकी संस्कृति' विषय पर डॉ. चमनलाल का व्याख्यान।
5.	14-15 जुलाई, 2012, भारतीय भाष परिषद का सभाकक्ष।	'हिंदी और पूर्वोत्तर की भाषाएँ' विषय पर संगोष्ठी: बांगला लेखिका महाश्वेता देवी और कुलपति विभूति नारायण राय का उद्बोधन।
6.	28 जुलाई, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सम्मेलन हॉल।	'हिंदी-बांगला अंतर्संवाद' विषय पर संगोष्ठी: कवि नावारुण भट्टाचार्य से सुकुमार मिश्र और प्रसून भौमिक का संवाद।
7.	**30** अगस्त, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सभाकक्ष।	'जातीय समाजों का भाई चारा: विशेष' संदर्भ- पूर्वोत्तर विषय पर संगोष्ठी में समाज विज्ञान डॉ. नदीम हसनैन का बीज भाषण।
8.	14 सितंबर, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय	हिंदी दिवस पर संगोष्ठी: कवि केदारनाथ सिंह का अध्यक्षीय

	केंद्र का सभाकक्ष।	संबोधन
9.	13 अक्टूबर, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सभाकक्ष।	'कलाओं का सहकार संबंध' विषय पर संगोष्ठी: कुमार अनुपम का भाषण।
10.	06 नवंबर, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सभाकक्ष।	म.गां.अं.हि.वि. के कुलपति और उपन्यासकार विभूति नारायण राय से संवाद।
11.	25 दिसंबर, 2012, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सभाकक्ष।	'बांगलाकविता की समकालीनता' पर संगोष्ठी और अमीक मजुमदार एवं प्रसून भौम्कि का काव्य पाठ।
12.	16 जनवरी, 2013, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सभाकक्ष।	कवि केदारनाथ सिंह से संवाद।
13.	24 फरवरी, 2013, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सभाकक्ष।	'मानचित्रका इतिहास' विषय पर काशी विद्यापीठ के कुलपति डॉ. पृथ्वीशनाग का व्याख्यान।
14.	25 फरवरी, 2013, कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र का सभाकक्ष।	'अन्य भारतीय भाषाओं में हिंदी' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में कुलपति विभूति नारायण राय, प्रो. भट्टाचार्य, प्रो. अरूण होता एवं चंद्र घिमिरे का वैचारिक विमर्श।

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के उद्देश्यों को प्राप्त करने एवं अकादमिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने देश के विभिन्न भागों में क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस अनुक्रम में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं महामहिम राष्ट्रपति द्वारा इलाहाबाद एवं कोलकाता में वर्ष 2011 में क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने की अनुमति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त 5 क्षेत्रीय केंद्रों का प्रस्ताव विचाराधीन है।

इससे पूर्व कार्य परिषद में लिए गए निर्णय एवं मा कुलपति जी के निर्देशानुसार दिनांक 9 मई 2009 को इलाहाबाद में क्षेत्रीय विस्तार केंद्र की स्थापना की गई। एसोशिएट प्रोफ़ेसर/क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संतोष भदौरिया ने केंद्र के प्रथम क्षेत्रीय निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। केंद्र द्वारा आयोजित उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति मा. विभूति नारायण राय ने की, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति मा. नागेश्वर राव के अनुसार साहित्य की त्रिवेणी स्थल प्रयाग में हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र का खुलना हिंदी प्रेमियों के लिए गौरव की बात है। समारोह में वरिष्ठ कथाकार, लेखक, कवि, साहित्यकार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संतोष भदौरिया ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ. ललित किशोर शुक्ल, क्षेत्रीय निदेशक, लखनऊ ने किया। कार्यक्रम की कवरेज सभी समाचार पत्रों, जैसे हिन्दुस्तान, दैनिक जागरण, अमरउजाला, आज, डी.एन.ए., अमृत प्रभात, स्तंत्र भारत, पायनियर आदि ने प्रमुखता से छापी।

उक्त कार्यक्रम से संबंधित लेख साहित्यिक पत्रिका 'प्रगतिशील उदभव' के अक्टूबर-दिसंबर 2009 के अंक में 'इलाहाबाद में शिक्षा और संस्कृति का नया केंद्र' शीर्षक से प्रकाशित।

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद द्वारा वर्ष 2012-13 में किए गए कार्यो का विवरण

1. साहित्यिक आयोजन

क्र.	दिनांक	कार्यक्रम विवरण	कार्यक्रम स्थल
1	09 मई, 2012	‘आहटें और अंदाज़’	सत्य प्रकाश मिश्र सभागार, क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद
2	27 मई, 2012	‘मेरी शब्दयात्रा’, श्री दूधनाथ सिंह	सत्य प्रकाश मिश्र सभागार, क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद
3	9 एवं 10 जून 2012	मंटो एकाग्र	हिंदुस्तानी एकेडमी सभागार, इलाहाबाद एवं सत्य प्रकाश मिश्र सभागार, क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद
4	30 जुलाई 2012	प्रेमचंद जयंती	सत्य प्रकाश मिश्र सभागार, क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद
5	28 अगस्त 2012	‘फिराक और हिंदुस्तानी तहज़ीब’	सत्य प्रकाश मिश्र सभागार, क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद
6	17 नवंबर 2012	बिम्ब-प्रतिबिम्ब	नाट्य कला एवं सिनेमा संस्थान का सभागार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
7	26 एवं 27 नवंबर 2012	रामविलास शर्मा जन्मशताब्दी समारोह ‘रामविलास शर्मा एकाग्र’	साधना सदन सभागार, इलाहाबाद क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद सभागार
8	01 मार्च 2013	उपन्यास पर आधारित कार्यक्रम, ‘प्रेम की भूत कथा’	सत्य प्रकाश मिश्र सभागार, क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद
9	12 एवं 13 मार्च 2013	एहतेशाम हुसैन एवं अली सरदार ज़ाफ़री जन्मशती समारोह	सत्य प्रकाश मिश्र सभागार, क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद
10	22 मार्च 2013	गोष्ठी, ‘भगत सिंह से दोस्ती’	सत्य प्रकाश मिश्र सभागार, क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में वर्ष 2012-13 में संपन्न उक्त कार्यक्रमों में देश के विभिन्न शहरों से आए विद्वानों एवं अतिथियों में प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नामवर सिंह, कुलपति विभूति नारायण राय, श्री रतन सिंह, श्री शेखर जोशी, श्री रवींद्र कालिया, प्रो. निर्मला जैन, श्री दूधनाथ सिंह, श्री चौथी राम यादव, श्री भारत भारद्वाज, श्री संजीव, श्री श्याम कश्यप, सुश्री गीता शर्मा, श्री दुर्गा प्रसाद गुप्त, श्री प्रदीप सक्सेना, श्री सुरेश शर्मा, श्री बजरंग विहारी तिवारी, श्री कुमार पंकज, श्री रामजी राय, प्रो. विजय बहादुर, श्री रविभूषण, प्रो. अली जावेद, श्री अबू बकर अब्बाद, श्रीमती ममता कालिया, श्री लालबहादुर वर्मा, श्री खगेंद्र ठाकुर, श्री राजेंद्र राजन, श्री पी.एन. सिंह, श्री अरूण होता, श्री कृष्ण मोहन, श्री मूलचंद गौतम, श्री महेश कटारे, श्री पवन करण, श्री जयप्रकाश धुमकेतु, श्री अकील रिज़वी, श्री आबिद सुहैल, श्री शकील सिद्दीकी, श्री बद्री नारायण, श्री ए.ए. फ़ातमी, श्री असरार गांधी, श्री रमेश दीक्षित, श्री श्रीप्रकाश, श्री अजीत पुष्कल, श्री नंदल हितैषी, श्री धनंजय चोपड़ा, श्री नरेंद्र पुंडरीक, श्री राजकुमार शर्मा, अजीज़ा बानो, श्रीमती अर्जुमंद आरा, सुश्री सरवत खाँन, श्री संजय श्रीवास्तव, श्री सूरज थापा, श्री मो. अख्तर, श्री खान फ़ारूक, मु. नईम, श्री अबु बकर अब्बाद, अजुमंद आरा, श्रीमती शाहीना रिज़वी, श्रीमती मनीषा कुलश्रेष्ठ, श्री हुमाँयु अशरफ़, श्री तारिक छतारी, डॉ. नफ़ीस बानो, श्री आफ़ताब अहमद, श्री प्रभाकर सिंह, श्री निरंजन सहाय प्रमुख हैं।

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद के सत्यप्रकाश मिश्र सभागार में वर्ष 2012-13 में अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित साहित्यिक कार्यक्रमों का विवरण

क्र.	दिनांक	कर्यक्रम विवरण	कार्यदायी संस्था
1	01 अप्रैल, 2012	काव्य समारोह	ओपेन बुक ऑनलाइन
2	02 अगस्त, 2012	सांस्कृतिक परिचर्चा- मुंशी प्रेमचंद-जीवन व साहित्य संघर्ष एक सामाजिक दृष्टिकोण	आरोही साहित्यिक सांस्कृतिक मंच (सुमन लता)
3	2 1 अगस्त, 2012	संगोष्ठी विश्व शांति में युवाओं की भूमिका	यूनिवर्सल पीस फेडरेशन ऑफ इंडिया-यूपी चैप्टर (अरविंद कुमार भारद्वाज)

4	22 अगस्त, 2012	गोष्ठी	शांति एवं एकजुटता संगठन (सुरेश चन्द्र गुप्ता)
5	08 सितम्बर, 2012	शिक्षक सम्मान समारोह	आसरा फाउंडेशन (संतोष तिवारी)
6	09 सितम्बर, 2012	काव्य गोष्ठी	गुफ़्तगू (इम्तियाज अहमद गाजी)
7	13 अक्टूबर, 2012	सांस्कृतिक संगोष्ठी	मैत्री संघ (देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव)
8	14 अक्टूबर, 2012	काव्य गोष्ठी	गुफ़्तगू (इम्तियाज अहमद गाजी)
9	02 नवंबर, 2012	स्व. विश्वम्भर मानव स्मृति व्याख्यान माला	समन्वय संस्था (सुषमा शर्मा)
10	18 नवंबर, 2012	मेरी रंगयात्रा	रंगवीथिका इलाहाबाद (जतिन कुमार)
11	07 दिसंबर, 2012	पुस्तक विमोचन- नाटक संग्रह 'चेहरे की तलाश'	रंगवीथिका इलाहाबाद (जतिन कुमार)
12	09 दिसंबर, 2012	पुस्तक विमोचनः डॉ. नंदा शुक्ला की पुस्तक 'निशीथ'	गुफ़्तगू (इम्तियाज अहमद गाजी)
13	30 दिसंबर, 2012	गोष्ठी अलविदा -2012	गुफ़्तगू (इम्तियाज़ अहमद गाजी)
14	04 जनवरी, 2013	काव्य गोष्ठी	मुखातिब (श्री विपिन श्रीवास्तव)
15	13 जनवरी, 2013	काव्य गोष्ठी एवं मुशायरा	गुफ़्तगू (श्री इम्तियाज़ अहमद गाजी)
16	24 जनवरी, 2013	विमोचन (साप्ताहिक समाचार पत्र 'किड न्यूज टाइम्स')	किड न्यूज टाइम्स (संपादक, श्री अनूप जायसवाल)
17	21 फरवरी 2013	परिचर्चा	अबुल कलाम आजाद जन सेवा संस्थान (श्री नाजिम अंसारी, सचिव)
18	22 फरवरी 2013	पद ग्रहण कार्यक्रम	रंगवीथिका इलाहाबाद (जतिन कुमार)
19	10 मार्च 2013	पुस्तक विमोचन एवं परिचर्चा	सृजन संघर्ष परिवार (श्री यश मालवीय)
20	17 मार्च 2013	काव्य गोष्ठी	मुखातिब (श्री विपिन श्रीवास्तव)

21	23 मार्च 2013	नाट्य व्याख्यान माला -'मैं और मेरा रंगकर्म'	समानान्तर (श्री अनिल रंजन भौमिक)

2. वर्धा हिंदी शब्द कोश परियोजना

कुलपति के निर्देशन में नवंबर 2011 में 'वर्धा हिंदी शब्दकोश परियोजना' की शुरूआत हुई। प्रो. वी.रा. जगन्नाथन निदेशक एवं श्री हिमाशु रंजन, श्री शशिभूषण सिंह, श्री नीरज भारद्वाज, श्री गिरीश राव कठाणे संकलनकर्ता के रूप में नियुक्त हुए थे। कार्य परिषद की 44 वीं बैठक (दिनांक 11 दिसंबर 2011) में लिए गए निर्णय के अनुसार कुलपति द्वारा वर्धा शब्दकोश संपादक मंडल का गठन किया गया, जिसमें सदस्य के रूप में प्रो. निर्मला जैन, प्रो. गंगा प्रसाद विमल, प्रो. उमाशंकर उपाध्याय, श्रीमती कुसुम बाठिया, प्रो. नरेंद्र व्यास, प्रो. आर.पी. सक्सेना नियुक्त किए गए। कुलपति के निर्देश पर परियोजना को अक्टूबर 2012 में मुख्यालय वर्धा स्थानांतरित किया गया।

3. बिक्री केंद्र का संचालन

विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की बिक्री के लिए क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद द्वारा पुस्तक बिक्री केंद्र संचालित है। बिक्री केंद्र का उद्घाटन दिनांक 9 मई 2009 को विश्वविद्यालय के कुलपति एवं वरिष्ठ कथाकार विभूति नारायण राय की उपस्थिति में वरिष्ठ कथाकार श्री दूधनाथ सिंह द्वारा किया गया था। विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें एवं पत्रिका बहुवचन, पुस्तक-वार्ता एवं हिंदी लैंग्वेज डिस्कोर्स राइटिंग, प्रसिद्ध कवियों एवं आलोचकों के छवि संग्रह तथा कविताशती की सी.डी. की बिक्री क्षेत्रीय केंद्र के बिक्री केंद्र से की जाती है। बिक्री केंद्र से पत्रिकाएँ इलाहाबाद, बनारस, लखनऊ, कानपुर एवं ग्वालियर स्थित विक्रेताओं को भेजी जाती हैं।

4. पुस्तकालय का संचालन

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में एक पुस्तकालय संचालित है। इस पुस्तकालय में लगभग 4000 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिसमें साहित्य, संस्कृति, इतिहास, कला और कोश आदि से संबंधित पुस्तकें हैं। पुस्तकालय में प्रतिदिन पाँच दैनिक समाचार पत्र के साथ साप्ताहिक पत्रिकाओं में शुक्रवार एवं आउटलुक भी आती हैं। साहित्य, कला एवं संस्कृति को समर्पित पत्रिकाओं के अंक पुस्तकालय में आते हैं, जिनमें हंस, कथादेश, तद्भव, वागर्थ, प्रगतिशील वसुधा, कथन, आलोचना, वर्तमान साहित्य, नया ज्ञानोदय, वाक, बया, समकालीन भारतीय साहित्य एवं समकालीन जनमत प्रमुख हैं।

5. पांडुलिपियों का संकलन

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद द्वारा वर्धा स्थित स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय के लिए साहित्यकारों की पांडुलिपियों का संग्रह किया गया, जिसमें प्रख्यात साहित्यकार श्री शेखर जोशी का कविता संग्रह, मेघदूतम की दुर्लभ टीका, तारसप्तक का प्रथम संस्करण आदि संकलित कर संगहालय को प्रदान की गई।

6. प्रवेश कार्य

विश्वविद्यालय में ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से एवं नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश लिए जाते है। जहाँ नियमित पाठ्यक्रम में एम.ए., एम.फिल, पी-एच.डी डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स में वहीं दूरस्थ शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.ए.), स्नातक, स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं डिप्लोमा कोर्सो में प्रवेश लिए जाते है।

नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश- विश्वविद्यालय द्वारा नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए मार्च 2012 में विज्ञापन प्रकाशित किया गया। केंद्र प्रभारी के कुशल निर्देशन में केंद्र के कर्मियों द्वारा प्रवेश के लिए अथक प्रयास कर समाचार पत्रों एवं पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार तथा प्रवेश फार्मों की बिक्री की गई। केंद्र के माध्यकम से प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या निम्नलिखित रही- **वर्धा के लिए- एम.ए.,एम.फिल एवं पी-एच.डी. में कुल प्रेषित आवेदन पत्र – 126**

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनुमति - दिनांक 9 अगस्त 2012 को विद्यापरिषद की 18 वीं बैठक में अध्यक्ष की अनुमति से क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में नियमित पाठ्यक्रम के रूप में **'उर्दू भाषा में डिप्लोमा'** एवं **'अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान में डिप्लोमा'** संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई। दिनांक 14 सितंबर 2012 को प्रवेश के लिए विज्ञापन स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ। 'अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान में डिप्लोमा' में 16 एवं 'उर्दू भाषा में डिप्लोमा' में 17 छात्रों का प्रवेश लिया गया।

दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम में प्रवेश - विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से 13 पाठ्यक्रमों स्नातकोत्तर (एम.ए.) ग्राम विकास, हिंदी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, स्नातक स्तर - बी.ए., पत्रकारिता (जनसंचार), स्नातकोत्तर डिप्लोमा - अनुवाद में, पत्रकारिता एवं जनसंचार में, ग्राम विकास में, डिप्लोमा - हिंदी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा, स्त्री सशक्तिकरण एवं विकास में डिप्लोमा तथा पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा प्रबंधन पाठ्यक्रम - एम.बी.ए. एवं बीबीए (हिंदी माध्यम) का संचालन किया जाता है। केंद्र प्रभारी के कुशल निर्देशन में केंद्र के कर्मियों द्वारा उपरोक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अथक प्रयास कर प्रवेश फार्मों की बिक्री की गई। विभिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कुल 136 फार्मों की बिक्री की गई।

7. परीक्षा संयोजन

प्रवेश परीक्षा एवं वार्षिक और सत्रांत परीक्षा

1. एम.बी.ए प्रवेश परीक्षा, मई 2012 कुल छात्र - 10
2. नियमित पाठ्यक्रम (एम.फिल एवं पी-एच.डी.) की प्रवेश परीक्षा, जून 2012 कुल छात्र – 87
3. एम.बी.ए. एवं बीबीए सत्रांत परीक्षा, मई २०१२ कुल छात्र 42
4. दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रमों की वार्षिक परीक्षा अगस्त, कुल छात्र - 135
5. एमबीए एवं बीबीए सत्रांत परीक्षा दिसंबर, 2012 कुल छात्र – 55

8. अन्य गतिविधियाँ

1. क्षेत्रीय केंद्र भवन हेतु उ.प्र. आवास विकास परिषद से क्रय किए गए भूखंड की रजिस्ट्री कराई गई।
2. विश्वविद्यालय की पत्रिकाओं- बहुवचन, पुस्तक-वार्ता एवं हिंदी डिस्कोर्स के प्रसार एवं वितरण में सहयोग।
3. दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित एम.ए. हिंदी एवं जनसंचार पाठ्यक्रमों की पाठ्य सामग्री का टंकण आदि कार्य।
4. हिंदी समय डॉट काम के लिए सामग्री का टंकण आदि कार्य।
5. विश्वविद्यालय के नियमित एवं दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए विभिन्न स्थानीय समाचार पत्रों में प्रेस विज्ञप्ति एवं पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार।

राजभाषा विभाग

1. विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। हिंदी दिवस के परिप्रेक्ष्य में 3 सितंबर 2012 से 11 सितंबर 2012 तक हिंदी पखवाडे के अंतर्गत निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया-
   1. कविता पाठ/गीत गायन
   2. हिंदी में श्रुति लेखन
   3. हिंदी टंकण
   4. वाद-विवाद
   5. हिंदी निबंध
   6. हिंदी सुलेख

   विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा 14 सितंबर 2012 को सहभागी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र तथा उत्तीर्ण प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।
2. 10 जनवरी 2013 को 'विश्व हिंदी दिवस' मनाया गया। इसके तहत एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसका विषय था– 'भूमंडलीकरण और हिंदी'। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी श्री संजय गवई ने की तथा प्रमुख वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. सूरज पालीवाल तथा संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय 'अंकित' उपस्थित थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के अध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।
3. 21 फरवरी, 2013 को 'विश्व मातृभाषा दिवस' मनाया गया। इसके तहत एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसका विषय था- 'भाषाओं और भाषाई विविधता को बढ़ावा और सुरक्षा देने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग'। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय 'अंकित' ने की तथा मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के हिंदीसमयडॉटकॉम के संपादक श्री राजकिशोर तथा प्रमुख अतिथि के रूप में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. देवराज उपस्थित थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के अध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।